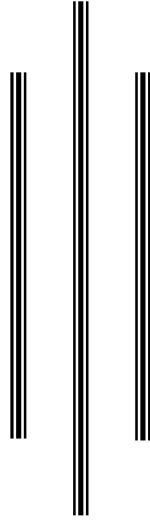


व्यवस्थापिका-संसद
दोस्रो अधिवेशन

बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण
२०६४ / २०६५
(सूचना पत्र - २)



प्रारम्भ मिति :-
२०६४ साल असार १८ गते सोमवार

अन्त्य मिति :-
२०६४ साल भदौ ७ गते शुक्रवार

व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय
कार्यव्यवस्था शाखा
संसद्भवन, सिंहदरबार
काठमाडौं

व्यवस्थापिका-संसद

माननीय सदस्यहरुको नामावली

(वर्णानुक्रमानुसार)

क्र सं.	नाम थर	जिल्ला	क्षेत्र नं.
१.	श्री अक्कलबहादुर विष्ट	अछाम	
२.	श्री अजयकुमार चौरसिया बरै	पर्सा	२
३.	श्री अजयप्रताप शाह	कपिलवस्तु	४
४.	श्री अर्जुनजङ्गबहादुर सिंह	बझाङ	१
५.	श्री अर्जुनप्रसाद जोशी	पर्वत	१
६.	श्री अञ्जना विसंखे	काठमाडौं	
७.	श्री अमरेशकुमार सिंह	सर्लाही	
८.	श्री अमृत कुमार बोहरा	सिन्धुपाल्चोक	
९.	श्री अमृता थापा	स्याङ्जा	
१०.	श्री अशोक कोइराला	मोरङ	
११.	श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य	काठमाडौं	६
१२.	श्री असर्फी सदा	सप्तरी	
१३.	श्री आनन्दप्रसाद हुङ्गाना	धनुषा	३
१४.	श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल	दोलखा	२
१५.	श्रीमती आनन्दीदेवी सिंह	सप्तरी	
१६.	श्री आमोदप्रसाद उपाध्याय	मोरङ	१
१७.	श्री इन्द्रजीत थारु	दाङ	
१८.	श्री इलियास मुसलमान	कपिलवस्तु	
१९.	श्री ईश्वर पोखरेल	काठमाडौं	३
२०.	श्री उमा अधिकारी रेग्मी	चितवन	
२१.	श्री उमाकान्त चौधरी	बारा	१
२२.	श्री उमा भुजेल	गोरखा	
२३.	श्री उमा वि.क.	कपिलवस्तु	
२४.	श्री उर्मिला अर्याल	पर्सा	४
२५.	श्री उर्वादत्त पन्त	कञ्चनपुर	
२६.	श्री ऋषिकेश गौतम	बारा	३
२७.	श्री एकनाथ रानाभाट	चितवन	२
२८.	श्री ओमप्रसाद ओझा	ताप्लेजुङ	२
२९.	श्री कमलप्रकाश सुनुवार	रामेछाप	१
३०.	श्री कमला पन्त (आचार्य)	गोरखा	२
३१.	श्री कमला रोका	रुकुम	
३२.	श्री कमानसिंह लामा	काभ्रेपलाञ्चोक	
३३.	श्रीमती काशी पौडेल	वर्दिया	१
३४.	श्री कुन्ता शर्मा	सुनसरी	१

क्र सं.	नाम थर	जिल्ला	क्षेत्र नं.
३५.	श्री कुमार फुदुङ्ग	तेह्रथुम	
३६.	श्री कुमारी मोक्तान	मकवानपुर	
३७.	श्री कुलबहादुर गुरुङ्ग	ईलाम	
३८.	श्री के.पी.शर्मा ओली	भापा	२
३९.	श्री केशरमान रोका	रुकुम	१
४०.	श्री केशव थापा	ईलाम	३
४१.	श्री कैलाशनाथ कसौधन	बाँके	३
४२.	श्री कृष्ण आचार्य	कास्की	
४३.	श्री कृष्णकिशोर घिमिरे	दाङ	३
४४.	श्रीमती कृष्णकुमारी श्रेष्ठ	चितवन	
४५.	श्री कृष्ण देव सिंह दनुवाहा	सिराहा	
४६.	श्री कृष्णप्रताप मल्ल	धनुषा	३
४७.	श्री कृष्णप्रसाद दहाल	मकवानपुर	१
४८.	श्री कृष्णप्रसाद भट्टराई	पर्सा	१
४९.	श्री कृष्णप्रसाद सिटौला	भापा	१
५०.	श्री कृष्णबहादुर महारा	रोल्पा	
५१.	श्री कृष्णलाल महर्जन	ललितपुर	२
५२.	श्री खड्गबहादुर विक	कालिकोट	
५३.	श्री खिमलाल देवकोटा	कास्की	
५४.	श्री खुमबहादुर खड्का	दाङ	१
५५.	श्री खेमराज भट्ट मायालु	वर्दिया	३
५६.	श्री गमबहादुर श्रीश मगर	म्याग्दी	
५७.	श्री गणेश शाह	धनुषा	
५८.	श्री गिरिजाप्रसाद कोइराला	सुनसरी	५
५९.	श्री गेहेन्द्र गिरी	दाङ	४
६०.	श्री गोकर्णराज विष्ट	गुल्मी	३
६१.	श्री गोपालप्रसाद कोइराला	भापा	६
६२.	श्री गोपालमान श्रेष्ठ	स्याङ्जा	२
६३.	श्री गोविन्द थारु	वर्दिया	
६४.	श्री गोरखबहादुर वोगटी	हुम्ला	-
६५.	श्री गोविन्दबहादुर शाह	अछाम	१
६६.	श्री गोविन्दराज जोशी	तनहुँ	१
६७.	श्री गोविन्दविक्रम शाह	जाजरकोट	१
६८.	श्री गंगानारायण श्रेष्ठ	सिन्धुली	
६९.	डा. गंगाधर लम्साल	चितवन	३
७०.	श्री गंगाप्रसाद नेपाल	सिन्धुली	१
७१.	श्री घनेन्द्र बस्नेत	भोजपुर	१
७२.	श्री चक्रप्रसाद वास्तोला	भापा	४

क्र सं.	नाम थर	जिल्ला	क्षेत्र नं.
७३.	श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली	भापा	
७४.	श्री चन्द्रबहादुर शाही	मुगु	-
७५.	श्री चन्द्रमणि खराल	नवलपरासी	२
७६.	श्री चिनक कुर्मी	नवलपरासी	
७७.	श्री चिरञ्जीवी बाग्ले	गोरखा	१
७८.	श्री चित्रबहादुर के.सी.	बाग्लुङ	२
७९.	श्रीमती चित्रलेखा यादव	सिराहा	२
८०.	श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा)	कास्की	
८१.	श्री जगदीशप्रसाद साह	सप्तरी	४
८२.	श्री जगन्नाथ खतिवडा	उदयपुर	२
८३.	श्री जग्यबहादुर शाही	दैलख	
८४.	श्री जनकराज गिरी	बाजुरा	-
८५.	श्री जनार्दन शर्मा	रुकुम	
८६.	श्री जयपुरी घर्ती मगर	रोल्पा	
८७.	श्री जयन्ति राई	भोजपुर	
८८.	श्री जयप्रकाशप्रसाद गुप्ता	सप्तरी	१
८९.	श्री भलनाथ खनाल	ईलाम	
९०.	श्री टीका बुढाथोकी	सल्यान	
९१.	श्री टुकराज सिग्देल	तनहुँ	३
९२.	श्री टेकबहादुर चोखाल	कैलाली	४
९३.	श्री टंक आम्बोहाङ लिम्बु	ताप्लेजुङ	
९४.	श्री टंकप्रसाद राई	संखुवासभा	१
९५.	श्री टंकप्रसाद शर्मा कडेल	बाग्लुङ	१
९६.	श्री डम्बरसिं सम्वाहाम्फे	पाँचथर	२
९७.	श्री डिलाराम आचार्य	अर्घाखाँची	१
९८.	श्री डिल्लीराज खनाल	अर्घाखाँची	२
९९.	श्री डिल्लीराज शर्मा *	पर्वत	२
१००.	श्री तारानाथ रानाभाट	कास्की	१
१०१.	श्री तारासम यङ्ग्या	भापा	५
१०२.	श्री तारिणीदत्त चटौत	कञ्चनपुर	२
१०३.	श्री तिलक परियार	बाँके	
१०४.	श्री तीर्थराम डङ्गोल	काठमाडौँ	७
१०५.	श्री तीर्था गौतम	रुकुम	२
१०६.	श्री तीलकुमार मेन्याडवो (लिम्बु)	ताप्लेजुङ	१
१०७.	श्री दानबहादुर चौधरी	कपिलवस्तु	१
१०८.	श्री दामा शर्मा	दाङ	
१०९.	श्री दामोदर वस्ताकोटी	नवलपरासी	१

* २०६४ साल साउन १३ गते निधन भएको ।

क्र सं.	नाम थर	जिल्ला	क्षेत्र नं.
११०.	श्री दिपकबहादुर गुरुङ	कास्की	
१११.	श्री दिलबहादुर लामा	रसुवा	-
११२.	श्री दिलीप महर्जन	काठमाडौं	
११३.	श्री दिलेन्द्रप्रसाद वडु	दार्चुला	-
११४.	श्री दीनबन्धु श्रेष्ठ	जुम्ला	
११५.	श्री दीनानाथ शर्मा	बाग्लुङ	
११६.	श्री दुर्गा लिंखा	धनकुटा	१
११७.	श्री दुर्योधन सिंह	रुपन्देही	१
११८.	श्री देवप्रसाद गुरुङ	मनाङ	
११९.	श्री देवी खड्का	दोलखा	
१२०.	श्री देवीलाल थापा	जुम्ला	-
१२१.	श्री देवेन्द्रराज कडेल	नवलपरासी	४
१२२.	श्री धर्मनाथप्रसाद साह	सिराहा	५
१२३.	श्री धर्मशिला चापागाई	भापा	
१२४.	श्री नन्दकुमार प्रसाई	भापा	
१२५.	श्री नन्द सिंह सार्की	डडेलधुरा	
१२६.	श्री नरबहादुर हमाल	दैलेख	१
१२७.	श्री नरेन्द्रबहादुर बम	बैतडी	१
१२८.	श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ	भापा	३
१२९.	श्री नवराज सुवेदी	प्युठान	२
१३०.	श्री नागेन्द्रकुमार राय	सर्लाही	४
१३१.	श्री नारायणप्रकाश साँउद	कञ्चनपुर	१
१३२.	श्री नारायणप्रसाद दाहाल	चितवन	
१३३.	श्री नारायणप्रसाद रेग्मी	दाङ	
१३४.	श्री नारायणमान विजुक्छे	भक्तपुर	१
१३५.	श्री नारायणशर्मा पौड्याल	चितवन	४
१३६.	श्री नारायणी देवी श्रेष्ठ	भक्तपुर/ललितपुर	
१३७.	श्री नेत्रलाल श्रेष्ठ *	सल्यान	२
१३८.	श्री पदमबहादुर राई	भोजपुर	
१३९.	श्री पदमलाल विश्वकर्मा	ईलाम	
१४०.	श्री परमानन्द वर्मा कुर्मी	बाँके	
१४१.	श्री परशुराम मेघी गुरुङ्ग	संखुवासभा	२
१४२.	श्री परशुराम रम्तेल	गोरखा	
१४३.	श्री परी थापा	बाग्लुङ	३
१४४.	श्री पशुपति चौलागाई	दोलखा	१
१४५.	श्री पशुपतिशमशेर ज.ब.रा	सिन्धुपाल्चोक	३

* नेपालको अन्तरिम संविधान (संशोधन सहित), २०६३ को धारा ४८ को (ग) र व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम २३७ को उपनियम (२) बमोजिम व्यवस्थापिका-संसद सदस्य मा० श्री नेत्रलाल श्रेष्ठ व्यवस्थापिका-संसद सदस्य नरहनु भएकोले उक्त पद एक रिक्त हुन आएको ।

क्र सं.	नाम थर	जिल्ला	क्षेत्र नं.
१४६.	श्री पार्वती चौधरी	कैलाली	
१४७.	श्री पारोदेवी यादव	सिराहा	
१४८.	श्री पाल्तेन गुरुड	मनाङ	-
१४९.	श्री पुरन राना थारु	कञ्चनपुर	
१५०.	श्री पुष्करनाथ ओझा	कैलाली	३
१५१.	श्री पूर्णबहादुर खड्का	सुर्खेत	१
१५२.	श्री पूर्णसिंह राजवंशी	भापा	
१५३.	श्री पूणकुमारी सुवेदी	बाँके	
१५४.	श्री प्रकाश ज्वाला	सल्यान	१
१५५.	श्री प्रकाशबहादुर गुरुड	कास्की	३
१५६.	श्री प्रकाशमान सिंह	काठमाडौं	
१५७.	डा. प्रकाश शरण महत	नुवाकोट	
१५८.	श्री प्रभु शाह	रौतहट	
१५९.	श्री प्रदिप गिरी	सिराहा	
१६०.	श्री प्रदिपकुमार ज्वाली	गुल्मी	२
१६१.	श्री प्रदीप नेपाल	काठमाडौं	१
१६२.	श्री प्रेमलाल सिंह	काठमाडौं	४
१६३.	श्री फटिकबहादुर थापा	गुल्मी	१
१६४.	श्री फरमुलाह मंसुर	बारा	४
१६५.	श्री फुर्वी शेर्पा	संखुवासभा	
१६६.	श्री बलदेव शर्मा	दाङ	२
१६७.	श्री बलबहादुर के.सी. (खत्री)	सोलुखुम्बु	-
१६८.	श्री बलबहादुर राई	ओखलढुङ्गा	
१६९.	श्री बलावती शर्मा	बाग्लुङ	
१७०.	श्री बिरोध खतिवडा	मकवानपुर	२
१७१.	श्री बुद्धिमान माझी	सिन्धुली	
१७२.	श्री बेदुराम भुसाल	कपिलवस्तु	
१७३.	श्री बेनुपराज प्रसाई	ईलाम	१
१७४.	डा. बंशीधर मिश्र	रौतहट	३
१७५.	श्री भगवती प्रधान	सिन्धुपाल्चोक	
१७६.	श्री भक्तबहादुर बलायार	डोटी	१
१७७.	श्री भक्तबहादुर शाह	जाजरकोट	
१७८.	श्री भद्रबहादुर थापा	पाल्पा	१
१७९.	श्री भरतप्रसाद शाह	महोत्तरी	
१८०.	श्री भरतकुमार शाह	रुपन्देही	४
१८१.	श्री भरतमोहन अधिकारी	मोरङ	२
१८२.	श्री भरतविमल यादव	महोत्तरी	
१८३.	श्री भिमबहादुर तामाङ्ग	दोलखा	

क्र सं.	नाम थर	जिल्ला	क्षेत्र नं.
१८४.	श्री भिक्षु आनन्द	काठमाडौं	
१८५.	श्री मञ्जु बम	बैतडी	
१८६.	श्री मणि खुम्बु	उदयपुर	
१८७.	श्री मल्ल के सुन्दर	काठमाडौं	
१८८.	श्री महन्थ ठाकुर	सर्लाही	५
१८९.	श्री महादेव गुरुङ	कास्की	२
१९०.	श्री महेन्द्र पासवान	सिराहा	
१९१.	श्री महेन्द्रकुमार राय	महोत्तरी	४
१९२.	श्री महेन्द्रप्रसाद यादव	सर्लाही	१
१९३.	श्री महेन्द्रबहादुर पाण्डे	नुवाकोट	३
१९४.	श्री महेन्द्र यादव	महोत्तरी	१
१९५.	श्री महेश आचार्य	मोरङ	५
१९६.	श्री मातृकाप्रसाद यादव	धनुषा	
१९७.	श्री माधवकुमार नेपाल	रौतहट	१
१९८.	श्री मिठाराम विश्वकर्मा	पर्वत	
१९९.	डा. मिनेन्द्र रिजाल	मोरङ	
२००.	सुश्री मैयाँदेवी श्रेष्ठ	चितवन	
२०१.	श्री मो. अफताव आलम	रौतहट	२
२०२.	श्री मोतीदेवी चौधरी	वर्दिया	
२०३.	श्री मोहनबहादुर बस्नेत	सिन्धुपाल्चोक	१
२०४.	श्री मंगलप्रसाद थारु	वर्दिया	२
२०५.	श्री मंगल विश्वकर्मा	सुर्खेत	
२०६.	डा० मंगलसिद्धि मानन्धर	काठमाडौं	५
२०७.	श्री यज्ञजीत शाह	रुपन्देही	५
२०८.	श्री यज्ञराज पाठक	डोटी	
२०९.	श्री यादवबहादुर रायमाभी	पाल्पा	३
२१०.	श्री योगनारायण यादव	धनुषा	२
२११.	श्री रघुजी पन्त	ललितपुर	३
२१२.	श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने	जाजरकोट	२
२१३.	श्री रमेश लेखक	कञ्चनपुर	३
२१४.	श्री राजेन्द्र खरेल	काभ्रेपलाञ्चोक	३
२१५.	श्री राजेन्द्रप्रकाश लोहनी	नुवाकोट	१
२१६.	श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे	धादिङ	३
२१७.	श्री राजेन्द्र महतो	सर्लाही	२
२१८.	श्री राधेश्याम अधिकारी	काठमाडौं	
२१९.	श्री राम आश्रय राम	पर्सा	
२२०.	श्री रामकुमार चौधरी	सप्तरी	२
२२१.	श्री रामकुमारी यादव	धनुषा	

क्र सं.	नाम थर	जिल्ला	क्षेत्र नं.
२२२.	श्री रामकृष्ण ताम्राकार	रुपन्देही	२
२२३.	श्री रामचन्द्र तिवारी	महोत्तरी	२
२२४.	श्री रामचन्द्र पौडेल	तनहुँ	२
२२५.	श्री रामचन्द्र यादव	सिराहा	१
२२६.	श्री रामचन्द्र राय	सर्लाही	३
२२७.	श्री रामचरण चौधरी थारु	बर्दिया	
२२८.	श्री रामजनम चौधरी	कैलाली	२
२२९.	श्री रामजीवन सिंह	महोत्तरी	
२३०.	श्री रामनाथ अधिकारी	धादिङ	२
२३१.	श्री रामप्रीत पासवान	सप्तरी	
२३२.	श्री रामबहादुर गुरुङ	लमजुङ	१
२३३.	श्री रामबहादुर विष्ट	अछाम	२
२३४.	श्री रामलोटन तिवारी	कपिलवस्तु	
२३५.	डा. रामवरण यादव	धनुषा	५
२३६.	डा. रामशरण महत	नुवाकोट	२
२३७.	श्री रामहरि ढुङ्गेल	रामेछाप	२
२३८.	श्री रिजवान अन्सारी	सर्लाही	
२३९.	श्री रिमा नेपाली	रोल्पा	
२४०.	श्री रुपा चौधरी	कैलाली	
२४१.	श्री रुपा वि.क.	पाल्पा	
२४२.	श्रीमती रेणुकुमारी यादव	सप्तरी	३
२४३.	श्री रोमी गौचन थकाली	मुस्ताङ	-
२४४.	श्री रंगनाथ जोशी	बर्दिया	
२४५.	श्री लक्ष्मणप्रसाद मेहता	सुनसरी	३
२४६.	श्री लक्ष्मीदास मानन्धर	काठमाडौं	
२४७.	श्री ललितकुमार बस्नेत	मकवानपुर	
२४८.	श्री लालबाबु पण्डित	मोरङ	३
२४९.	श्री लिला न्याइच्याइँ		
२५०.	श्री लीलामणि पोखरेल	सिन्धुली	३
२५१.	श्री लेखनाथ आचार्य	रोल्पा	१
२५२.	श्री लेखनाथ न्यौपाने	भक्तपुर	२
२५३.	श्री लेखराज भट्ट	कैलाली	
२५४.	श्री लोकेन्द्र विष्ट	रुकुम	
२५५.	श्री वसन्तकुमार नेम्वाङ	पाँचथर	१
२५६.	श्री वामदेव गौतम	बर्दिया	
२५७.	श्री वामदेव क्षेत्री	रुपन्देही	
२५८.	श्री विजयकुमार गच्छदार	सुनसरी	२
२५९.	श्री विजय सुब्बा	तेह्रथुम	-

क्र सं.	नाम थर	जिल्ला	क्षेत्र नं.
२६०.	श्रीमती विद्यादेवी भण्डारी	काठमाडौं	२
२६१.	श्री विनयध्वज चन्द	बैतडी	२
२६२.	श्री विनोदकुमार उपाध्याय	रुपन्देही	
२६३.	श्री विमलेन्द्र निधि	धनुषा	
२६४.	श्री वीरबहादुर लामा	मकवानपुर	३
२६५.	श्री वीरेन्द्रकुमार कनौडिया	कपिलवस्तु	३
२६६.	श्री शरतसिंह भण्डारी	महोत्तरी	३
२६७.	श्री शान्ता श्रेष्ठ	काठमाडौं	
२६८.	श्री शान्ति पाख्रिन	दोलखा	
२६९.	श्री शालिकराम जम्कटेल	धादिङ	
२७०.	श्री शिला यादव	बारा	
२७१.	श्री शिवकुमार बस्नेत	खोटाङ	२
२७२.	श्री शिवकुमार मण्डल	मोरङ	
२७३.	श्री शिवप्रसाद हुमागाई	काभ्रेपलाञ्चोक	२
२७४.	श्री शिवबहादुर देउजा	काभ्रेपलाञ्चोक	१
२७५.	श्री शिवराज जोशी	दैलेख	२
२७६.	श्री शिवराज जोशी	सुर्खेत	३
२७७.	श्री शुभाष कर्माचार्य	सिन्धुपाल्चोक	२
२७८.	श्री शेरधन राई	भोजपुर	२
२७९.	श्री शेरबहादुर देउवा	डडेल्धुरा	-
२८०.	श्री शोभा कट्टेल	चितवन	
२८१.	श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी	सिन्धुली	२
२८२.	श्री शंकरप्रसाद पाण्डे	स्याङ्जा	३
२८३.	श्री सत्यनारायण भगत वीन	रौतहट	
२८४.	श्री सत्य पहाडी	डोल्पा	
२८५.	श्री सन्तोष कुमार बुढामगर	रोल्पा	
२८६.	श्री सरला रेग्मी	बर्दिया	
२८७.	श्री सरस्वती चौधरी	सप्तरी	
२८८.	श्री सरस्वती मोहरा	दैलेख	
२८९.	श्री सर्वधन राई	खोटाङ	१
२९०.	श्री सावित्री गुरुङ	तनहुँ	
२९१.	श्रीमती सावित्री बोगटी (पाठक)	चितवन	१
२९२.	श्री सितादेवी यादव	सिराहा	
२९३.	श्री सिद्धराज ओझा	डोटी	२
२९४.	श्री सीता वि.क.	प्यूठान	
२९५.	श्रीमती सुजाता कोइराला	सुनसरी	
२९६.	श्री सुदर्शन बराल मगर	गुल्मी	
२९७.	श्री सुनिल प्रजापति	भक्तपुर	

क्र सं.	नाम थर	जिल्ला	क्षेत्र नं.
२९८.	श्री सुभाष नेम्वाङ्ग	ईलाम	२
२९९.	श्री सुरेन्द्रप्रसाद चौधरी	पर्सा	३
३००.	श्री सुरेन्द्र हमाल	रोल्पा	२
३०१.	श्री सुरेशकुमार आले मगर	तनहुँ	
३०२.	श्री सुरेशकुमार कार्की	उदयपुर	१
३०३.	श्री सुरेश मल्ल	बझाङ	२
३०४.	श्री सुशील कोइराला	बाँके	२
३०५.	श्री सुशीला नेपाल	ललितपुर	१
३०६.	सुश्री सुशीला स्वाँर	कैलाली	१
३०७.	श्री सूर्यप्रसाद प्रधान	रुपन्देही	३
३०८.	श्री सूर्यनाथ प्रसाद यादव	सप्तरी	
३०९.	श्री सूर्यबहादुर थापा	धनकुटा	२
३१०.	श्री सूर्यमान दोड तामाङ	काभ्रे	
३११.	श्री सोमप्रसाद पाण्डेय	पाल्पा	२
३१२.	श्री सोहनप्रसाद चौधरी	बारा	२
३१३.	श्री स्मृतिनारायण चौधरी	धनुषा	१
३१४.	श्री हर्कमान तामाङ	मोरङ	४
३१५.	श्री हरि आचार्य	प्यूठान	१
३१६.	श्री हरि रोका	खोटाङ	
३१७.	श्री हरिनारायण चौधरी	मोरङ	६
३१८.	श्री हरिप्रसाद सापकोटा	सुनसरी	४
३१९.	श्री हरिभक्त अधिकारी	लमजुङ	२
३२०.	श्री हरिलाल जोशी	गोरखा	३
३२१.	श्री हरिहर दाहाल	काठमाडौँ	
३२२.	श्री हितकाजी गुरुङ	स्याङ्जा	१
३२३.	श्री हितबहादुर तामाङ	नुवाकोट	
३२४.	श्री हिंसिला यमी	काठमाडौँ	
३२५.	श्री होमनाथ दाहाल	ओखलढुङ्गा	१
३२६.	श्री हृदयराम थानी	सुर्खेत	२
३२७.	श्री हृदयेश त्रिपाठी	नवलपरासी	३
३२८.	श्री ज्ञानु के.सी.	बाँके	१
३२९.	श्री श्रीमाया थकाली	मुस्ताङ	

व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय

बैठक बसेको मिति, प्रारम्भ र अन्त्य सम्बन्धी विवरण

सि.नं.	बैठक संख्या	मिति	शुरु समय	अन्त्य समय
१.	१	२०६४/०३/१८	३:२०	३:३०
२.	२	२०६४/०३/२०	३:०५	३:४५
३.	३	२०६४/०३/२४	१२:१०	४:४५
४.	४	२०६४/०३/२५	१२:१०	१२:१५
५.	५	२०६४/०३/२६	१०:५५	७:१०
६.	६, ७, ८	२०६४/०३/२७	१०:२० १२:५० ६:०५	११:३५ ४:४० ८:४०
७.	९, १०	२०६४/०३/२८	४:१५ ६:२५	६:०० ६:३०
८.	११	२०६४/०३/३०	११:४५	५:५०
९.	१२	२०६४/०३/३१	१२:४५	८:२०
१०.	१३	२०६४/०३/३२	२:४०	५:४५
११.	१४, १५	२०६४/०४/०२	१२:३० २:२०	१:५० ३:१५
१२.	१६	२०६४/०४/०५	११:३०	५:२०
१३.	१७	२०६४/०४/०६	११:४५	५:१५
१४.	१८	२०६४/०४/०७	११:२५	६:१५
१५.	१९	२०६४/०४/०८	११:२०	५:०५
१६.	२०	२०६४/०४/०९	१२:०५	६:२०
१७.	२१	२०६४/०४/१०	११:१०	४:५०
१८.	२२	२०६४/०४/११	११:३५	६:००
१९.	२३	२०६४/०४/१२	१२:१०	५:४०
२०.	२४	२०६४/०४/१३	११:५०	११:५५

सि.नं.	बैठक संख्या	मिति	शुरु समय	अन्त्य समय
२१.	२५	२०६४/०४/१४	११:२०	६:५०
२२.	२६	२०६४/०४/१५	११:३०	६:२०
२३.	२७	२०६४/०४/१६	१२:००	५:३५
२४.	२८	२०६४/०४/१७	११:२५	३:३५
२५.	२९, ३०, ३१	२०६४/०४/१८	१२:४० ५:४५ ७:१५	४:३५ ६:२० ७:२०
२६.	३२, ३३	२०६४/०४/२३	१२:३० ४:५५	३:२५ ५:१५
२७.	३४, ३५, ३६	२०६४/०४/२४	१२:१० ३:३० ५:४०	१:५० ३:५० ६:५५
२८.	३७	२०६४/०४/२७	१२:३०	४:१०
२९.	३८	२०६४/०४/२८	१२:४०	३:००
३०.	३९	२०६४/०४/२९	१:५०	३:००
३१.	४०	२०६४/०४/३१	१:४५	५:०५
३२.	४१, ४२	२०६४/०४/३२	१२:४५ ३:४०	२:३५ ४:०५
३३.	४३, ४४	२०६४/०५/०२	१२:४५ ४:२०	३:४५ ४:४०
३४.	४५	२०६४/०५/०४	१२:५५	२:२५
३५.	४६, ४७, ४८	२०६४/०५/०५	१:१५ ४:०० ५:००	३:०५ ४:०५ ५:२०
३६.	४९	२०६४/०५/०७	४:१०	७:०५

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - १

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल असार १८ गते सोमवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो अधिवेशनको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ३:२० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले प्रधानमन्त्रीको कार्यालयबाट प्राप्त अधिवेशन आव्हान सम्बन्धी निम्नलिखित पत्र पढेर सुनाउनु भयो ।

नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ५१ को उपधारा (१) बमोजिम सम्वत् २०६४ साल आषाढ १८ गते सोमवारका दिन दिनको ३:०० बजे व्यवस्थापिका-संसद भवन, सिंहदरवारमा व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो अधिवेशन आव्हान गरेको छु ।

गिरिजाप्रसाद कोइराला
प्रधानमन्त्री

मिति :- २०६४ आषाढ ११ गते सोमवार

तदुपरान्त लोकतन्त्र र प्रजातन्त्र प्राप्तिका लागि जीवन उत्सर्ग गर्ने ज्ञात अज्ञात शहिदहरु प्रति श्रद्धाञ्जली अर्पण गर्न सभाले २ मिनेट उठेर मौन धारण गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले सभाको दोस्रो अधिवेशनको पहिलो बैठकमा पाल्नुभएका सबै दलका मा० सदस्यहरुलाई हार्दिक स्वागत गर्दै मुलुकलाई एकतावद्ध बनाउँदै मंसिर ६ गते संविधान सभाको चुनाव सम्पन्न गर्ने ऐतिहासिक दायित्वलाई मूर्त रूप दिन चुनावका लागि आवश्यक आधार यो अधिवेशनले निर्माण गर्नु पर्दछ भन्दै पुनर्स्थापित प्रतिनिधि सभा तथा व्यवस्थापिका-संसदले निरंकुशताका आधार भत्काउँदै प्राप्त गरेको उपलब्धिलाई स्मरण गर्दै मुलुक र अन्तर्राष्ट्रिय जगतले हामी प्रति राखेको अपेक्षालाई पुरा गर्न प्रयासरत रहनु परेको छ भन्नुभयो । साथै वहाले यो अधिवेशन कार्यकालमा पनि व्यवस्थापिका संसदका मा० सदस्यहरुबाट सदन संचालनमा सदाभै सहयोग प्राप्त हुनेछ भन्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले प्रधानमन्त्रीको कार्यालयबाट प्राप्त नेपाल सरकारको वार्षिक नीति कार्यक्रम प्रस्तुत गर्नेसम्बन्धी निम्नलिखित पत्र पढेर सुनाउनु भयो ।

नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ५२ बमोजिम यहि २०६४ साल आषाढ २० गते बुधवारका दिन दिनको ३:०० बजे व्यवस्थापिका-संसदमा नेपाल सरकारको वार्षिक नीति कार्यक्रम प्रस्तुत गरी सम्बोधन गर्ने कार्यक्रम रहेको हुँदा उक्त मिति र समयमा मा० सदस्यहरुको उपस्थितिका लागि अनुरोध गरेको छु ।

गिरिजाप्रसाद कोइराला
प्रधानमन्त्री

मिति :- आषाढ १७, २०६४

त्यसपछि मा० सभामुखले मा० प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाले व्यवस्थापिका-संसदमा यहि २०६४ साल आषाढ २० गते बुधवारका दिन दिनको ३:०० बजे नेपाल सरकारको वार्षिक नीति कार्यक्रम प्रस्तुत गर्ने कार्यक्रम रहेको हुँदा व्यवस्थापिका-संसदका मा० सदस्यहरु ३:०० बजे अगाडि नै आ-आफ्नो आशन ग्रहण गरिसक्नु हुन अनुरोध गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल असार २० गते बुधवार दिनको ३:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - २

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल असार २० गते बुधवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ३:०५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाले नेपाल सरकारको नीति कार्यक्रम प्रस्तुत गर्नु अगाडि संविधान सभाको निर्वाचनलाई मुलुकले कोल्टे फेर्न एक युगको एक दिन का रुपमा व्याख्या गर्दै संविधान सभा निर्वाचनलाई प्राथमिकता दिएर नीति तथा कार्यक्रम बनाएको, सोही बमोजिम बजेट प्रस्तुत हुने र संविधान सभाको निर्वाचन पछि पुरक बजेट प्रस्तुत हुने जानकारी दिनुभयो । उहाँले शान्ति, स्थायित्व, पूर्ण प्रजातन्त्र, मानव अधिकार र स्वतन्त्र, सार्वभौम, स्वाभिमानी नेपालको आधारभूत मान्यताका आधारमा आफू अगाडि बढेको स्पष्ट गर्दै संविधान सभाको निर्वाचनबाट राष्ट्रले कोल्टे फेर्छ र काँचुली परिवर्तन भई पुरानो युगको अवशेष समाप्त हुन्छ भन्नुभयो । त्यस्तै युवावर्गले फेरी प्रजातन्त्रको झण्डा बोकेर हिंड्न नपर्ने र संविधान सभाको निर्वाचन नै अन्तिम लडाईं हुन्छ भन्दै पुराना अवशेष खुट्टाले हिंडेर जान्छन् भन्नुभयो । साथै मंसिर ६ गते हुने संविधान सभा निर्वाचनका लागि र त्यसपछि हुने सामाजिक तथा आर्थिक सुधारका लागि सबै पक्षलाई तयार भएर बस्न पनि आग्रह गर्नुभयो । उहाँले सरकारको नीति कार्यक्रम र आउने बजेटले धेरैको चित्त नबुझे पनि संविधान सभा चुनावपछि आउने पुरक बजेटले त्यसलाई पूर्णता दिने र अहिलेको बजेटमा भएको त्रुटिलाई विवादको विषय नबनाउन पनि आग्रह गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रम प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रममाथि छलफल गर्न यही २०६४ साल असार २४, २५ र २६ गतेका दिनहरु र मा० प्रधानमन्त्रीबाट जवाफ दिनका लागि २०६४ साल असार २७ गतेका दिन तोकेको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले उक्त छलफलमा दलीय प्रतिनिधित्वको आधारमा भाग लिन दलीय पदाधिकारीहरुले आ-आफ्ना दलका वक्ता प्रतिनिधि मा० सदस्यहरुको नाम २०६४ साल असार २१ र २२ गते विहान १०:०० बजे देखि ५:०० बजे सम्म कार्यव्यवस्था शाखा, व्यवस्थापिका-संसद सचिवालयमा उपलब्ध गराई दिनु हुन अनुरोध गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रममाथि संशोधन पेश गर्न चाहनु हुने मा० सदस्यहरुले संशोधनको सूचना २०६४ साल असार २१ र २२ गते विहान १०:०० बजे देखि ५:०० बजे सम्म कार्यव्यवस्था शाखा, व्यवस्थापिका-संसद सचिवालयमा दिन सकिने र साथै संशोधनको सूचना फाराम कार्य व्यवस्था शाखा, व्यवस्थापिका-संसद सचिवालयमा प्राप्त हुने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल असार २४ गते आइतवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ३

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल असार २४ गते आइतवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:१० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम समय माग गर्दै निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले विभिन्न विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो :-

- | | |
|--------------------------------|-------------------------------|
| १. मा० श्री देवेन्द्रराज कंडेल | २. मा० श्री रामबहादुर गुरुङ्ग |
| ३. मा० श्री नरबहादुर हमाल | ४. मा० श्री पशुपति चौलागाईं |
| ५. मा० श्री वामदेव क्षेत्री | |

तत्पश्चात अर्थ समितिका मा० जेष्ठ सदस्य श्री भरतमोहन अधिकारीले व्यवस्थापिका-संसद (पहिलो संशोधन सहित) नियमावली, २०६३ को नियम १४४ को उपनियम २ र ३ बमोजिम व्यवस्थापिका-संसदमा विनियोजन विधेयक प्रस्तुत गर्नुपूर्व बजेट तयारीका लागि विनियोजन विधेयकका प्राथमिकता र सिद्धान्तका सम्बन्धमा १५ दिन पूर्व नै सभामा छलफल गर्न अर्थमन्त्रीले प्रस्ताव पेश गरि छलफल समाप्त भैसक्नु पर्ने प्रावधान रहेकोमा उक्त प्रावधान तत्काल कार्यान्वयनमा ल्याउन समय अभावका कारणले आ.व.०६४/६५ को बजेट तयारीका लागि व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम २६६ बमोजिम व्यवस्थापिका-संसद (पहिलो संशोधन सहित) नियमावली, २०६३ को नियम १४४ को उपनियम २ र ३ लाई तत्कालका लागि निलम्बन गरि सो छलफल अर्थ समितिमा गर्न प्रस्ताव गरिए अनुरूप अर्थ समितिमा छलफल गरि तयार गरिएको आर्थिक वर्ष २०६४/०६५ को बजेट तयारीको लागि विनियोजन विधेयकका सिद्धान्त र प्राथमिकता सम्बन्धमा अर्थ समितिको प्रतिवेदन, २०६४ पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० प्रधानमन्त्रीको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुनर्निर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को नीति कार्यक्रममाथि छलफल प्रारम्भ गरियोस् भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को नीति कार्यक्रममाथि छलफल प्रारम्भ भएको जानकारी गराउँदै नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को नीति कार्यक्रममाथि मा० सदस्यहरुबाट संशोधनका सूचनाहरु प्राप्त भएको व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात निम्नलिखित मूल संशोधनकर्ता र संशोधनकर्ता मा० सदस्यहरुले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को नीति कार्यक्रममाथि आफ्नो संशोधन पेश गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------|---------------------------------|
| १. मा० श्री तिलक परियार | २. मा० श्री लीलामणि पोखरेल |
| ३. मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ | ४. मा० श्री पद्मबहादुर राई |
| ५. मा० श्री कृष्णदेव सिंह दनुवार | ६. मा० श्री सुनिल प्रजापति |
| ७. मा० श्री भक्तबहादुर शाह | ८. मा० श्री टिका बुढाथोकी |
| ९. मा० श्री धर्मशिला चापागाईं | १०. मा० श्री हरि रोका |
| ११. मा० श्री महेन्द्र पासवान | १२. मा० श्री सरस्वती चौधरी |
| १३. मा० श्री इन्द्रजीत थारु | १४. मा० श्री नारायणप्रसाद दाहाल |
| १५. मा० श्री उमा भुजेल | १६. मा० श्री पद्मलाल विश्वकर्मा |
| १७. मा० श्री पशुपति शमशेर ज.व.रा. | १८. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी |
| १९. मा० श्री भरत शाह | २०. मा० श्री हितबहादुर तामाङ |
| २१. मा० श्री परी थापा | |

तदनन्तर बैठक २०६४ साल असार २५ गते सोमवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ४

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल असार २५ गते सोमवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:१० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले भारतका भूतपूर्व प्रधानमन्त्री श्री चन्द्रशेखरको निधन भएकोमा निम्नलिखित शोक प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो :-

शोक प्रस्ताव

“भारतका भूतपूर्व प्रधानमन्त्री, नेपालको असल मित्र, सामाजिक न्याय र मानवताको पक्षमा संघर्षशील व्यक्तित्व, नेपालको लोकतान्त्रिक आन्दोलनका सहयोगी तथा समाजवादी नेता श्री चन्द्रशेखरको मिति २०६४ साल असार २४ गते (तदनुसार ई.सं. जुलाई ८, २००७) का दिन भारतको नयाँ दिल्लीस्थित एपोलो अस्पतालमा अर्बुद रोगको उपचारको क्रममा निधन हुन गएको खबरले हामी सबैलाई स्तब्ध तुल्याएको छ, उहाँको निधनप्रति यो व्यवस्थापिका-संसद गहिरो शोक प्रकट गर्दछ । यस शोकाकुल घडीमा उहाँको शोक-सन्तप्त परिवार, भारतीय जनता र भारत सरकारप्रति समवेदना प्रकट गर्दछ ।”

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त शोक प्रस्तावलाई पारित गरिदिनु हुन अनुरोध गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात सभाले भारतका भूतपूर्व प्रधानमन्त्री स्वर्गीय श्री चन्द्रशेखरको दुःखद निधनमा शोक प्रकट गर्न उठेर १ मिनेट मौन धारण गर्‍यो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल असार २६ गते मंगलवार विहान १०:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
दोस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - ५
सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल असार २६ गते मंगलवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १०.५५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रम माथिको छलफल जारी रह्यो । उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|--------------------------------|-------------------------------|
| १. मा० श्री कुलबहादुर गुरुङ्ग | ११. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| २. मा० श्री भरतमोहन अधिकारी | १२. मा० श्री सूर्यबहादुर थापा |
| ३. मा० श्री जनार्दन शर्मा | १३. मा० श्री गोविन्दराज जोशी |
| ४. मा० श्री चिरन्जीवी वाग्ले | १४. मा० श्री वामदेव गौतम |
| ५. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | १५. मा० श्री रुपा चौधरी |
| ६. मा० श्री हृदयेश त्रिपाठी | १६. मा० श्री गणेश साह |
| ७. मा० श्री कमानसिंह लामा | १७. मा० श्री होमनाथ दाहाल |
| ८. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे | १८. मा० श्री उर्वादत्त पन्त |
| ९. मा० श्री डिलाराम आचार्य | १९. मा० श्री प्रभु शाह |
| १०. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | २०. मा० श्री हरिहर दाहाल |

यसैबीच अध्यक्षता गर्नुहुने मा० श्री सावित्री बोगटी (पाठक) ले वक्ता माननीय सदस्यहरूको बोल्ने सूची धेरै लामो रहेको छ । तसर्थ पहिलो वक्ति वलिसकेपछि आफ्नो भनाईलाई निष्कर्षतर्फ पुऱ्याउदै रातो वक्ती बलेपछि आफ्नो भनाई समाप्त गर्नुहुन आग्रह गर्दछु भन्नुभयो ।

- | | |
|----------------------------------|----------------------------------|
| २१. मा० श्री ओमप्रसाद ओझा | ३९. मा० श्री शिवबहादुर देउजा |
| २२. मा० श्री सत्य पहाडी | ४०. मा० श्री गमबहादुर श्रीश मगर |
| २३. मा० श्री भरतकुमार शाह | ४१. मा० श्री टंकप्रसाद राई |
| २४. मा० श्री तारासम यड्या | ४२. मा० श्री दुर्योधन सिंह |
| २५. मा० श्री काशी पौडेल | ४३. मा० श्री रंगनाथ जोशी |
| २६. मा० श्री सुरेश कुमार कार्की | ४४. मा० श्री लेखराज भट्ट |
| २७. मा० श्री शिला यादव | ४५. मा० श्री दिलेन्द्रप्रसाद वडु |
| २८. मा० श्री अक्कलबहादुर विष्ट | ४६. मा० श्री नरबहादुर हमाल |
| २९. मा० श्री मल्ल के. सुन्दर | ४७. मा० श्री भगवती प्रधान |
| ३०. मा० श्री सावित्री बोगटी पाठक | ४८. मा० श्री कृष्णकिशोर धिमिरे |
| ३१. मा० श्री पशुपति चौलागाई | ४९. मा० श्री डिल्लीराज शर्मा |
| ३२. मा० श्री बलावती शर्मा | ५०. मा० श्री चन्द्रमणि खराल |
| ३३. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय | ५१. मा० श्री पूर्णकुमारी सुवेदी |
| ३४. मा० श्री रामबहादुर विष्ट | ५२. मा० श्री रामबहादुर गुरुङ्ग |
| ३५. मा० श्री यादवबहादुर रायमाझी | ५३. मा० श्री गंगाप्रसाद नेपाल |
| ३६. मा० श्री सन्तोषकुमार बुढामगर | ५४. मा० श्री जनकराज गिरी |
| ३७. मा० श्री सुभाष कर्माचार्य | ५५. मा० श्री हरिभक्त अधिकारी |
| ३८. मा० श्री लेखनाथ न्यौपाने | ५६. मा० श्री डम्बरसिं सम्वाहम्पे |

तदुपरान्त मा० सभामुखले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रम माथिको छलफलमा मा० सदस्यहरूले भाग लिनको लागि यहि असार २४, २५ र २६ गतेका दिनहरू तोकिएकोमा मा० सदस्यहरूले बोल्नेक्रम बाँकी नै रहेकोले भोलि २०६४ साल असार २७ गतेको दिन समेत तोकिएको व्यहोरा मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल असार २७ गते बुधवार दिनको १०:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ६, ७ र ८

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल असार २७ गते बुधवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १०:१५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रम माथिको छलफल जारी रह्यो । उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-----------------------------|--------------------------------|
| १. मा० डा० रामवरण यादव | २. मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल |
| ३. मा० श्री लोकेन्द्र विष्ट | ४. मा० श्री राजेन्द्र खरेल |
| ५. मा० श्री लिला न्याईच्याई | ६. मा० श्री हरि आचार्य |
| ७. मा० श्री तारिणीदत्त चटौत | ८. मा० श्री कुन्ता शर्मा |

यसैबीच मा० श्री कुन्ता शर्माले छलफलमा भाग लिइरहेका वखत मा० श्री कमानसिंह लामा र मा० श्री लोकेन्द्र विष्टले आज भर्खर व्यवस्थापिका-संसदका मा० सदस्य श्री पद्मलाल विश्वकर्मा लगायत नागरिक समाजका केही व्यक्तिहरूलाई सिंहदरवार परिसरबाट गिरफ्तार गरिएको विषयमा आपत्ति प्रकट गर्दै सदन चलिरहेका वखत माननीय सदस्यलाई गिरफ्तार गरिएकोमा गृहमन्त्रीले माफी मागनुपर्ने र यस विषयमा तुरुन्त सदनमा आएर स्पष्ट पार्नुपर्ने माग राख्दै ने.क.पा. माओवादीका मा० सदस्यहरू र जनमोर्चा नेपालका मा० श्री कमानसिंह लामा वेलमा आई नारा लगाउन थाल्नु भयो ।

यसैबीच मा० सभामुखले मा० सदस्यहरूलाई बैठकको कारवाही संचालनमा सहयोग पुऱ्याउन आ-आफ्नो आशानमा गई बस्न पटक पटक अनुरोध गर्नुहुंदा पनि नारावाजी गर्ने क्रम जारी रहेकोले बैठक १५ मिनेटको लागि स्थगित गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक पन्ध्र मिनेटको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:५० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ मा० श्री उर्वादत्त पन्तले वनवासामा निर्माण भएको तटबन्धले नेपालतर्फ हुन सक्ने डुवानको खतराप्रति सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले मा० श्री पद्मलाल विश्वकर्मा लगायत नागरिक समाजका २२ जना नागरिकहरूलाई गिरफ्तार गरिएको सम्बन्धमा सार्वजनिक महत्वको वक्तव्य दिनुहुँदै भद्रकालि देखि सिंहदरवार वरिपरिका सम्पूर्ण सडक क्षेत्रलाई सरकारले सम्वेदनशिल क्षेत्र मानेर सो क्षेत्रमा धर्ना जुलुस निषेधित क्षेत्र घोषणा गरेकोमा सो को अवज्ञा गर्ने जो कोहीलाई पनि स्थानीय प्रशासनले गिरफ्तार गर्न सक्ने व्यवस्था रहेको, साथै मा० सदस्य लगायत नागरिक समाजका अन्य सबैलाई सरकारले तत्काल रिहा गरिसकेको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो र धर्ना बस्ने मा० सदस्य र व्यक्तिहरूलाई धर्ना स्थलबाट उठाएर लग्नु हुने प्रहरीहरूलाई धन्यवाद दिन्छु भन्नुभयो ।

तत्पश्चात नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रम माथिको छलफल जारी रह्यो । उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-------------------------------------------|------------------------------------|
| १. मा० श्री सुदर्शन वराल मगर | २. मा० श्री रामजीवन सिंह |
| ३. मा० श्री गोरखबहादुर बोगटी | ४. मा० श्री मणी खम्बु |
| ५. मा० श्री जग्यबहादुर शाही | ६. मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कंडेल |
| ७. मा० श्री तीलकुमार मेन्याङ्गवो (लिम्बु) | ८. मा० श्री महेन्द्र यादव |
| ९. मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे | १०. मा० श्री शिवराज जोशी (दौलेख) |
| ११. मा० श्री शेरधन राई | १२. मा० श्री सुरेशकुमार आले मगर |
| १३. मा० श्री दीनबन्धु श्रेष्ठ | १४. मा० श्री रिमा नेपाली |
| १५. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ | १६. मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी |
| १७. मा० श्री श्रीमाया थकाली | १८. मा० श्री बुद्धिमान माझी |
| १९. मा० श्री दिपकबहादुर गुरुङ्ग | २०. मा० श्री पार्वती चौधरी |
| २१. मा० श्री नारायणप्रसाद रेग्मी | २२. मा० श्री दामोदर वस्ताकोटी |
| २३. मा० श्री रामचरण चौधरी | २४. मा० श्री राजेन्द्रप्रकाश लोहनी |
| २५. मा० श्री सावित्री गुरुङ्ग दुरा | २६. मा० श्री यज्ञराज पाठक |
| २७. मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने | २८. मा० श्री कमला रोका |
| २९. मा० सुश्री मैयाँदेवी श्रेष्ठ | ३०. मा० श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी |
| ३१. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा) | ३२. मा० श्री टुकराज सिग्देल |
| ३३. मा० श्री वामदेव क्षेत्री | ३४. मा० श्री भद्रबहादुर थापा |
| ३५. मा० श्री जयन्ती राई | ३६. मा० श्री तीर्था गौतम |
| ३७. मा० श्री पूर्णसिंह राजवंशी | ३८. मा० श्री वीरबहादुर लामा |
| ३९. मा० श्री सिता वि.क. | ४०. मा० श्री रिजवान अन्सारी |
| ४१. मा० श्रीमती सितादेवी यादव | ४२. मा० डा० वंशीधर मिश्र |
| ४३. मा० श्री कुमारी मोक्तान | ४४. मा० श्री उर्मिला अर्याल |
| ४५. मा० श्री प्रकाश ज्वाला | ४६. मा० श्री दुर्गा लिंखा |
| ४७. मा० श्री चन्द्रबहादुर शाही | ४८. मा० श्री बसन्तकुमार नेम्वाङ्ग |
| ४९. मा० श्री लालबाबु पण्डित | ५०. मा० श्री अमृतकुमार बोहोरा |
| ५१. मा० श्री भलनाथ खनाल | |

तदुपरान्त मा० सभामुखले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रममाथिको छलफलमा मा० सदस्यहरुले बोल्ने क्रम समाप्त भएको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक ५:३० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको तेस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ६:०५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० प्रधानमन्त्रीको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रममाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनु हुँदै आठ दलको साझा सहमतिको कार्यक्रमलाई आधार मानेर नेपाल सरकारले आ.व.२०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रम तयार गरेको, आगामी संविधानसभाको चुनावलाई भयरहित वातावरणमा गराउन सबै वर्ग, क्षेत्र, जात जातिले आ-आफ्नो तर्फबाट विशेष योगदान दिनुपर्ने तर्फ सरकार सजग रहेको, हिजोको द्वन्दबाट पिडित पक्षलाई राहत प्रदान गर्नेतर्फ सरकार प्रयासरत रहेको, राष्ट्रलाई अब संविधानसभामय बनाउनु पर्ने, स्वदेशमा रोजगारीका अवसरहरु वृद्धि गर्दै विदेशमा समेत रोजगारी दिलाउने कार्यक्रम अगाडि बढाएको, रायमाझी आयोगले दोषि ठहर्‍याएकालाई सरकारले कारवाही अगाडि बढाइसकेको, अदालतको अवहेलना भयो भन्ने विषयमा संसदीय सुनुवाईको व्यवस्थाले अदालतको सम्मानमा अझ वृद्धि भएको, सुनुवाई सम्बन्धी व्यवस्था अन्तराष्ट्रिय प्रचलन अनुसार नै भैरहेको छ भन्नुहुँदै संविधानसभाको चुनावलाई मूल लक्ष लिएर तयार गरिएको नीति कार्यक्रममा अन्य

केही कुरा छुटन सक्छ, त्यसमा सरकार सजग छ तसर्थ मा० सदस्यहरुले राख्नुभएका संशोधन प्रस्तावहरु फिर्ता लिई सर्वसम्मतिले यो नीति कार्यक्रमलाई पारित गरिदिनु हुन सम्पूर्ण मा० सदस्यरुलाई आग्रह गर्दछु भन्नुभयो ।

तत्पश्चात निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले मा० शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्रीले दिनु भएको जवाफको सम्बन्धमा स्पष्टीकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------------|---------------------------------|
| १. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.व.रा. | २. मा० श्री भलनाथ खनाल |
| ३. मा० श्री रामबहादुर गुरुङ | ४. मा० श्री लीलामणि पोखरेल |
| ५. मा० श्री वामदेव गौतम | ६. मा० श्री डिलाराम आचार्य |
| ७. मा० श्री काशी पौडेल | ८. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह |
| ९. मा० श्री अमृतकुमार वोहोरा | १०. मा० श्री लोकेन्द्र विष्ट |
| ११. मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे | १२. मा० श्री कमानसिंह लामा |
| १३. मा० श्री जग्यबहादुर शाही | १४. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| १५. मा० श्री हरि रोका | १६. मा० श्री तारासम यङ्ग्या |
| १७. मा० श्री हितबहादुर तामाङ | १८. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की |
| १९. मा० श्री कुन्ता शर्मा | २०. मा० श्री रिजवान अन्सारी |
| २१. मा० श्री सन्तोषकुमार बुढा मगर | २२. मा० श्री गणेश शाह |
| २३. मा० श्री प्रकाश ज्वाला | २४. मा० श्री सीता वि.क. |
| २५. मा० श्री उर्मिला अर्याल | २६. मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल |
| २७. मा० श्री सावित्री गुरुङ दुरा | २८. मा० श्री नरबहादुर हमाल |
| २९. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा) | ३०. मा० श्री गोरखबहादुर वोगटी |

त्यसपछि मा० शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले उक्त स्पष्टीकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पादै नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रमको बुँदा नम्बर ३४ मा स्वतन्त्र न्यायपालिका, कानूनको शासन, मानव अधिकार र नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ मा व्यवस्थित मौलिक हक हुनु पर्ने, नीति कार्यक्रमको बुँदा नम्बर ३८ मा नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी माओवादीका लडाकुको सट्टा माओवादी सेनाका लडाकु हुनु पर्ने गरी सच्याइएको व्यहोरा अनुरोध गर्दै सोही अनुरूप पारित गरिदिनु हुन पनि अनुरोध गर्दछु भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रममाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात मा० श्री जनार्दन शर्माले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रमलाई परिमार्जित गर्नका लागि २७ बुँदे सुझावहरु प्रस्तुत गर्दै नेकपा माओवादीदलको तर्फबाट मा० सदस्यहरुले व्यवस्थापिका-संसदमा नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रममाथि पेश गरिएका संशोधनहरु फिर्ता लिन आह्वान गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रममाथि संशोधन पेश गर्नुहुने संयुक्त संशोधनका मूल संशोधनकर्ता मा० श्री तिलक परियारले आफ्नो संशोधन फिर्ता लिनभएकोले निर्णयार्थ प्रस्तुत गरिरहनु परेन भन्नुभयो ।

तदुपरान्त नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रममाथि संशोधन पेश गर्नुहुने संशोधनकर्ता मा० श्री लिलामणि पोखरेलले आफ्नो संशोधन फिर्ता लिन नचाहनु भएकोले मा० सभामुखले उक्त संशोधनलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट अस्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रममाथि संशोधन पेश गर्नुहुने संशोधनकर्ता मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठले आफ्नो संशोधन फिर्ता लिनभएकोले निर्णयार्थ प्रस्तुत गरिरहनु परेन भन्नुभयो ।

तदुपरान्त नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रममाथि संशोधन पेश गर्नुहुने संशोधनकर्ता मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.व.रा.ले आफ्नो संशोधन फिर्ता लिन नचाहनु भएकोले मा० सभामुखले उक्त संशोधनलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट अस्वीकृत भयो ।

त्यसपछि नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रममाथि संशोधन पेश गर्नुहुने संशोधनकर्ता मा० श्री चित्रबहादुर के.सी.ले आफ्नो संशोधन फिर्ता लिन नचाहनु भएकोले मा० सभामुखले उक्त संशोधनलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट अस्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रममाथि संशोधन पेश गर्नुहुने संशोधनकर्ता मा० श्री भरतप्रसाद शाह अनुपस्थित रहनुभएकोले मा० सभामुखले उक्त संशोधनलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गरिरहनु परेन भन्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रममाथि संशोधन पेश गर्नुहुने संशोधनकर्ता मा० श्री हितबहादुर तामाङले आफ्नो संशोधन फिर्ता लिनभएकोले निर्णयार्थ प्रस्तुत गरिरहनु परेन भन्नुभयो ।

तदुपरान्त नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रममाथि संशोधन पेश गर्नुहुने संयुक्त संशोधनका संशोधनकर्ता मा० श्री परि थापाले आफ्नो संशोधन फिर्ता लिन नचाहनु भएकोले मा० सभामुखले उक्त संशोधनलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट अस्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० प्रधानमन्त्रीको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुनर्निर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रम सच्याइएको रूपमा पारित गरियोस् भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट पारित भयो ।

तदुपरान्त मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतको तर्फबाट मा० वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्री श्री महन्थ ठाकुरले आर्थिक वर्ष २०६३/६४ को आर्थिक सर्वेक्षण पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात सार्वजनिक लेखा समितिका मा० सभापति श्री परी थापाले सार्वजनिक लेखा समितिको पहिलो प्रतिवेदन, २०६४ पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले अर्थ मन्त्रालयबाट प्राप्त निम्नलिखित पत्र पढेर सुनाउनु भयो:-

आर्थिक वर्ष २०६४/०६५ को बजेट वक्तव्य व्यवस्थापिका-संसदको चालु अधिवेशनमा मिति २०६४ असार २८ गते विहिवार अपरान्ह ४ बजे मैले पेश गर्ने व्यहोरा जानकारीको लागि अनुरोध गर्दछु ।

मिति :- २०६४/०३/२६

डा० रामशरण महत
अर्थमन्त्री

तदुपरान्त मा० सभामुखले मिति २०६४ साल असार २८ गते विहिवार अपरान्ह ४:०० बजे मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले आर्थिक वर्ष २०६४/६५ को बजेट वक्तव्य व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा पेश गर्नुहुने कार्यक्रम रहेकोले मा० सदस्यहरु ४:०० बजे भित्र व्यवस्थापिका-संसदको बैठक कक्षमा उपस्थित भइदिनु हुन अनुरोध गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल असार २८ गते विहिवार दिनको ४:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
दोस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - ९ र १०
सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल असार २८ गते विहिवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ४:१५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले आर्थिक वर्ष २०६४/६५ को राजश्व र व्ययको वार्षिक अनुमान पेश गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक पन्ध्र मिनेटको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ६:२५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले आर्थिक वर्ष २०६४/६५ को राजश्व र व्ययको वार्षिक अनुमानको प्रति टेबुल गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले आर्थिक वर्ष २०६४/६५ को राजस्व र व्ययको वार्षिक अनुमानमाथि सामान्य छलफल गर्न यही २०६४ साल असार ३० र ३१ गतेका दिनहरु र मा० अर्थमन्त्रीले जवाफ दिनको लागि यही २०६४ साल असार ३२ गते सोमवारका दिन तोकेको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो । साथै उक्त छलफलमा दलीय प्रतिनिधित्वको आधारमा भाग लिन आ-आफ्नो दलका वक्ता प्रतिनिधि मा० सदस्यहरुको नाम यही २०६४ साल असार २९ गते विहान १०:०० बजेदेखि दिनको ३:०० बजेसम्म कार्यव्यवस्था शाखा, व्यवस्थापिका-संसद सचिवालयमा उपलब्ध गराई दिनुहुन पनि अनुरोध गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले आर्थिक विधेयक, २०६४ प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल असार ३० गते शनिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ११

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल असार ३० गते शनिवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ११:४५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले बाग्लुङ्ग र बाजुरा जिल्लामा यहि २०६४ साल असार २९ गते राति अविरोध वर्षाका कारण भएको बाढी पहिरोमा परि अत्यधिक जनधनको क्षतिको सम्बन्धमा सरकारको ध्यानाकर्षण गर्दै बाढी पहिरो पिडितहरूलाई आवश्यक राहतको व्यवस्था गरी ती ठाउँहरूमा अन्य जनधनको क्षति हुन नदिन सरकारले आवश्यक व्यवस्था मिलाई सदनलाई जानकारी दिन मा० गृहमन्त्रीको ध्यानाकर्षण गर्नुभयो । त्यसैगरि हिजो त्रिभुवन विमानस्थलमा शान्तिपूर्ण आन्दोलन गरिरहेका यातायात मजदुरमाथि प्रहरीबाट भएको हस्तक्षेपका कारण कैयौं यातायात मजदुरहरू घाइते भएको सम्बन्धमा मा० गृहमन्त्रीले सदनमा आई आफ्नो भनाइ राख्नु पर्ने भनी माग गर्नुभयो :-

- | | |
|----------------------------------|------------------------------|
| १. मा० श्री परी थापा | २. मा० श्री बलावती शर्मा |
| ३. मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी | ४. मा० श्री उर्वादत्त पन्त |
| ५. मा० श्री श्रीमाया थकाली | ६. मा० श्री शालिकराम जम्कटेल |
| ७. मा० श्री अर्जुनजंगबहादुर सिंह | |

त्यसपछि मा० सभामुखले आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा मुलुकमा घटिरहेको बाढी पहिरोको घटना सम्बन्धमा मा० सदस्यहरूले गम्भीर ध्यानाकर्षण गर्नु भएको छ । त्यस्तै हिजो त्रिभुवन विमानस्थलस्थित यातायात मजदुरमाथि भएको प्रहरी हस्तक्षेपको सम्बन्धमा सरकारले व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा अविलम्ब जानकारी गराउन निर्देश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले आर्थिक वर्ष २०६४/६५ को राजश्व र व्ययको वार्षिक अनुमानमाथि छलफल गरियोस् भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त प्रारम्भ भएको आर्थिक वर्ष २०६४/६५ को राजश्व र व्ययको वार्षिक अनुमानमाथिको छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|---------------------------------|------------------------------------------|
| १. मा० श्री महेश आचार्य | २. मा० श्री भरतमोहन अधिकारी |
| ३. मा० श्री लोकेन्द्र विष्ट | ४. मा० श्री चिरञ्जीवी वाग्ले |
| ५. मा० श्री भरतविमल यादव | ६. मा० श्री लीलामणि पोखरेल |
| ७. मा० श्री हरि आचार्य | ८. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| ९. मा० श्री परी थापा | १०. मा० श्री सूर्यबहादुर थापा |
| ११. मा० श्री रामकुमार चौधरी | १२. मा० श्री गोकर्णराज विष्ट |
| १३. मा० श्री जयपुरी घर्ती मगर | १४. मा० श्री भरतकुमार शाह |
| १५. मा० श्री यज्ञराज पाठक | १६. मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने |
| १७. मा० श्री बलावती शर्मा | १८. मा० श्री उमाकान्त चौधरी |
| १९. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय | २०. मा० श्री गोरखबहादुर बोगटी |
| २१. मा० श्री शालिकराम जम्कटेल | २२. मा० श्री अक्कलबहादुर विष्ट |
| २३. मा० श्री यादवबहादुर रायमाझी | २४. मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ |
| २५. मा० श्री ऋषिकेश गौतम | २६. मा० श्री तीलकुमार मेन्याङबो (लिम्बु) |

२७. मा० श्री नन्दसिंह साकी
२९. मा० श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी
३१. मा० श्री तारासम यङ्ग्या
३३. मा० श्री सत्य पहाडी
३५. मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल
३७. मा० श्री दुर्गा लिंखा
३९. मा० श्री हितबहादुर तामाङ्ग
४१. मा० श्री दामा शर्मा
४३. मा० श्री सरला रेग्मी
४५. मा० श्री रिजवान अन्सारी
४७. मा० श्री सूर्यनाथ प्रसाद यादव

२८. मा० श्री भक्तबहादुर वलायार
३०. मा० श्री तिलक परियार
३२. मा० श्री रंगनाथ जोशी
३४. मा० श्री पार्वती चौधरी
३६. मा० श्री शोभा कट्टेल
३८. मा० श्री कुन्ता शर्मा
४०. मा० श्री डम्बरसिं सम्वाहाम्फे
४२. मा० श्री सूर्यमान दोड तामाङ्ग
४४. मा० श्री सावित्री गुरुङ्ग दुरा
४६. मा० श्री चन्द्रबहादुर शाही
४८. मा० श्री कृष्णलाल महर्जन

तदनन्तर बैठक २०६४ साल असार ३१ गते आइतवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - १२

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल असार ३१ गते आइतवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:४५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ मा० श्री उर्वादत्त पन्तले मा० अर्थमन्त्रीले व्यवस्थापिका-संसदमा पेश गर्नुभएको कूल बजेट र मा० सदस्यहरुलाई वितरण गरिएको विनियोजन विधेयकमा विनियोजित रकम फरक पर्न गएको, बागलुङ्ग र बाजुरा जिल्लामा गएको बाढी पहिरोबाट भएको जनधनको क्षतिप्रति मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कंडेल, मा० श्री बलावती शर्मा र मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपानेले सरकारको ध्यानाकर्षण गराउँदै पिडितहरुलाई सरकारको तर्फबाट आवश्यक राहतको व्यवस्था होस् भनी मा० गृहमन्त्रीको ध्यानाकर्षण गर्नुभयो । त्यसैगरी मा० श्री सुभाष कर्माचार्यले सिन्धुपाल्चोकको चौतारामा गाडी दुर्घटनामा परि मृत्यु हुनेप्रति समवेदना प्रकट गर्दै घाइतेको स्वास्थ्यलाभको कामना गर्नुभयो साथै सरकारले पिडित पक्षलाई राहतको व्यवस्था मिलाओस् भनी माग गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० गृहमन्त्रीले बागलुङ्ग जिल्लामा परेको अविरल वर्षाका कारण आएको बाढी पहिरोले जलजलामा हालसम्म २४ जनाको मृत्यु भएको, २ जनाको उपचारको क्रममा मृत्यु भएको, २ जना सिक्किस्त भएकाको काठमाडौंमा उपचार हुँदै गरेको, उक्त बाढी पहिरोबाट ३२ घर परिवार विस्थापित भएको, त्यस्तै बाजुरामा ५ जनाको मृत्यु भएको, जाजरकोटमा ३ जनाको मृत्यु भएको र हाल सबै ठाउँमा उद्धार कार्य अगाडि बढाईसकिएको साथै सम्बन्धित जिल्लाका मा० सदस्यहरु त्यहाँ पुग्नु भएको जानकारी गराउनु भयो । यसै प्रकार स्थानीय प्रशासनको प्रयासमा राहत सामग्री पुर्‍याउने कार्य भैरहेको र तत्काल मृतकका परिवारलाई १५ हजार रुपैयाँ उपलब्ध गराउने कार्य भैरहेको, घाइतेलाई उपचारको व्यवस्था र राहत तथा उद्धार कार्य सरकारले आफ्नो बुताले भ्याएसम्म गरिरहेको जानकारी दिनुभयो । त्यस्तै त्रिभुवन विमानस्थलमा यातायात मजदुरहरुले एयरपोर्ट प्रवेश द्वार अवरोध गरेपछि प्रहरीद्वारा सम्झाएर ट्याक्सी हटाउने कार्य भैरहेकोमा एक्कासी आन्दोलित मजदुरहरुले ढुंगामुढा गर्दा प्रहरीले सामान्य बल प्रयोग गर्दा केही व्यक्ति घाइते भएको र भोलि आन्दोलनरत पक्षसँग वार्ता गर्न नागरिक उड्डयन मन्त्रालयले कार्यक्रम मिलाएको व्यहोराको जानकारी दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० श्री महेश आचार्यले भारतको नयाँ दिल्लीमा सवारी दुर्घटनामा परि हात खुट्टामा गम्भीर चोट लागि अस्पतालमा उपचार गराइ रहनु भएका व्यवस्थापिका-संसद सदस्य मा० श्री राधेश्याम अधिकारीको उचित सहयोगको लागि मा० सभामुखको अग्रसरतामा प्रयास होस् भनी माग गर्नुभयो ।

तत्पश्चात आर्थिक वर्ष २०६४/६५ को राजश्व र व्ययको वार्षिक अनुमानमाथिको छलफल जारी रह्यो । उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|------------------------------------------|---------------------------------|
| १. मा० श्री गोविन्दराज जोशी | २. मा० श्री रघुजी पन्त |
| ३. मा० श्री जनार्दन शर्मा | ४. मा० श्री प्रदिप गिरी |
| ५. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा. | ६. मा० श्री कमानसिंह लामा |
| ७. मा० श्री सुनिल प्रजापति | ८. मा० श्री डिलाराम आचार्य |
| ९. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली | १०. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| ११. मा० श्री वामदेव गौतम | १२. मा० श्री लेखराज भट्ट |
| १३. मा० श्री होमनाथ दाहाल | १४. मा० श्री शिवप्रसाद हुमागाई |
| १५. मा० श्री शान्ति पाख्रिन | १६. मा० श्री सुरेशकुमार आले मगर |

१७. मा० श्री राजेन्द्र खरेल
१९. मा० श्री ओमप्रसाद ओझा
२१. मा० श्री नरेन्द्रबहादुर बम
२३. मा० श्री चन्द्रमणि खराल
२५. मा० श्री महेन्द्र यादव
२७. मा० श्री श्रीमाया थकाली
२९. मा० श्री शिवकुमार बस्नेत
३१. मा० श्री गणेश शाह
३३. मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे
३५. मा० श्री इन्द्रजीत थारु
३७. मा० श्री राजेन्द्रप्रकाश लोहनी
३९. मा० श्री मंगल विश्वकर्मा
४१. मा० श्री पदमलाल विश्वकर्मा
४३. मा० श्री प्रकाश ज्वाला
४५. मा० श्री सोहनप्रसाद चौधरी
४७. मा० श्री कृष्ण आचार्य
४९. मा० श्री मोतीदेवी चौधरी
५१. मा० श्री टुकराज सिग्देल
५३. मा० श्री ललितकुमार बस्नेत
५५. मा० श्री वीरबहादुर लामा
५७. मा० श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे

१८. मा० श्री जनकराज गिरी
२०. मा० श्री परशुराम रम्तेल
२२. मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कंडेल
२४. मा० श्री नारायणप्रसाद दाहाल
२६. मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी
२८. मा० श्री अमृता थापा
३०. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा)
३२. मा० श्री कृष्णदेव सिंह दनुवार
३४. मा० श्री शेरधन राई
३६. मा० श्री नरबहादुर हमाल
३८. मा० श्री सरस्वती मोहोरा
४०. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा
४२. मा० श्री दिलीप महर्जन
४४. मा० श्री भक्तबहादुर शाह
४६. मा० श्री फटिकबहादुर थापा
४८. मा० श्री उर्वादत्त पन्त
५०. मा० श्री भिक्षु आनन्द
५२. मा० श्री कमला रोका
५४. मा० श्री विजय सुब्बा
५६. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की

तदनन्तर बैठक २०६४ साल असार ३२ गते सोमवार दिनको १:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - १३

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल असार ३२ गते सोमवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको २:४० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले बाढी पहिरो, सवारी दुर्घटना र अन्य विविध विषयमा आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो :-

- | | |
|---------------------------------|-----------------------------------|
| १. मा० श्री उर्वादत्त पन्त | २. मा० श्री भगवती प्रधान |
| ३. मा० श्री दिलेन्द्रप्रसाद बडु | ४. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा. |

तदुपरान्त मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले आर्थिक वर्ष २०६४/६५ को राजश्व र व्ययको वार्षिक अनुमानमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको उत्तर दिनुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले मा० अर्थमन्त्रीले दिनु भएको जवाफको सम्बन्धमा आर्थिक वर्ष २०६४/६५ को राजश्व र व्ययको वार्षिक अनुमानमाथिको छलफलमा भाग लिनु भएका मा० सदस्यहरूले मात्र स्पष्टीकरण माग गर्न सक्नुहुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले मा० अर्थमन्त्रीले दिनु भएको जवाफको सम्बन्धमा स्पष्टीकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|------------------------------------|-----------------------------------------|
| १. मा० श्री भरतकुमार शाह | २. मा० श्री गोकर्णराज विष्ट |
| ३. मा० श्री भरतमोहन अधिकारी | ४. मा० श्री महेश आचार्य |
| ५. मा० श्री शिवकुमार बस्नेत | ६. मा० श्री अमृता थापा |
| ७. मा० श्री लीलामणि पोखरेल | ८. मा० श्री सुनिल प्रजापति |
| ९. मा० श्री हरि आचार्य | १०. मा० श्री परी थापा |
| ११. मा० श्री होमनाथ दाहाल | १२. मा० श्री विजय सुब्बा |
| १३. मा० श्री रामकुमार चौधरी | १४. मा० श्री उर्वादत्त पन्त |
| १५. मा० श्री बलावती शर्मा | १६. मा० श्री जग्यबहादुर शाही |
| १७. मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे | १८. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा |
| १९. मा० श्री भरतविमल यादव | २०. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की |
| २१. मा० श्री सुरेशकुमार आले मगर | २२. मा० श्री ललितकुमार बस्नेत |
| २३. मा० श्री मंगल विश्वकर्मा | २४. मा० श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे |
| २५. मा० श्री दामा शर्मा | २६. मा० श्री नन्दसिंह सार्की |
| २७. मा० श्री प्रकाश ज्वाला | २८. मा० श्री सरला रेग्मी |
| २९. मा० श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी | ३०. मा० श्री नरबहादुर हमाल |
| ३१. मा० श्री सावित्री गुरुङ्ग दुरा | ३२. मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल |
| ३३. मा० श्री पदमलाल विश्वकर्मा | ३४. मा० श्री रिजवान अन्सारी |
| ३५. मा० श्री परशुराम रम्तेल | ३६. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा) |
| ३७. मा० श्री चन्द्रमणि खराल | ३८. मा० श्री फटिकबहादुर थापा |
| ३९. मा० श्री मोतीदेवी चौधरी | ४०. मा० श्री भिक्षु आनन्द |
| ४१. मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ | ४२. मा० श्री सत्य पहाडी |
| ४३. मा० श्री सरस्वती मोहोरा | ४४. मा० श्री लोकेन्द्र विष्ट |
| ४५. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | |

तदुपरान्त मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट गर्नुभयो ।

यसैबिच मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले स्पष्टिकरणको जवाफ दिए लगत्तै मा० श्री जनार्दन शर्माले प्रस्तुत आर्थिक वर्ष २०६४/६५ को राजश्व र व्ययको वार्षिक अनुमानमाथिको छलफलको क्रममा उठाइएका प्रश्नहरूको जवाफ सन्तोषजनक रूपमा नदिएको, जनताको पक्षमा यो बजेट नरहेको, राजाको सम्पत्ति राष्ट्रियकरण गर्ने तर्फ ध्यान नदिएको, यो बजेट परम्परा र याथास्थितीवादी रहेकोले बजेटप्रति असहमति प्रकट गर्दै आफ्नो भनाइ राख्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले आर्थिक वर्ष २०६४/६५ को राजश्व र व्ययको वार्षिक अनुमानमाथिको सामान्य छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले “विनियोजन विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले “विनियोजन विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “विनियोजन विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यहरूले बोल्न नचाहनु भएकोले मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले “विनियोजन विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न मन्त्रालय अन्तर्गतका शिर्षकहरूमाथि छलफल गर्न यही २०६४ साल साउन ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२, १३, १४ र १५ गतेसम्मका दिनहरू तोकेको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

साथै उक्त छलफलमा दलीय प्रतिनिधित्वको आधारमा विभिन्न मन्त्रालय र सो मन्त्रालयसँग सम्बन्धित शीर्षक अन्तर्गत भाग लिनुहुने मा० सदस्यहरूको विवरण सहित आ-आफ्नो दलका वक्ता प्रतिनिधि मा० सदस्यहरूको नाम यही २०६४ साल साउन १ गते विहान १०:०० बजेदेखि दिनको ५:०० बजेसम्म र साउन २ गते विहान १०:०० बजेदेखि दिनको ५:०० बजेसम्म कार्यव्यवस्था शाखा, व्यवस्थापिका-संसद सचिवालयमा उपलब्ध गराई दिनुहुन पनि अनुरोध गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले “पेशकी खर्च विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले “पेशकी खर्च विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “विनियोजन विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यहरूले बोल्न नचाहनु भएकोले मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले “पेशकी खर्च विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले “पेशकी खर्च विधेयक, २०६४ माथिको दफावार छलफल सदनमा गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि उक्त विधेयकमाथिको दफावार छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यहरूले बोल्न नचाहनु भएकोले मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ र सो सँग सम्बन्धीत अनुसूची १ र २ “पेशकी खर्च विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “पेशकी खर्च विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले “पेशकी खर्च विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन २ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - १४ र १५

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन २ गते बुधवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको शून्य समयमा १० जना मा० सदस्यहरूले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना भनाइहरू राख्नुभयो ।

तत्पश्चात विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले मुलुक संविधानसभाको चुनावतिर अग्रसर हुंदा पनि सुरक्षा स्थिति सुदृढ हुन नसकेको, तराई आन्दोलन देशमा विखण्डन ल्याउने उद्देश्यले प्रेरित रहेकोमा सरकार गम्भिर नभएको, मधेशको समस्या समाधान गरेर मात्र संविधानसभाको चुनाव गराउनु पर्ने, सरकारको एउटा पार्टी विशेषका नेतालाई मात्र सुरक्षा दिने निर्णयले अन्य पार्टीको अपमान भएको, कर्णाली उज्यालो कार्यक्रममा भएको अनियमितताको छानविन गर्नुपर्ने लगायत अन्य विविध विषयमा आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------|------------------------------|
| १. मा० श्री विनयध्वज चन्द | २. मा० श्री विजय सुब्बा |
| ३. मा० श्री जयपुरी घर्ती मगर | ४. मा० श्री डिलाराम आचार्य |
| ५. मा० श्री रामचन्द्र तिवारी | ६. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा |
| ७. मा० श्री सुदर्शन बराल मगर | ८. मा० श्री जनकराज गिरी |
| ९. मा० श्री नन्दसिंह साकी | १०. मा० श्री सीतादेवी यादव |
| ११. मा० श्री नारायणी देवी श्रेष्ठ | १२. मा० श्री जग्यबहादुर शाही |

तदुपरान्त मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम १३ बमोजिम सभामुख र उपसभामुखको अनुपस्थितिमा बैठकको अध्यक्षता गर्न मा० श्री तिलक परियारको ठाउँमा मा० श्री पूर्णकुमारी सुवेदीको नाम मनोनयन गरेको व्यहोरा मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि वातावरण, सञ्चार तथा प्रविधि समितिका मा० सदस्य श्री बलबहादुर राईले “सूचनाको हक सम्बन्धी विधेयक, २०६३” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय समितिका मा० सदस्य श्री तारासम यङ्गाले “मानव बेचबिखन तथा ओसारपसार (नियन्त्रण) विधेयक, २०६३” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले नेपालको अन्तरिम संविधान (संशोधन सहित), २०६३ को धारा ४८ को (ग) र व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम २३६ (१) अनुसार राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टीबाट व्यवस्थापिका-संसदमा प्रतिनिधित्व गर्नुहुने मा० श्री नेत्रलाल श्रेष्ठ उक्त दलमा नरहेको भनी राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टी संसदीय दलको कार्यालयको मिति २०६४/०३/२७ को पत्र प्राप्त हुन आएकोले नेपालको अन्तरिम संविधान (संशोधन सहित), २०६३ को धारा ४८ को (ग) र व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम २३७ को उपनियम (२) बमोजिम व्यवस्थापिका-संसद सदस्य मा० श्री नेत्रलाल श्रेष्ठ व्यवस्थापिका-संसद सदस्य नरहनु भएकोले उक्त पद एक रिक्त हुन आएको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त बैठक पन्ध्र मिनेटको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको २:२० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सूचना तथा सञ्चार मन्त्री श्री कृष्णबहादुर महाराले “वातावरण सञ्चार तथा प्रविधि समितिको प्रतिवेदन सहितको सूचनाको हक सम्बन्धी विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त वातावरण सञ्चार तथा प्रविधि समितिको प्रतिवेदन सहितको “सूचनाको हक सम्बन्धी विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरू तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरूमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा पनि मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात् उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले भाग लिनुभयो :-

१. मा० श्री लीला न्याइच्याई
२. मा० श्री रघुजी पन्त
३. मा० श्री होमनाथ दाहाल
४. मा० श्री हरिहर दाहाल
५. मा० श्री नारायणप्रसाद रेग्मी

त्यसपछि मा० सूचना तथा सञ्चार मन्त्री श्री कृष्णबहादुर महाराले छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “सूचनाको हक सम्बन्धी विधेयक, २०६३” का सम्बन्धमा वातावरण सञ्चार तथा प्रविधि समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि २२ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात् मा० सभामुखले वातावरण सञ्चार तथा प्रविधि समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि २२ सम्म उल्लेखित संशोधनहरु “सूचनाको हक सम्बन्धी विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “सूचनाको हक सम्बन्धी विधेयक, २०६३” को दफा २ देखि ३७ सम्म र सम्बन्धित अनुसूची विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “सूचनाको हक सम्बन्धी विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात् मा० सूचना तथा सञ्चार मन्त्री श्री कृष्णबहादुर महाराले “सूचनाको हक सम्बन्धी विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

त्यसपछि मा० महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण मन्त्री श्री खड्गबहादुर विश्वकर्मा “मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय समितिको प्रतिवेदन सहितको मानव बेचबिखन तथा ओसारपसार (नियन्त्रण) विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय समितिको प्रतिवेदन सहितको “मानव बेचबिखन तथा ओसारपसार (नियन्त्रण) विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात् उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले भाग लिनुभयो :-

१. मा० श्री सुनिल प्रजापति
२. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा)
३. मा० श्री शिला यादव

त्यसपछि मा० महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण मन्त्री श्री खड्गबहादुर विश्वकर्मा छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “मानव बेचबिखन तथा ओसारपसार (नियन्त्रण) विधेयक, २०६३” का सम्बन्धमा मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ११ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात् मा० सभामुखले मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ११ सम्म उल्लेखित संशोधनहरु “मानव बेचबिखन तथा ओसारपसार (नियन्त्रण) विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “मानव बेचबिखन तथा ओसारपसार (नियन्त्रण) विधेयक, २०६३” को दफा २ देखि ३० सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “मानव बेचबिखन तथा ओसारपसार (नियन्त्रण) विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात् मा० महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण मन्त्री श्री खड्गबहादुर विश्वकर्मा “मानव बेचबिखन तथा ओसारपसार (नियन्त्रण) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन ५ गते शनिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - १६

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन ५ गते शनिवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.व.रा.ले रोल्पा जिल्लामा माओवादीका सशस्त्र जत्थाले रा.प्र.पा.संग सम्बन्धित केही व्यक्तिहरुबाट जवरजस्ती विभिन्न परिमाणमा रकम असुल गर्ने, कार्यालय तोडफोड तथा सम्पत्ति जलाउने कार्य गरिरहेकोले सो कार्यहरु नियन्त्रण गरी त्यस्ता आपराधिक कृयाकलाप गर्ने जो कोहीलाई कारवाही गर्न सरकारको ध्यानाकर्षण गर्नुभयो ।

त्यसपछि प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले तराई क्षेत्रमा शान्ति सुरक्षाको स्थिति विग्रदै गैरहेको, तराईबाट पहाडी मूलका नेपाली नागरिकहरुलाई तराई छोडन दवाव र धम्की दिने क्रमले पहाडी मूलका नागरिकहरु विस्थापित हुन गैरहेको, संविधानसभाको चुनावको लागि निर्वाचन आयोग प्राविधिक रुपले तयार रहेपनि राजनैतिक दल र सरकार त्यसप्रति सम्बेदनशिल हुन नसकेको, तराईमा कार्यरत कर्मचारीहरुको श्रृंखलावद्ध रुपमा हत्या भैरहेको, संविधानसभाको चुनाव हुने वातावरण नबनेको, सबै राजनीतिक दलका जिम्मेवार नेताहरु संविधानसभाको निर्वाचनको लागि वातावरण बनाउनेतर्फ अग्रसर हुनुपर्ने, कमैया मुक्तिका लागि सरकार सम्बेदनशील हुन नसकेको, पाल्यामा क्षतिग्रस्त नेपाल टेलिभिजनको टावर तुरुन्त मर्मत गरी संचालन गर्नेतर्फ सरकारको ध्यानाकर्षण गरिएको लगायत अन्य विविध विषयमा आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------|---------------------------------|
| १. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की | २. मा० श्री नारायणप्रसाद दाहाल |
| ३. मा० श्री होमनाथ दाहाल | ४. मा० श्री गोपालप्रसाद कोइराला |
| ५. मा० श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी | ६. मा० श्री लीला न्याइच्याई |
| ७. मा० श्री नारायणप्रकाश साँउद | ८. मा० श्री उमा भुजेल |
| ९. मा० श्री ऋषिकेश गौतम | १०. मा० श्री तारासम यङ्ग्या |
| ११. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ | १२. मा० श्री ओमप्रसाद ओझा |
| १३. मा० श्री असर्फी सदा | १४. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय |

तदुपरान्त मा० वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रीको तर्फबाट मा० सामान्य प्रशासन राज्यमन्त्री श्री रामचन्द्र यादवले “नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० गृह मन्त्रीको तर्फबाट मा० जलस्रोत राज्यमन्त्री श्री ज्ञानेन्द्रबहादुर कार्कीले “विभूषण विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्रीको तर्फबाट मा० जलस्रोत राज्यमन्त्री श्री ज्ञानेन्द्रबहादुर कार्कीले “बिरुवा संरक्षण विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलको क्रममा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय र जलस्रोत मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात् उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|----------------------------------|----------------------------------------|
| १. मा० श्री गोविन्दराज जोशी | २. मा० श्री चन्द्रमणि खराल |
| ३. मा० श्री सुरेशकुमार आलेमगर | ४. मा० श्री भरतकुमार शाह |
| ५. मा० श्री जग्यबहादुर शाही | ६. मा० श्री अञ्जना विशंखे |
| ७. मा० श्री हरि आचार्य | ८. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| ९. मा० श्री नवराज सुवेदी | १०. मा० श्री हृदयराम थानी |
| ११. मा० श्री शेरधन राई | १२. मा० श्री हरिनारायण चौधरी |
| १३. मा० श्री गणेश शाह | १४. मा० श्री काशी पौडेल |
| १५. मा० श्री खिमलाल देवकोटा | १६. मा० श्री गेहेन्द्र गिरी |
| १७. मा० श्री सरला रेग्मी | १८. मा० श्री टंकप्रसाद राई |
| १९. मा० श्री शिवराज जोशी (दैलेख) | २०. मा० श्री गम्बहादुर श्रीश मगर |
| २१. मा० श्री भक्तबहादुर वलायर | २२. मा० श्री दामोदर वस्ताकोटी |
| २३. मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल | २४. मा० श्री पद्मलाल विश्वकर्मा |
| २५. मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे | २६. मा० श्री लक्ष्मीदास मानन्धर |
| २७. मा० श्री सुभाष कर्माचार्य | २८. मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने |
| २९. मा० श्री लोकेन्द्र विष्ट | ३०. मा० श्री यज्ञराज पाठक |
| ३१. मा० श्री टुकराज सिग्देल | ३२. मा० श्री गोरखबहादुर वोगटी |
| ३३. मा० श्री शिवबहादुर देउजा | ३४. मा० श्री नरबहादुर हमाल |
| ३५. मा० श्री जनकराज गिरी | ३६. मा० श्री फटिकबहादुर थापा |
| ३७. मा० श्री यादवबहादुर रायमाभी | ३८. मा० श्री चन्द्रबहादुर शाही |
| ३९. मा० श्री रिजवान अन्सारी | |

त्यसपछि मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को सामान्य प्रशासन मन्त्रालय र जलस्रोत मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा मा० सदस्यहरुले बोल्ने क्रम समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन ६ गते आइतवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - १७

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन ६ गते आइतवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:४५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको शून्य समयमा सात जना मा० सदस्यहरूले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना भनाइहरू राख्नुभयो ।

त्यसपछि प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले वी.पी. जयन्ति तथा पुष्पलाल स्मृति दिवसका अवसरमा वहाँहरूप्रति श्रद्धा सुमन व्यक्त गर्दै वहाँहरूले देखाएको बाटोमा लाग्नु पर्ने धारणा व्यक्त गर्दै राजनैतिक दलहरू र सरकार गम्भिर नभएमा आगामि मंसिरमा पनि संविधान सभाको निर्वाचन गर्ने वातावरण नदेखिएकोले आठै दलबीच साझा संयन्त्र निर्माण गरी राजनैतिक रूपले चुनाव प्रचारका लागि जिल्ला जिल्लामा जानुपर्ने, तराईमा हत्या, हिंसा, अपहरण र फिरौति लिने क्रम जारी रहेको, नेपाल-भारत बीच भएका असमान सन्धि सम्झौताहरू खारेज गरिनुपर्ने, भारत सरकारले सिमा क्षेत्रका तराईका विभिन्न भागमा बाँध निर्माणका कारण नेपालका कतिपय तराई क्षेत्र डुबानमा परेकोले सो बाँध भत्काउनु पर्ने लगायत अन्य विविध विषयमा आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो :-

- | | |
|--------------------------------|-----------------------------------|
| १. मा० श्री रामहरि ढुंगेल | २. मा० श्री लालबाबु पण्डित |
| ३. मा० श्री पूर्णकुमारी सुवेदी | ४. मा० डा० मिनेन्द्र रिजाल |
| ५. मा० श्री सुनिल प्रजापति | ६. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| ७. मा० श्री सोहनप्रसाद चौधरी | ८. मा० श्री तिलक परियार |
| ९. मा० श्री मोहनबहादुर बस्नेत | १०. मा० श्री देवीलाल थापा |
| ११. मा० श्री पुरन राना थारु | १२. मा० श्री गोविन्दबहादुर शाह |
| १३. मा० श्री पारोदेवी यादव | १४. मा० श्री सूर्यनाथ प्रसाद यादव |

तदुपरान्त मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलको क्रममा श्रम तथा यातायात व्यवस्था मन्त्रालय र स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|---------------------------------|------------------------------------|
| १. मा० श्री शिवराज जोशी (दैलेख) | २. मा० श्री यादवबहादुर रायमाभी |
| ३. मा० श्री नारायणप्रसाद दाहाल | ४. मा० श्री होमनाथ दाहाल |
| ५. मा० श्री जग्यबहादुर शाही | ६. मा० श्री असर्फी सदा |
| ७. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. | ८. मा० श्री गणेश शाह |
| ९. मा० श्री परी थापा | १०. मा० श्री विजय सुब्बा |
| ११. मा० श्री काशी पौडेल | १२. मा० श्री मंगल विश्वकर्मा |
| १३. मा० श्री श्रीमाया थकाली | १४. मा० श्री भरतकुमार शाह |
| १५. मा० श्री लीला न्याइच्याई | १६. मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कंडेल |
| १७. मा० श्री वीरबहादुर लामा | १८. मा० श्री दामा शर्मा |
| १९. मा० श्री हरिनारायण चौधरी | २०. मा० श्री दामोदर बस्ताकोटी |
| २१. मा० श्री ललितकुमार बस्नेत | २२. मा० श्री नरेन्द्रबहादुर बम |
| २३. मा० श्री दीपकबहादुर गुरुङ्ग | २४. मा० श्री रंगनाथ जोशी |

२५. मा० श्री टिका बुढाथोकी
२७. मा० श्री हृदयराम थानी
२९. मा० श्री गेहेन्द्र गिरी
३१. मा० श्री लक्ष्मीदास मानन्धर
३३. मा० श्री कृष्णलाल महर्जन
३५. मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल
३७. मा० श्री दुर्गा लिंखा

२६. मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे
२८. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा)
३०. मा० श्री कुन्ता शर्मा
३२. मा० श्री नन्दसिंह साकी
३४. मा० श्री सुशिला नेपाल
३६. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह

त्यसपछि मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को श्रम तथा यातायात व्यवस्था मन्त्रालय र स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा मा० सदस्यहरुले बोल्ने क्रम समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन ७ गते सोमवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - १८

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन ७ गते सोमवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:२५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ मा० श्री जनार्दन शर्माले ने.क.पा. माओवादीबाट प्रतिनिधित्व गर्ने मन्त्रीहरूको सुरक्षा व्यवस्थाको नाममा शंकास्पद तवरले भैरवनाथ गणबाट रेन्जर फोर्सका सेना खटाइएको विषयलाई लिएर गम्भिर आपत्ति जनाउँदै यो विषयमा स्वयं प्रधानमन्त्री सदनमा आएर जवाफ दिनका लागि मा० सभामुखबाट रुलिङ्ग होस् भन्नुभयो । साथै संविधान सभाको माहौल तयार गर्नेतर्फ सरकार नलागेको, सदनमा उठाइएका प्रश्नहरूको वेवास्ता गरिएको, सामन्तवाद र साम्राज्यवादलाई बढावा दिएको, रायमाझी आयोगको प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्नेतर्फ ध्यान नदिएको भन्ने जस्ता विषयमा आफ्नो भनाई राख्नुभयो ।

तत्पश्चात प्रारम्भ भएको शून्य समयमा उन्नाइस जना मा० सदस्यहरूले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना भनाईहरू राख्नुभयो ।

त्यसपछि प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले वी.पी. जयन्ति तथा पुष्पलाल स्मृति दिवसका अवसरमा वहाँहरूप्रति श्रद्धा सुमन व्यक्त गर्दै दलित, आदिवासी, मधेशी लगायत अन्य वर्गको समस्या समाधान गर्न आठ दल एकजुट भई संविधान सभा निर्वाचन गर्नेतर्फ लाग्नुपर्ने, निजामति ऐनलाई एक हप्ता भित्र पारित गर्न अग्रसर हुनुपर्ने, भारतले सीमा क्षेत्रमा निर्माण गरेको बाँधका कारण नेपालको भू-भाग हरेक वर्षायाममा जलमग्न हुने गरेको, सत्तामा बसेर अर्कालाई दोष थोपर्ने परिपार्टीको अन्त्य हुनुपर्ने, त्रि.वि.वि.का बाँकी पदाधिकारीहरू नियुक्त गर्न ढिलाई गरिएको कारणका सम्बन्धमा, भोलीसम्ममा रायमाझी आयोगको प्रतिवेदन सार्वजनिक गरिनुपर्ने, जनक शिक्षा सामाग्री केन्द्रलाई निजीकरण गर्न लागेको सम्बन्धमा, गौर घटनाका दोषीहरू खुलेआम घुमिरहँदा पनि सरकारले कारवाही नगरेको, भौगोलिक विषमतालाई स्वार्थमा लिएर विखण्डनकारी गतिविधि बढाउन नहुने, संक्रमणकालमा नेपाली सेनामा सरुवा बढुवा गर्न नहुने विषयका सम्बन्धमा, निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण आयोगले निर्वाचन क्षेत्र कसरी निर्धारण गर्दैछ जानकारी दिनुपर्ने लगायत अन्य विविध विषयमा आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------|-----------------------------------|
| १. मा० श्री भरतमोहन अधिकारी | २. मा० श्री सुरेन्द्रप्रसाद चौधरी |
| ३. मा० श्री सावित्री गुरुङ्ग दुरा | ४. मा० श्री होमनाथ दाहाल |
| ५. मा० श्री लीलामणि पोखरेल | ६. मा० श्री नारायणमान विजुकछे |
| ७. मा० श्री हरिहर दाहाल | ८. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| ९. मा० डा० वंशीधर मिश्र | १०. मा० श्री भिक्षु आनन्द |
| ११. मा० श्री मञ्जु बम | १२. मा० श्री सूर्यनाथ प्रसाद यादव |

तदुपरान्त मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलको क्रममा महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण मन्त्रालय र भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|--------------------------------|----------------------------------|
| १. मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी | २. मा० श्री टुकराज सिग्देल |
| ३. मा० श्री जयपूरी घर्ती मगर | ४. मा० श्री भरतकुमार शाह |
| ५. मा० श्री असर्फी सदा | ६. मा० श्री लीला न्याइच्याई |
| ७. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. | ८. मा० श्री गणेश शाह |
| ९. मा० श्री नवराज सुवेदी | १०. मा० श्री शिवराज जोशी (दौलेख) |

- | | | | |
|-----|-----------------------------|-----|-------------------------------------|
| ११. | मा० श्री कृष्णप्रसाद दहाल | १२. | मा० श्री पूर्णकुमारी सुवेदी |
| १३. | मा० श्री मोहनबहादुर बस्नेत | १४. | मा० श्री कृष्णप्रताप मल्ल |
| १५. | मा० श्री जग्यबहादुर शाही | १६. | मा० श्री काशी पौडेल |
| १७. | मा० श्री गोरखबहादुर बोगटी | १८. | मा० श्री हितबहादुर तामाङ्ग |
| १९. | मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे | २०. | मा० श्री हृदयराम थानी |
| २१. | मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य | २२. | मा० श्री सरस्वती चौधरी |
| २३. | मा० श्री ऋषिकेश गौतम | २४. | मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कंडेल |
| २५. | मा० श्री सुशिला नेपाल | २६. | मा० श्री बुद्धिमान माझी |
| २७. | मा० श्री गेहेन्द्र गिरी | २८. | मा० श्री सावित्री बोगटी (पाठक) |
| २९. | मा० श्री सुरेशकुमार कार्की | ३०. | मा० श्री सुदर्शन बराल मगर |
| ३१. | मा० श्री जनकराज गिरी | ३२. | मा० श्री पशुपति चौलागाईं |
| ३३. | मा० श्री तिलक परियार | ३४. | मा० श्री नरेन्द्रबहादुर बम |
| ३५. | मा० श्री शेरधन राई | ३६. | मा० श्री लोकेन्द्र विष्ट |
| ३७. | मा० श्री टंकप्रसाद राई | ३८. | मा० श्री तारासम यङ्ग्या |
| ३९. | मा० श्री यज्ञराज पाठक | ४०. | मा० श्री रंगनाथ जोशी |
| ४१. | मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल | ४२. | मा० श्री अर्जुनजंगबहादुर सिंह |
| ४३. | मा० श्री यादवबहादुर रायमाझी | ४४. | मा० श्री डम्बरसिं सम्बाहाम्फे |
| ४५. | मा० श्री रामबहादुर गुरुङ्ग | ४६. | मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा) |
| ४७. | मा० श्री सुशीला स्वाँर | ४८. | मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) |
| ४९. | मा० श्री नरबहादुर हमाल | | |

त्यसपछि मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण मन्त्रालय र भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा मा० सदस्यहरुले बोल्ने क्रम समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन ८ गते मंगलवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - १९

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन ८ गते मंगलवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:२५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको शून्य समयमा नौ जना मा० सदस्यहरूले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना भनाईहरू राख्नुभयो ।

त्यसपछि प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आठ राजनैतिक दलले संयुक्त रूपमा तराईका विभिन्न आन्दोलनरत पक्षहरूसँग वार्ता गर्ने वातावरण बनाउनु पर्ने, सरकारले निश्चित समय तोकेर वार्ता प्रारम्भ गर्नुपर्ने, ने.क.पा. माओवादी र सरकारका विभिन्न अंगहरूबीच अविश्वासको वातावरण बढ्दै गएकोले सोको समाधान आठ दलभित्रै खोजिनु पर्ने, सञ्चार क्षेत्रमा लागेका मजदुरले पनि महँगी भत्ता पाउनु पर्ने, भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्रालयले केवल आस्थाको आधारमा कर्मचारी बरखास्त गर्ने कार्य रोक्नुपर्ने, मधेशलाई केवल भोट बैंकको रूपमा मात्र राजनैतिक दलका नेताहरूले हेर्न नहुने, प्रतिनिधि सभा पुनर्स्थापना भएकै आधारमा स्थानीय निकाय पुनर्स्थापन गर्नुपर्ने, वर्षातको समयमा पनि लोड सेडिङ्ग र खानेपानी समस्या समाधान गर्नेतर्फ सरकारको ध्यान नगएको, बृहत शान्ति सम्झौता अनुरूप बेपत्ता पारिएका नागरिकहरूलाई सार्वजनिक गरिनुपर्ने, गुल्मीको सप्तकोशी नदीमा उच्च बाँध परियोजना निर्माण गर्दा त्यस क्षेत्रमा पर्ने डुबानको असरका बारेमा ध्यान दिनुपर्ने, मधेशको आन्दोलनको सवालमा सरकार संवेदनशील हुन नसकेको, नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/०६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रम ल्याउँदा आठ दलबीच सहमति जुटाएर नल्याएको भन्ने लगायत अन्य विविध विषयमा आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो :-

- | | |
|---------------------------------|---------------------------------|
| १. मा० श्री गोपालप्रसाद कोइराला | २. मा० श्री प्रदिपकुमार ज्ञवाली |
| ३. मा० श्री शालिकराम जम्कट्टेल | ४. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी |
| ५. मा० श्री हृदयेश त्रिपाठी | ६. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. |
| ७. मा० श्री डिल्लीराज शर्मा | ८. मा० श्री वीरबहादुर लामा |
| ९. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ | १०. मा० श्री शेरधन राई |
| ११. मा० श्री हरि रोका | |

तदुपरान्त विशेष समय सकिनासाथ मा० श्री लीलामणि पोखरेले रायमाझी आयोगको प्रतिवेदन केही दिनभित्र सार्वजनिक नगरिएमा हामिले भिन्न तरिका अपनाउनु पर्ने हुन्छ तसर्थ मा० सभामुखबाट उक्त प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्न सरकारलाई रुलिङ्ग होस् भन्ने आग्रह गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले मा० सदस्यहरूले रायमाझी आयोगको प्रतिवेदनको विषयमा गम्भिर ध्यानाकर्षण गर्नु भएको छ र सरकारको प्रतिनिधित्व गर्ने मन्त्रीको उपस्थिति सदनमा भएको हुनाले सरकारको ध्यानाकर्षण हुनुपर्छ तसर्थ उक्त प्रतिवेदन व्यवस्थापिका-संसदमा पेश गर्न निर्देश गर्दछु भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलको क्रममा भूमिसुधार तथा व्यवस्था मन्त्रालय र कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|---------------------------------|-----------------------------|
| १. मा० श्री शिवराज जोशी (दैलेख) | २. मा० श्री कृष्णलाल महर्जन |
| ३. मा० श्री लेखराज भट्ट | ४. मा० श्री होमनाथ दाहाल |

- | | | | |
|-----|---------------------------------------|-----|-------------------------------|
| ५. | मा० श्री हृदयेश त्रिपाठी | ६. | मा० श्री असर्फी सदा |
| ७. | मा० श्री सुनिल प्रजापति | ८. | मा० श्री हरि आचार्य |
| ९. | मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली | १०. | मा० श्री लीला न्याइच्याई |
| ११. | मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कंडेल | ११. | मा० श्री सुभाष कर्माचार्य |
| १३. | मा० श्री हितबहादुर तामाङ्ग | १४. | मा० श्री गेहेन्द्र गिरी |
| १५. | मा० श्री गणेश शाह | १६. | मा० श्री दामोदर वस्ताकोटी |
| १७. | मा० श्री सोहनप्रसाद चौधरी | १८. | मा० श्री सन्तोषकुमार बुढा मगर |
| १९. | मा० श्री हरिनारायण चौधरी | २०. | मा० श्री हृदयराम थानी |
| २१. | मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल | २२. | मा० श्री सूर्यमान दोड तामाङ्ग |
| २३. | मा० श्री सावित्री बोगटी (पाठक) | २४. | मा० श्री डम्बरसिं सम्वाहाम्फे |
| २५. | मा० श्री इन्द्रजीत थारु | २६. | मा० श्री जयन्ती राई |
| २७. | मा० श्री तारिणीदत्त चटौत | २८. | मा० श्री पशुपति चौलागाईं |
| २९. | मा० श्री देवी खड्का | ३०. | मा० श्री तारासम यङ्ग्या |
| ३१. | मा० श्री लेखनाथ न्यौपाने | ३२. | मा० श्री कुन्ता शर्मा |
| ३३. | मा० श्री दिलिप महर्जन | ३४. | मा० श्री रंगनाथ जोशी |
| ३५. | मा० श्री पार्वती चौधरी | ३६. | मा० श्री टुकराज सिग्देल |
| ३७. | मा० श्री देवीलाल थापा | ३८. | मा० श्री सुशिला नेपाल |

त्यसपछि मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को भूमिसुधार तथा व्यवस्था मन्त्रालय र कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा मा० सदस्यहरुले बोल्ने क्रम समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन ९ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - २०

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन ९ गते बुधवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:०५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ मा० श्री मोतीदेवी चौधरीले बाँके, बर्दिया र कञ्चनपुर जिल्लाका मुक्त कमैयाहरु वर्षौंदेखि पुनर्स्थापनाको लागि शान्तिपूर्ण रुपमा आन्दोलन गर्दै आएकोमा पुनर्स्थापनाको व्यवस्था नगरी उल्टै प्रहरीद्वारा अनावश्यक हस्तक्षेप भएको विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

तत्पश्चात प्रारम्भ भएको शून्य समयमा अठार जना मा० सदस्यहरुले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना भनाईहरु राख्नुभयो ।

त्यसपछि प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले बझाङ्ग जिल्लाको काँडा गा.वि.स.मा अज्ञात रोगले त्यस क्षेत्रका मानिसको मृत्यु हुन गएकोले सो रोग पत्ता लगाई सो क्षेत्रमा आवश्यक स्वास्थ्यकर्मीको व्यवस्था गरी रोग नियन्त्रण गरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, निजामति सेवा ऐनको अभावमा निजामति प्रसाशनले बदलिंदो परिस्थिति अनुरूप काम गर्न नसकेको सम्बन्धमा, मुक्त कमैयाहरुको माग पूरा गर्नेतर्फ सरकार अग्रसर नभएको सम्बन्धमा, मुक्त कमैयाको नाममा अन्तर्राष्ट्रिय र राष्ट्रिय गैर सरकारी संस्थाहरुले प्रशस्त लाभ लिइरहेको सम्बन्धमा, भारतले आफ्नो सीमा क्षेत्रमा निर्माण गरेको बाँधका कारण तराईका विभिन्न भाग जलमग्न भएको सम्बन्धमा, वाइ.सी.एल.ले समानान्तर सरकारको रुपमा काम गर्नु उपयुक्त नभएको सम्बन्धमा, संविधान सभाको निर्वाचन निर्धारित समयमा गर्ने हो भने तत्काल आन्दोलनकारीहरूसँग सार्थक वार्ता गरी शान्ति सुरक्षाको प्रत्याभूति गरिनुपर्ने सम्बन्धमा, प्रवासी नेपालीलाई संविधान सभाको निर्वाचनमा मतदान गर्ने अधिकार उपलब्ध गराउनु पर्ने सम्बन्धमा, विश्वविद्यालयमा नियुक्ति हुन बाँकी पदाधिकारीहरुको नियुक्ति नगरिनुको कारणका बारेमा सदनमा शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्रीले जानकारी दिनुपर्ने सम्बन्धमा, सिन्धुपाल्चोकको चौतारामा प्र.रा.यु. संघका स्थानीय कार्यकर्तालाई वाइ.सी.एल.ले मरणासन्न हुने गरी कुटपीट गरेको सम्बन्धमा, नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ मा शिक्षा, स्वास्थ्य र रोजगारीलाई नागरिकको नैसर्गिक अधिकारको रुपमा उल्लेख गरिए तापनि सो अनुरूप कार्यक्रम नआएको सम्बन्धमा, भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्रालयले प्रकाशित गरेको सोचपत्र ने.क.पा.माओवादी पार्टीको सोचपत्र जस्तो देखिएको सम्बन्धमा, अन्तर्राष्ट्रिय फौजदारी अदालतको रोम विधान (ICC) लाई अनुमोदन गर्न सदनले संकल्प प्रस्ताव पारित गरेको एक वर्ष भैसक्दा पनि सरकारले यसतर्फ ध्यान नदिएको सम्बन्धमा, रायमाझी आयोगको प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्न रुलिङ्ग भएको चौबिस घण्टा वितिसक्दा पनि सरकार मौन रहेको लगायत अन्य विविध विषयमा आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो :-

- | | |
|-----------------------------|-------------------------------|
| १. मा० श्री सुरेश मल्ल | २. मा० श्री फटिकबहादुर थापा |
| ३. मा० श्री दामा शर्मा | ४. मा० डा० प्रकाश शरण महत |
| ५. मा० श्री नवराज सुवेदी | ६. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| ७. मा० श्री हरिहर दाहाल | ८. मा० श्री सुभाष कर्माचार्य |
| ९. मा० श्री सत्य पहाडी | १०. मा० श्री रामचन्द्र तिवारी |
| ११. मा० श्री उर्वादत्त पन्त | १२. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा |
| १३. मा० श्री अञ्जना विसंखे | |

तदुपरान्त मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलको क्रममा वन तथा भू-संरक्षण मन्त्रालय र संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात् उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------|------------------------------------|
| १. मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी | २. मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल |
| ३. मा० श्री भरतकुमार शाह | ४. मा० श्री भरतविमल यादव |
| ५. मा० श्री असर्फी सदा | ६. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे |
| ७. मा० श्री हरि आचार्य | ८. मा० श्री गणेश शाह |
| ९. मा० श्री शिवराज जोशी (दैलेख) | १०. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की |
| ११. मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ | १२. मा० श्री केशव थापा |
| १३. मा० श्री जग्यबहादुर शाही | १४. मा० श्री काशी पौडेल |
| १५. मा० श्री गंगाप्रसाद नेपाल | १६. मा० श्री सत्य पहाडी |
| १७. मा० श्री गेहेन्द्र गिरी | १८. मा० श्री हृदयराम थानी |
| १९. मा० श्री श्रीमाया थकाली | २०. मा० श्री कमला रोका |
| २१. मा० श्री अर्जुनजंगबहादुर सिंह | २२. मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कंडेल |
| २३. मा० श्री जयन्ती राई | २४. मा० श्री सावित्री गुरुङ्ग दुरा |
| २५. मा० श्री टंकप्रसाद राई | २६. मा० श्री सावित्री बोगटी (पाठक) |
| २७. मा० श्री नारायणप्रसाद रेग्मी | २८. मा० श्री तारासम यङ्ग्या |
| २९. मा० श्री तारिणीदत्त चटौत | ३०. मा० श्री कमलप्रकाश सुनुवार |
| ३१. मा० श्री भिक्षु आनन्द | ३२. मा० श्री रामबहादुर गुरुङ्ग |
| ३३. मा० श्री लक्ष्मीदास मानन्धर | ३४. मा० श्री देवी खड्का |
| ३५. मा० श्री जनकराज गिरी | ३६. मा० श्री तीर्था गौतम |
| ३७. मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे | ३८. मा० श्री भद्रबहादुर थापा |
| ३९. मा० श्री वीरबहादुर लामा | ४०. मा० श्री चन्द्रबहादुर शाही |
| ४१. मा० श्री दुर्गा लिंखा | |

त्यसपछि मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को वन तथा भू-संरक्षण मन्त्रालय र संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा मा० सदस्यहरुले बोल्ने क्रम समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन १० गते विहिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - २१

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन १० गते विहवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:१० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको शून्य समयमा सात जना मा० सदस्यहरूले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना भनाईहरू राख्नुभयो ।

त्यसपछि प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै पर्वत जिल्लामा चिकित्सकलाई हाजिर हुन नदिई पूर्वाग्रह ढंगले फिर्ता बोलाइएको सम्बन्धमा, बाँकेको कोहलपुरमा आएको बाढी पहिरोमा परी एकजनाको मृत्यु भएको सम्बन्धमा, संविधान सभा निर्वाचनका लागि सबै राजनैतिक दल एकजुट भई लाग्नु पर्ने सम्बन्धमा, कन्काई जलविद्युत आयोजनाको सम्बन्धमा, आन्दोलनबाट देशमा प्रशस्त भौतिक क्षति भएपछि मात्र सुनवाई हुने परम्परा कायम रहेको सम्बन्धमा, विभिन्न आन्दोलनकारीका मागहरू पूरा गर्न सक्ने भए वार्ताद्वारा पूरा गर्ने र पूरा गर्न नसकिने भए यति कारणले नसकिने भनी उनीहरूलाई चित्त बुझाई वार्ताद्वारा समस्या समाधान गर्न सरकार अग्रसर हुनुपर्ने सम्बन्धमा, नुवाकोटको बटारमा सेनाद्वारा विच्छाडिएको बम विस्फोट भै एक बालकको मृत्यु र एक महिला घाइते भएकोले सेनाको व्यवहार सच्याउन सरकारलाई सदनबाट निर्देश हुनुपर्ने लगायत अन्य विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

- | | |
|-------------------------------|--------------------------------|
| १. मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी | २. मा० श्री तिलक परियार |
| ३. मा० श्री अक्कलबहादुर विष्ट | ४. मा० श्री जग्यबहादुर शाही |
| ५. मा० श्री रामकुमार चौधरी | ६. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. |
| ७. मा० श्री तारासम यङ्ग्या | ८. मा० श्री पदमलाल विश्वकर्मा |
| ९. मा० श्री गोरखबहादुर बोगटी | १०. मा० श्री हितबहादुर तामाङ्ग |

तदुपरान्त मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलको क्रममा उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालय र स्थानीय विकास मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकहरूमाथिको छलफल प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------|------------------------------------|
| १. मा० श्री शिवराज जोशी (दैलेख) | २. मा० श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे |
| ३. मा० श्री शालिकराम जम्कट्टेल | ४. मा० श्री ऋषिकेश गौतम |
| ५. मा० श्री लीला न्याइच्याई | ६. मा० श्री हरि आचार्य |
| ७. मा० श्री हृदयराम थानी | ८. मा० श्री राजेन्द्रप्रकाश लोहनी |
| ९. मा० श्री कृष्ण आचार्य | १०. मा० श्री भरतकुमार शाह |
| ११. मा० श्री सुनिल प्रजापति | १२. मा० श्री गणेश शाह |
| १३. मा० श्री काशी पौडेल | १४. मा० श्री नरबहादुर हमाल |
| १५. मा० श्री टंकप्रसाद राई | १६. मा० श्री सुरेश मल्ल |
| १७. मा० श्री उर्वादत्त पन्त | १८. मा० श्री सन्तोषकुमार बुढा मगर |
| १९. मा० श्री डम्बरसिं सम्बाहाम्फे | २०. मा० श्री तारासम यङ्ग्या |
| २१. मा० श्री गोरखबहादुर बोगटी | २२. मा० श्री अमृता थापा |
| २३. मा० श्री हरिहर दाहाल | २४. मा० श्री शेरधन राई |
| २५. मा० श्री सरस्वती चौधरी | २६. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी |
| २७. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की | २८. मा० श्री सावित्री बोगटी (पाठक) |

२९. मा० श्री हितबहादुर तामाङ्ग
३१. मा० श्री कृष्णदेव सिंह दनुवार
३३. मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे
३५. मा० सुश्री मैयाँदेवी श्रेष्ठ
३७. मा० श्री कृष्णलाल महर्जन
३९. मा० श्री लक्ष्मीदास मानन्धर

३०. मा० श्री दुर्गा लिंखा
३२. मा० श्री वीरबहादुर लामा
३४. मा० श्री चन्द्रमणि खराल
३६. मा० श्री जयन्ती राई
३८. मा० श्री भद्रबहादुर थापा

त्यसपछि मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को उद्घोष, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालय र स्थानीय विकास मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा मा० सदस्यहरुले बोल्ने क्रम समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन ११ गते शुक्रवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - २२

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन ११ गते शुक्रवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:३५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ केही माननीय सदस्यहरूले तराईमा परेको अविरल वर्षा र भारतीय सीमा क्षेत्रमा भारतले निर्माण गरेका बाँधका कारण डुवानमा परि कैयन घरवार विहिन भएका परिवारहरूलाई सरकारले आवश्यक राहत उपलब्ध गराउनुपर्ने सम्बन्धमा र सयौं विघा खेतीयोग्य जमीन कटानमा परेको सम्बन्धमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

तदुपरान्त मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले हालै तराईमा परेको अविरल वर्षाका कारण तराई क्षेत्रमा ठूलो जनधनको क्षति भएको सम्बन्धमा जानकारी दिँदै सरकारले प्रत्येक मृतकका परिवारलाई तत्काल राहत स्वरूप रु. १५,०००/- घरवार विहिन भएका प्रत्येक परिवारलाई रु. १०,०००/- र आसिक घरवार विहिन भएका प्रत्येक परिवारलाई रु. ५,०००/- का दरले र अन्य पिडित परिवारलाई आवश्यक राहत सहयोग उपलब्ध गराउने तथा गृह मन्त्रालयका सहसचिव श्री प्रतापकुमार पाठकको संयोजकत्वमा केन्द्रिय राहत परिचालन तथा उद्धार समिति गठन गरिएको र प्रत्येक जिल्लामा प्रमुख जिल्ला अधिकारीको संयोजकत्वमा राहत परिचालन तथा उद्धार समिति गठन गरि पिडित परिवारलाई आवश्यक राहत उपलब्ध गराउने व्यवस्था मिलाइएको विषयमा सार्वजनिक महत्त्वको वक्तव्य दिनुभयो ।

तत्पश्चात प्रारम्भ भएको शून्य समयमा एक्काईस जना मा० सदस्यहरूले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना भनाईहरू राख्नुभयो ।

त्यसपछि प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै साउन महिनामा परेको अविरल वर्षात एवं लक्ष्मणपुर, महलीसागर लगायत अन्य स्थानमा भारतद्वारा निर्माण गरिएका बाँधका कारण तराईका विभिन्न क्षेत्र डुवानमा पर्दापनि भारतले बाँधका ढोकाहरू नखोलेको सम्बन्धमा, जाजरकोटमा अज्ञात रोगका कारण दुईजना व्यक्तिको मृत्यु भैसकेकोले सो रोगको रोकथामका लागि आवश्यक व्यवस्था मिलाईयोस् भन्ने सम्बन्धमा, विधायकको रूपमा संसदमा उपस्थित भैसकेपछि पनि जिल्ला प्रशासनमा १६ वटा मुद्दा चलिरहेको विषयको सम्बन्धमा, भारतले विभिन्न क्षेत्रमा १५ किलोमिटर भुभाग छोडेर तटबन्ध (बाँध) निर्माण गर्नुपर्नेमा अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्ड विपरित नेपालको सिमा नजिक करिब ४०० किलोमिटर क्षेत्रमा बाँध निर्माण गरेको कारण उक्त बाँधले नेपालको कैयौं भाग डुवानमा परेकोले उक्त मापदण्ड विपरित वनेका बाँधहरू भत्काइनु पर्ने वा भारत सरकारसंग कुरा गरि सो समस्याको समाधान गरिनुपर्ने सम्बन्धमा, स्थानीय निकायको पुर्नस्थापना भएको भए हाल तराई क्षेत्रमा डुवानमा परेका पिडित परिवारलाई आवश्यक राहत पुऱ्याउन सहयोग पुग्नसक्ने सम्बन्धमा र रायमाफी आयोगको प्रतिवेदन सदनमा पेश गर्न मा० सभामुखबाट रुलिङ्ग भैसक्दा पनि आजसम्म उक्त प्रतिवेदन पेश नगरिएकोले पुनः मा० सभामुखबाट रुलिङ्ग हुनुपर्ने लगायत अन्य विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

- | | |
|-----------------------------------|-----------------------------|
| १. मा० श्री रंगनाथ जोशी | २. मा० श्री देवी खड्का |
| ३. मा० श्री अर्जुनजंग बहादुर सिंह | ४. मा० श्री भरतविमल यादव |
| ५. मा० श्री लीलामणि पोखरेल | ६. मा० श्री लीला न्याइच्याई |
| ७. मा० श्री गोपालप्रसाद कोइराला | ८. मा० श्री वलावती शर्मा |
| ९. मा० श्री पारोदेवी यादव | |

तदुपरान्त मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलको क्रममा गृह मन्त्रालय र कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकहरूमाथिको छलफल प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात् उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|------------------------------------|---------------------------------------|
| १. मा० श्री हरिहर दाहाल | २. मा० श्री रघुजी पन्त |
| ३. मा० श्री सावित्री गुरुङ्ग दुरा | ४. मा० श्री पूर्णबहादुर खड्का |
| ५. मा० श्री सुनिल प्रजापति | ६. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| ७. मा० श्री काशी पौडेल | ८. मा० श्री विरोध खतिवडा |
| ९. मा० श्री भरतकुमार शाह | १०. मा० श्री जग्यबहादुर शाही |
| ११. मा० श्री रामकुमार चौधरी | १२. मा० श्री वीरबहादुर लामा |
| १३. मा० श्री देवी खड्का | १४. मा० श्री गेहेन्द्र गिरी |
| १५. मा० श्री हृदयराम थानी | १६. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा |
| १७. मा० श्री सुदर्शन बराल मगर | १८. मा० श्री हरिनारायण चौधरी |
| १९. मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कंडेल | २०. मा० श्री उर्वादत्त पन्त |
| २१. मा० श्री परशुराम रम्तेल | २२. मा० श्री सावित्री वोगटी पाठक |
| २३. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय | २४. मा० श्री खिमलाल देवकोटा |
| २५. मा० श्री रामबहादुर गुरुङ्ग | २६. मा० श्री अमृता थापा |
| २७. मा० श्री यज्ञराज पाठक | २८. मा० श्री देवीलाल थापा |
| २९. मा० श्री शिला यादव | ३०. मा० श्री रामबहादुर विष्ट |
| ३१. मा० श्री तीर्था गौतम | ३२. मा० श्री भद्रबहादुर थापा |
| ३३. मा० श्री नरबहादुर हमाल | ३४. मा० श्री सोहनप्रसाद चौधरी |
| ३५. मा० डा० वंशीधर मिश्र | ३६. मा० श्री चुडामणि जंगली विश्वकर्मा |
| ३७. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की | |

त्यसपछि मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को गृह मन्त्रालय र कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा मा० सदस्यहरुले बोल्ने क्रम समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन १२ गते शनिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - २३

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन १२ गते शनिवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:१५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले हालै आएको अविरल वर्षाका कारण मुलुकका विभिन्न भागमा ठूलो जनधनको क्षति भएकोले पिडित परिवारको तत्कालिन सहयोगको लागि हामी व्यवस्थापिका-संसदका सदस्यहरूले पाँच दिनको पारिश्रमिक उपलब्ध गराउने प्रस्ताव प्रति मा० सदस्यहरूलाई सहमति जनाई दिन हुन अनुरोध गर्नुहुँदा मा० सदस्यहरूले सहमति जनाउनु भयो ।

तदुपरान्त केही मा० सदस्यहरूले तराईमा परेको अविरल वर्षा र अन्तर्राष्ट्रिय कानून तथा मापदण्ड विपरित भारतले निर्माण गरेका बाँधका कारण डुवानमा परि कैयन घरवार विहिन भएका परिवारहरूलाई सरकारले आवश्यक राहत उपलब्ध गराउनुपर्ने सम्बन्धमा, रायमाझी आयोगको प्रतिवेदन सदनमा पेश गर्न मा० सभामुखबाट रुलिङ्ग भैसक्दा पनि आजसम्म किन र कसको कारणले त्यो पेश गर्ने कार्यमा ढिलाई गरिएको हो साथै सदनमा धेरै प्रश्नहरू उठाइदा पनि तिनको उत्तर सरकारबाट नआएकोले सो प्रति खेद व्यक्त गरिएको सम्बन्धमा, सार्वभौमसत्ता सम्पन्न संसदको गरिमाको अवमूल्यन गरिएको सम्बन्धमा लगायत विभिन्न विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

तत्पश्चात मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले मधेशका विभिन्न भागहरू जलमग्न भएका छन्, त्यहाँ साना साना फुसका छाना भएका घरहरू भत्किएका छन्, गृह मन्त्रालयमा मिति २०६४ साउन ११ गते बेलुकी दैवी प्रकोप उद्धार समितिको बैठक बसी दाताहरूसँग सहयोगको लागि आह्वान गरिएको, जनकपुर र नेपालगञ्जमा बाढीका कारण उद्धार सामाग्री पुऱ्याउन कठिनाई परेको, सरकारको साधन श्रोतले भ्याएसम्म उद्धार कार्यमा सहयोग पुऱ्याउने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो । साथै उहाँले यस दुःखद घडीमा बाढी पिडितहरूलाई सहयोग पुऱ्याउन सबै पक्षलाई आह्वान गर्दछु भन्नुभयो । त्यस्तै रायमाझी आयोगको प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्ने सम्बन्धमा मन्त्रीपरिषद्को निर्णय भएको तीन दिनभित्र संसदमा पेश गर्नेतर्फ कारवाही अगाडि बढेको व्यहोरा पनि जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै बाह्र तेह्र दिनदेखि परेको अविरल वर्षातका कारण तराईका विभिन्न भागमा ठूलो जनधनको क्षति भई हजारौं व्यक्तिहरू घरवार विहिन हुन पुगेकाले उनीहरूलाई तत्काल उचित राहत उपलब्ध गराउने सम्बन्धमा, तराईमा हतियार उठाई आन्दोलन गर्ने पक्षहरूलाई समेत बाढीमा परेका जनताको उद्धारका लागि आन्दोलन स्थगित गरी सहयोग गर्नुपर्ने सम्बन्धमा, प्रत्येक वर्ष आउने बाढी पहिरो जस्ता दैवी प्रकोप सामना गर्न दीर्घकालीन रूपमा अन्तर्राष्ट्रिय सहयोग जुटाइ सोको समस्या समाधान गर्न सदा तत्पर रहनुपर्ने सम्बन्धमा, शिक्षा क्षेत्रमा पदाधिकारीहरू नियुक्त नगरिँदा शिक्षा क्षेत्रको काम कारवाही ठप्प हुन गएको सम्बन्धमा, राजदुतको नियुक्ति समयमा नगरिएकोले कूटनैतिक क्षेत्रमा पर्न गएको बाधा व्यवधानको सम्बन्धमा, सरकारको गति साह्रै मन्द र अर्कमण्य रूपमा अगाडि बढेको सम्बन्धमा, कैलालीका विभिन्न गा.वि.स.हरूमा वर्षातका कारण डुवानमा परेका जनताको उद्धारका लागि आवश्यक व्यवस्था शीघ्र गर्नुपर्ने र रायमाझी आयोगको प्रतिवेदन छिट्टै संसदमा प्रस्तुत गरिने मा० गृहमन्त्रीले संसदलाई दिनुभएको जानकारीको लागि मा० गृहमन्त्रीलाई धन्यवाद दिईएको सम्बन्धमा, अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्ड विपरित भारत सरकारले बाँध निर्माण गरेकोले अन्तर्राष्ट्रिय अदालतमा मुद्दा दायर गरि बाँध भत्काउनु पर्ने सम्बन्धमा, देशका विभिन्न घटनाको क्रममा बेपत्ता पारिएका नागरिकहरूको साठी दिनभित्र सार्वजनिक गर्ने प्रतिवद्धता व्यक्त गरिए तापनि सो कार्य आजसम्म पूरा नभएकोले बेपत्ता नागरिकहरूको खोजीका लागि उच्चस्तरीय आयोग गठन गरिनुपर्ने सम्बन्धमा, संसदमा सरकारलाई रुलिङ्ग गरेपछि मात्र सरकारले काम गर्ने परिपाटिको अन्त्य गरिनुपर्ने सम्बन्धमा, बैंक व्यवस्थापनको नाममा

विदेशीहरूलाई लाखौं रुपैयाँ पारिश्रमिक उपलब्ध गराउने परिपाटिको अन्त्य गरिनुपर्ने लगायत अन्य विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

- | | |
|---------------------------------|--------------------------------|
| १. मा० श्री रामकुमार चौधरी | २. मा० श्री तारासम यङ्ग्या |
| ३. मा० श्री नारायणप्रसाद रेग्मी | ४. मा० श्री टेकबहादुर चोखाल |
| ५. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | ६. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे |
| ७. मा० श्री उमा वि.क. | ८. मा० श्री होमनाथ दाहाल |
| ९. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ | |

तदुपरान्त मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले “राष्ट्र ऋण उठाउने विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले “राष्ट्र ऋण उठाउने विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलको क्रममा अर्थ मन्त्रालय र वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकहरूमाथिको छलफल प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|--------------------------------|---------------------------------|
| १. मा० श्री रामबहादुर विष्ट | २. मा० श्री डिल्लीराज खनाल |
| ३. मा० श्री भक्तबहादुर शाह | ४. मा० श्री भरतकुमार शाह |
| ५. मा० श्री जग्यबहादुर शाही | ६. मा० श्री हरि आचार्य |
| ७. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | ८. मा० श्री परी थापा |
| ९. मा० श्री टुकराज सिग्देल | १०. मा० श्री हरि रोका |
| ११. मा० श्री मोहनबहादुर बस्नेत | १२. मा० श्री लीला न्याइच्याई |
| १३. मा० श्री रामकुमार चौधरी | १४. मा० श्री विजय सुब्बा |
| १५. मा० श्री वामदेव क्षेत्री | १६. मा० श्री भक्तबहादुर वलायर |
| १७. मा० श्री दामोदर वस्ताकोटी | १८. मा० श्री भद्रबहादुर थापा |
| १९. मा० श्री बलावती शर्मा | २०. मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे |
| २१. मा० श्री जनकराज गिरी | २२. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय |
| २३. मा० श्री पदमलाल विश्वकर्मा | २४. मा० श्री लक्ष्मीदास मानन्धर |
| २५. मा० श्री यज्ञराज पाठक | २६. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की |
| २७. मा० श्री नन्दसिंह सार्की | २८. मा० श्री तारासम यङ्ग्या |
| २९. मा० श्री कुन्ता शर्मा | ३०. मा० श्री भगवती प्रधान |
| ३१. मा० श्री सत्य पहाडी | ३२. मा० श्री सोहनप्रसाद चौधरी |
| ३३. मा० श्री रंगनाथ जोशी | |

तत्पश्चात मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को अर्थ मन्त्रालय र वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकहरूमाथिको छलफलमा मा० सदस्यहरूले बोल्ने क्रम समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन १३ गते आइतवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - २४

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन १३ गते आइतवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:५० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसदका वर्तमान सदस्य मा० श्री डिल्लीराज शर्माको निधन भएकोमा निम्नलिखित शोक प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो :-

शोक प्रस्ताव

“व्यवस्थापिका-संसदको यो बैठक पर्वत जिल्ला, क्षेत्र नं. २ बाट व्यवस्थापिका-संसदमा नेपाली काँग्रेस पार्टीको तर्फबाट प्रतिनिधित्व गर्नुहुने वर्तमान मा० सदस्य श्री डिल्लीराज शर्माको कारागार सुधार समितिको अध्यक्षको हैसियतले जिल्ला कारागारको निरीक्षणको शिलशिलामा लमजुङ्गको बेसीशहरमा हृदयघात हुँदा मिति २०६४ साल साउन १३ गते विहान ५:३० बजे लमजुङ्गको जिल्ला अस्पतालमा उपचारका क्रममा असामयिक निधन हुन गएको खबरले हामी सबैलाई स्तब्ध तुल्याएको छ, उहाँको निधनप्रति यो व्यवस्थापिका-संसद गहिरो शोक प्रकट गर्दछ र यस शोकाकुल घडीमा उहाँको शोक-सन्तप्त परिवारप्रति समवेदना प्रकट गर्दछ ।”

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त शोक प्रस्तावलाई पारित गरिदिनु हुन अनुरोध गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात सभाले व्यवस्थापिका-संसदका वर्तमान सदस्य मा० श्री डिल्लीराज शर्माको दुःखद निधनमा शोक प्रकट गर्न उठेर १ मिनेट मौन धारण गर्‍यो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले आजलाई तोकिएको विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न शीर्षकहरुमाथि जारी रहने छलफल अर्न्तगत शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्रालय र परराष्ट्र मन्त्रालयको विभिन्न शीर्षकहरु माथि हुने छलफलको कार्यक्रम भोलिको लागि सारिएको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन १४ गते सोमवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - २५

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन १४ गते सोमवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:२० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ मा० श्री देवी खड्काले दोलखा जिल्लामा हिजो भएको भूडपका सम्बन्धमा र मा० श्री फटिकबहादुर थापाले साउन १२ गते दिनको १:०० बजे आएको पहिरोले सात जनाको मृत्यु भएको सम्बन्धमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

तदुपरान्त प्रारम्भ भएको शून्य समयमा चौध जना मा० सदस्यहरूले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना बनाईहरू राख्नुभयो ।

त्यसपछि प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो बनाई राख्दै हिजो दोलखामा भएको घटनाप्रति दुःख व्यक्त गर्नुका साथै उक्त घटनाले आठ दलको सहमतिमा अविश्वास पैदा गरेकोले तत्काल गृहमन्त्रीले सदनलाई जानकारी दिनुपर्ने सम्बन्धमा, सरकारका एक जना मन्त्रीबाट मुलुक टुक्रयाउन गोप्य बैठक गरिएको विषयमा सरकारको या प्रधानमन्त्रीको धारणा आउनु पर्ने सम्बन्धमा, सरकारको प्रतिनिधित्व गरी जिल्ला प्रमुखको रूपमा रहेका प्रमुख जिल्ला अधिकारीमाथि ने.क.पा. माओवादीका कार्यकर्ताले आक्रमण गरी कानून आफ्नो हातमा लिने कार्य गर्नु कानूनी शासनको उपहास गरेको सम्बन्धमा, सिंगो तराई क्षेत्र डुबानमा परेकोले ती क्षेत्रहरूमा आवश्यक राहत तत्काल उपलब्ध गराई जनतालाई राहत उपलब्ध गराईयोस् भन्ने सम्बन्धमा, संविधान सभाको निर्वाचन स्वतन्त्र र भयमुक्त वातावरणमा हुनुपर्नेमा कसैले कानून हातमा लिएर कुनै कुरा गर्न थाले भने त्यो दुर्भाग्यपूर्ण हुन जान्छ भन्ने सम्बन्धमा, मेची देखि महाकालीसम्मका जनता बाढी पहिरोमा परि ठूलो समस्यामा परेका र कतिपय ठाउँमा खानेपानीको अभाव सृजना भई जनता खानेपानीबाट वञ्चित रहेकोतर्फ सरकारको ध्यान जानुपर्ने सम्बन्धमा, मधुसुदन लुईटेललाई अपहरण गर्नुको कारण के हो उनलाई तुरुन्त रिहा गरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, बाढी पहिरोका कारण विभिन्न जिल्लामा महामारी फैलन सक्नेतर्फ सरकार सजक हुनुपर्ने लगायत अन्य विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

१. मा० श्री भिमबहादुर तामाङ्ग

२. मा० श्री रघुजी पन्त

३. मा० श्री सत्य पहाडी

४. मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे

५. मा० श्री हृदयेश त्रिपाठी

६. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा.

७. मा० श्री लीला न्याइच्याई

८. मा० श्री रोमीगौचन थकाली

९. मा० श्री पशुपति चौलागाई

१०. मा० श्री सुदर्शन बराल मगर

११. मा० श्री रामजनम चौधरी

१२. मा० श्री मल्ल के. सुन्दर

१३. मा० श्री शिवप्रसाद हुमागाई

१४. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह

१५. मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने

१६. मा० श्री रामकुमारी यादव

१७. मा० श्री लालबाबु पण्डित

१८. मा० श्री शान्ति पाख्रिन

तत्पश्चात मा० सभामुखले दोलखा जिल्लाको चरिकोटमा प्रमुख जिल्ला अधिकारी माथि हातपात भएको घटनाको विषयमा मा० सदस्यले गम्भीर ध्यानाकर्षण गराउनु भएको छ, तसर्थ यस तर्फ नेपाल सरकारले सत्य तथ्य सहितको जानकारी सदनलाई दिन निर्देश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले नेपाल सरकार र संयुक्त अरब इमिरेट्स सरकार बीच नेपाली जनशक्ति कामका लागि संयुक्त अरब इमिरेट्स पठाउने सम्बन्धमा भएको समझदारी पत्र र नेपाल सरकार र दक्षिण कोरिया सरकार बीच नेपाली कामदार रोजगार अनुमति प्रणाली अर्न्तगत दक्षिण कोरिया पठाउने सम्बन्धमा भएको समझदारी पत्र पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलको क्रममा शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्रालय र परराष्ट्र मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकहरूमाथिको छलफल प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|------------------------------------|------------------------------------|
| १. मा० श्री गोविन्दराज जोशी | २. मा० डा० मंगलसिद्धि मानन्धर |
| ३. मा० श्री बलावती शर्मा | ४. मा० श्री विमलेन्द्र निधि |
| ५. मा० श्री असर्फी सदा | ६. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे |
| ७. मा० श्री राजेन्द्रप्रकाश लोहनी | ८. मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ |
| ९. मा० श्री होमनाथ दाहाल | १०. मा० श्री सुनिल प्रजापति |
| ११. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | १२. मा० श्री सावित्री बोगटी (पाठक) |
| १३. मा० श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी | १४. मा० श्री सुरेशकुमार आले मगर |
| १५. मा० डा० प्रकाश शरण महत | १६. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) |
| १७. मा० श्री शिवराज जोशी (दैलेख) | १८. मा० श्री फटिकबहादुर थापा |
| १९. मा० श्री सावित्री गुरुङ्ग दुरा | |

यसैबीच मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले समय माग गर्नु भई हिजो दोलखाको चरिकोटमा घटेको घटनाका सम्बन्धमा जानकारी दिँदै हिजो १:३० बजेतिर दोलखामा चार पाँच सय जति ने.क.पा. माओवादीका कार्यकर्ताले जिल्ला प्रशासन कार्यलयमा आक्रमण गरी प्रमुख जिल्ला अधिकारीमाथि हातपात समेत गर्नुका साथै जिल्ला प्रशासन कार्यालय र प्रहरी चौकिमा समेत तोडफोड गरेपछि प्रहरीले वाध्य भई हवाई फायर गर्ने क्रममा केही प्रहरी र आन्दोलनकारी घाइते हुन पुगेका छन् र बत्तीस जना आन्दोलनकारीलाई हिरासतमा लिइएको छ, र यसै क्रममा विभिन्न किसिमका हातहतियार समेत रहेको दश वटा मोटरसाइकल, एउटा माइक्रोबस र एउटा मिनिबस समेत कब्जामा लिएको जानकारी गराउनु भयो । देशको शान्ति सुरक्षाको जिम्मा लिएको प्रमुख जिल्ला अधिकारीमाथि भएको उक्त हातपातको घटनाले जिल्लाको सुरक्षा स्थिती खलबलीन पुगेको छ भन्नुहुँदै यस प्रकारको घटनाले शान्ति सम्झौतालाई खलबल्याउन मद्दत पुऱ्याउने छ भन्नुभयो । साथै उहाँले कानून आफ्नो हातमा लिई शान्ति सम्झौता विपरित कार्य गर्ने जुनसुकै दलका भएपनि कानूनी कारवाही गर्न स्थानीय प्रशासनलाई स्पष्ट निर्देशन दिइसकेको कुराको जानकारी सदनलाई गराउनु भयो । तराई र अन्य क्षेत्रमा आएको बाढी पहिरो पिडितका लागि हालसम्म करिब तीन करोड रकम राहत स्वरुप उपलब्ध गराइ सकिएको समेत जानकारी दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलको क्रममा शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्रालय र परराष्ट्र मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकहरूमाथिको छलफल पुनः जारी रहेको जानकारी गराउनु भयो । यसैक्रममा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले छलफलमा भाग लिनुभयो :-

- | | |
|----------------------------------------|-----------------------------------|
| २०. मा० श्री मोहनबहादुर बस्नेत | २१. मा० श्री दुर्योधन सिंह |
| २२. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय | २३. मा० श्री हरि रोका |
| २४. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी | २५. मा० श्री बेदुराम भुषाल |
| २६. मा० श्री सिता वि.क. | २७. मा० श्री टंकप्रसाद राई |
| २८. मा० श्री काशी पौडेल | २९. मा० श्री कृष्णदेव सिंह दनुवार |
| ३०. मा० श्री गेहेन्द्र गिरी | ३१. मा० श्री लेखनाथ न्यौपाने |
| ३२. मा० श्री विजय सुब्बा | ३३. मा० श्री सूर्यनाथ प्रसाद यादव |
| ३४. मा० श्री दामोदर वस्ताकोटी | ३५. मा० श्री डम्बरसिं सम्बाहाम्फे |
| ३६. मा० श्री वीरबहादुर लामा | ३७. मा० श्री दिपकबहादुर गुरुङ्ग |
| ३८. मा० श्री भद्रबहादुर थापा | ३९. मा० श्री रंगनाथ जोशी |
| ४०. मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने | ४१. मा० श्री सुरेश मल्ल |
| ४२. मा० श्री शिवबहादुर देउजा | ४३. मा० श्री तीर्था गौतम |
| ४४. मा० श्री टुकराज सिग्देल | ४५. मा० श्री नरबहादुर हमाल |
| ४६. मा० श्री सुशिला नेपाल | |

तत्पश्चात मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्रालय र परराष्ट्र मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकहरूमाथिको छलफलमा मा० सदस्यहरूले बोल्ने क्रम समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन १५ गते मंगलवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - २६

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन १५ गते मंगलवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ केही मा० सदस्यहरूले पाँचथर जिल्लामा कार्यरत स्थानीय विकास अधिकारीको ज्यान मार्ने धम्की दिइएको सम्बन्धमा, बाढी पहिरो पिडितको लागि उचित राहत पुऱ्याइयोस् भन्ने सम्बन्धमा र डुबान क्षेत्रको वरिपरि आकाशमा हेलिकप्टर उडे पनि पिडित वर्गले राहत नपाएको लगायत अन्य विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

तदुपरान्त प्रारम्भ भएको शून्य समयमा चौध जना मा० सदस्यहरूले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना भनाईहरू राख्नुभयो ।

त्यसपछि प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै मुलुकका विभिन्न क्षेत्रमा कार्यरत कर्मचारीहरूको सुरक्षाको जिम्मेवारी सरकारले लिनुपर्ने सम्बन्धमा, मानव अधिकार आयोगमा रिक्त रहेका पदाधिकारीहरूको नियुक्ति यथाशीघ्र गरिनुपर्ने सम्बन्धमा, हालै दोलखा जिल्लामा घटित घटनाको वास्तविकता नबुझी सतही रूपमा गृहमन्त्रीले जानकारी गराएको सम्बन्धमा, ने.क.पा. माओवादी भातृ संगठनका कार्यकर्ताहरूलाई लगाइएको भुठाना मुद्दा फिर्ता लिनुपर्ने सम्बन्धमा, जनक शिक्षा सामाग्री र साभ्ना प्रकाशनलाई निजीकरण नगरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, बाढी पहिरो पिडितहरूलाई छुट्याइएको पाँच करोड रकम अपुग भएको सम्बन्धमा, वाइ.सी.एल.को अराजक गतिविधि सम्बन्धित पार्टीका वरिष्ठ नेताहरूले नियन्त्रण गर्नुपर्ने सम्बन्धमा, मुगु जिल्लामा धनलक्ष्मी सुनारको बलात्कार पछि हत्या गर्ने प्रहरीमाथि कारवाही गर्नुपर्ने सम्बन्धमा, समयमा संविधान सभाको निर्वाचन हुन नसकेमा त्यसको सम्पूर्ण दोष आठ राजनैतिक पार्टीहरूलाई नै आउने सम्बन्धमा, गौर र कपिलवस्तु जिल्लामा नरसंहार गर्ने समूहलाई स-सम्मान वार्तामा बोलाइएको सम्बन्धमा र पाँचथर जिल्लामा खुल्ला प्रतियोगिताद्वारा कर्मचारी नियुक्त गर्दा आफ्नो पक्षको व्यक्ति नपरेको भनी स्थानीय विकास अधिकारीलाई धम्क्याएको र निजको वासस्थान तोडफोड गरेको लगायत अन्य विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

- | | |
|---------------------------------|-----------------------------------|
| १. मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी | २. मा० श्री तारासम यङ्ग्या |
| ३. मा० श्री हितबहादुर तामाङ्ग | ४. मा० श्री मोहनबहादुर बस्नेत |
| ५. मा० श्री जग्यबहादुर शाही | ६. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. |
| ७. मा० श्री मोतीदेवी चौधरी | ८. मा० श्री गोपालप्रसाद कोइराला |
| ९. मा० श्री चन्द्रबहादुर शाही | १०. मा० श्री शालिकराम जम्कट्टेल |
| ११. मा० श्री टंकप्रसाद राई | १२. मा० श्री हरिहर दाहाल |
| १३. मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ | १४. मा० श्री डम्बरसिं सम्बाहाम्फे |
| १५. मा० श्री चन्द्रमणि खराल | |

तत्पश्चात मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलको क्रममा सूचना तथा सञ्चार मन्त्रालय र शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकहरूमाथिको छलफल प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-------------------------------|------------------------------|
| १. मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी | २. मा० श्री रघुजी पन्त |
| ३. मा० श्री तिलक परियार | ४. मा० श्री चिरञ्जिवी वाग्ले |
| ५. मा० श्री असर्फी सदा | ६. मा० श्री लीला न्याइच्याई |
| ७. मा० श्री डिलाराम आचार्य | ८. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| ९. मा० श्री रामबहादुर विष्ट | १०. मा० डा० वंशीधर मिश्र |
| ११. मा० श्री कमला रोका | १२. मा० श्री होमनाथ दाहाल |

- | | |
|-------------------------------------|-------------------------------------------|
| १३. मा० श्री सुनिल प्रजापति | १४. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली |
| १५. मा० श्री सावित्री बोगटी (पाठक) | १६. मा० श्री शिवराज जोशी (दौलेख) |
| १७. मा० श्री शिवबहादुर देउजा | १८. मा० श्री शोभा कट्टेल |
| १९. मा० श्री भरतकुमार शाह | २०. मा० श्री रामबहादुर गुरुङ्ग |
| २१. मा० श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे | २२. मा० श्री रुपा वि.क. |
| २३. मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कंडेल | २४. मा० श्री रिजवान अन्सारी |
| २५. मा० श्री मञ्जु बम | २६. मा० श्री तीर्था गौतम |
| २७. मा० श्री काशी पौडेल | २८. मा० श्री मल्ल के. सुन्दर |
| २९. मा० श्री शान्ति पाख्रिन | ३०. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ |
| ३१. मा० श्री नरबहादुर हमाल | ३२. मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने |
| ३३. मा० श्री गोरखबहादुर बोगटी | ३४. मा० श्री यज्ञराज पाठक |
| ३५. मा० श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी | ३६. मा० श्री विजय सुब्बा |
| ३७. मा० श्री वीरबहादुर लामा | ३८. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय |
| ३९. मा० श्री भद्रबहादुर थापा | |

तत्पश्चात मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को सूचना तथा सञ्चार मन्त्रालय र शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा मा० सदस्यहरुले बोल्ने क्रम समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न मन्त्रालय अन्तर्गतका शीर्षकहरुमाथि छलफल गर्न यही २०६४ साल साउन १५ गतेसम्मको दिनहरु तोकिएकोमा प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय, रक्षा मन्त्रालय र राष्ट्रिय योजना आयोगको सचिवालयको विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलको क्रम बाँकी नै रहेकोले उक्त छलफलका लागि र विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न मन्त्रालयहरु संग सम्बन्धित शीर्षकहरुमाथिको छलफलको क्रममा उठेका प्रश्नहरुको सम्बन्धित मन्त्रीले जवाफ दिनको लागी २०६४ साल साउन १६, १७, १८, १९ र २० गतेका दिनहरु तोकिएको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन १६ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - २७

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन १६ गते बुधवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:५५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ केही मा० सदस्यहरूले वेपत्ता नागरिकको नाम सार्वजनिक गर्नुपर्ने, बाढी पहिरो तथा डुवान क्षेत्रमा पर्याप्त राहत पुऱ्याउनु पर्ने, दोलखाको घटनामा गिरफ्तार हुनेहरूलाई रिहा गर्ने सहमति भएपनि प्र.जि.अ.ले नमानेको सम्बन्धमा र अन्य विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

तदुपरान्त प्रारम्भ भएको शून्य समयमा बाह्र जना मा० सदस्यहरूले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना भनाईहरू राख्नुभयो ।

त्यसपछि प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै तराईमा सरकारको उपस्थिति नदेखिएको सम्बन्धमा, बाढी पहिरो तथा डुवान क्षेत्रका वासिन्दा राहत र उद्धारको पर्खाईमा रहेको सम्बन्धमा, वारा जिल्ला वरियारपुरका समाजसेवीको हत्या भएको सम्बन्धमा, संसदमै उपस्थित शक्तिले मुलुकमा अस्थिरता उत्पन्न गराई चुनाव हुन नदिने वातावरण बनाएको सम्बन्धमा, नेपाली नागरिक महाविर पुनले रोमन म्यागसेसे पुरस्कार पाएको सम्बन्धमा, काठमाडौंको जनसंख्या वृद्धिको कारण खानेपानी, ढलनिकास को समस्या लगायत सामाजिक अपराध बढ्दै गैरहेको सम्बन्धमा, तराईका विद्रोही समूहले संविधानसभाको वातावरण खल्बलाउन सहयोग पुऱ्याएको लगायत अन्य विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

- | | |
|-----------------------------------|-----------------------------|
| १. मा० श्री सितादेवी यादव | २. मा० श्री रंगनाथ जोशी |
| ३. मा० श्री विनोदकुमार उपाध्याय | ४. मा० श्री रामजनम चौधरी |
| ५. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा. | ६. मा० श्री लीला न्याइच्याई |
| ७. मा० श्री जनकराज गिरी | ८. मा० श्री रामचरण चौधरी |
| ९. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी | |

तत्पश्चात मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलको क्रममा प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय, रक्षा मन्त्रालय र राष्ट्रिय योजना आयोगको सचिवालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकहरूमाथिको छलफल प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------------|-----------------------------------|
| १. मा० श्री हृदयराम थानी | २. मा० डा० मंगलसिद्धि मानन्धर |
| ३. मा० श्री कुमार फुदुङ्ग | ४. मा० डा० मिनेन्द्र रिजाल |
| ५. मा० श्री लीलामणि पोखरेल | ६. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे |
| ७. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. | ८. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| ९. मा० श्री परी थापा | १०. मा० श्री रामबहादुर विष्ट |
| ११. मा० श्री डिल्लीराज खनाल | १२. मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ |
| १३. मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे | १४. मा० श्री रोमीगौचन थकाली |
| १५. मा० श्री सुदर्शन बराल मगर | १६. मा० श्री यज्ञराज पाठक |
| १७. मा० श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे | १८. मा० श्री टंक आडबुहाङ्ग लिम्बु |
| १९. मा० श्री जनकराज गिरी | २०. मा० श्री गंगाप्रसाद नेपाल |
| २१. मा० श्री उमा भुजेल | २२. मा० श्री दामोदर वस्ताकोटी |
| २३. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा) | २४. मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे |
| २५. मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल | २६. मा० श्री सोहनप्रसाद चौधरी |
| २७. मा० श्री शिवकुमार मण्डल | २८. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय |
| २९. मा० श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी | ३०. मा० श्री टुकराज सिग्देल |
| ३१. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) | ३२. मा० श्री नरबहादुर हमाल |

तत्पश्चात मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय, रक्षा मन्त्रालय र राष्ट्रिय योजना आयोगको सचिवालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा मा० सदस्यहरुले बोल्ने क्रम समाप्त भएको साथै विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित शीर्षकहरुमाथि मा० सदस्यहरुले बोल्ने क्रम पनि समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन १७ गते विहिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - २८

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन १७ गते विहिवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ११:२५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ केही मा० सदस्यहरूले विरामीको उपचार नभएको वाहानामा चिकित्सकलाई धम्क्याएको सम्बन्धमा, बाढी पहिरो र डुबान पिडित जिल्लाहरूमा आवश्यक स्वास्थ्य सेवा, राहत र क्षतिपूर्तिको व्यवस्था तत्काल गरियोस् भन्ने सम्बन्धमा र अन्य विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

तदुपरान्त कृषि तथा सहकारी समितिका मा० सदस्य श्री दिलिप महर्जनले “विरुवा संरक्षण विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिने कार्यक्रम प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० सामान्य प्रशासन राज्यमन्त्री श्री रामचन्द्र यादवले सामान्य प्रशासन मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त उक्त जवाफको सम्बन्धमा कुनैपनि मा० सदस्यहरूले स्पष्टीकरण माग गर्न नचाहनु भएकोले मा० सभामुखले सामान्य प्रशासन मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिने क्रममा मा० जलस्रोत राज्यमन्त्री श्री ज्ञानेन्द्रबहादुर कार्कीले जलस्रोत मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले स्पष्टीकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|-------------------------------|---------------------------------|
| १. मा० श्री हरि आचार्य | २. मा० श्री चन्द्रमणि खराल |
| ३. मा० श्री रिजवान अन्सारी | ४. मा० श्री गोरखबहादुर बोगटी |
| ५. मा० श्री नरबहादुर हमाल | ६. मा० श्री गम्बहादुर श्रीश मगर |
| ७. मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे | ८. मा० श्री टुकुराज सिग्देल |
| ९. मा० श्री टंकप्रसाद राई | |

तदुपरान्त मा० जलस्रोत राज्यमन्त्री श्री ज्ञानेन्द्रबहादुर कार्कीले उक्त स्पष्टीकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले जलस्रोत मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिने क्रममा मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले श्रम तथा यातायात व्यवस्था मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले स्पष्टीकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|-------------------------------|----------------------------------------|
| १. मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे | २. मा० श्री जग्यबहादुर शाही |
| ३. मा० श्री ललितकुमार बस्नेत | ४. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा) |

तदुपरान्त मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले श्रम तथा यातायात व्यवस्था मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिने क्रममा मा० स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्री श्री गिरिराजमणि पोखरेलले स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

१. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा)
२. मा० श्री मंगल विश्वकर्मा
३. मा० श्री श्रीमाया थकाली

तदुपरान्त मा० स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्री श्री गिरिराजमणि पोखरेलले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिने क्रममा मा० महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण मन्त्री श्री खड्गबहादुर विश्वकर्माले महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

१. मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य
२. मा० श्री लीला न्याइच्याई

तदुपरान्त मा० महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण मन्त्री श्री खड्गबहादुर विश्वकर्माले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिने क्रममा मा० भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्री श्री हिसिला यमीले भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

१. मा० श्री तारासम यङ्ग्या
२. मा० श्री जग्यबहादुर शाही
३. मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी
४. मा० श्री नरबहादुर हमाल
५. मा० श्री लीला न्याइच्याई
६. मा० श्री टुकराज सिग्देल
७. मा० श्री यज्ञराज पाठक
८. मा० श्री सुशिला स्वाँर
९. मा० श्री गोरखबहादुर बोगटी
१०. मा० श्री शिवराज जोशी (दैलेख)

तदुपरान्त मा० भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्री श्री हिसिला यमीले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन १८ गते शुक्रवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
दोस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - २९, ३० र ३१
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन १८ गते शुक्रवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:४० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सँस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले नेपालको राष्ट्रिय गानको धुन (सि.डि.) सदन समक्ष प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले उक्त नेपालको राष्ट्रिय गानको धुन (सि.डि.) आजै दिनको ५:०० बजे व्यवस्थापिका-संसद सचिवालयको सम्मेलन कक्ष (कोठा नं. ४११) मा सार्वजनिक गराइने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले उच्चस्तरीय जाँचबुझ आयोगको प्रतिवेदन, २०६३ भाग-१ (तथ्य संकलन), भाग-२ (तथ्य विश्लेषण, राय ठहर सुझाव) र भाग-३ (अनुसूची) सहितको प्रतिवेदन पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त प्रतिवेदन मा० सदस्यहरु र सञ्चारकर्मीहरुको अध्ययनका लागि व्यवस्थापिका-संसद सचिवालयको पुस्तकालयमा राखिने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात प्रशासन सुधार अनुगमन समितिका मा० सदस्य श्री लेखनाथ न्यौपानेले “निजामति सेवा (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्रीको तर्फबाट मा० भूमिसुधार तथा व्यवस्था मन्त्री श्री जगतबहादुर बोगटीले “भवन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्रीको तर्फबाट मा० भूमिसुधार तथा व्यवस्था मन्त्री श्री जगतबहादुर बोगटीले “भवन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिने कार्यक्रम प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० भूमिसुधार तथा व्यवस्था मन्त्री श्री जगतबहादुर बोगटीले भूमिसुधार तथा व्यवस्था मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|------------------------------|-----------------------------|
| १. मा० श्री तारासम यङ्ग्या | २. मा० श्री हरि आचार्य |
| ३. मा० श्री सुभाष कर्माचार्य | ४. मा० श्री लीला न्याइच्याई |
| ५. मा० श्री टुकराज सिग्देल | |

तदुपरान्त मा० भूमिसुधार तथा व्यवस्था मन्त्री श्री जगतबहादुर बोगटीले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले भूमिसुधार तथा व्यवस्था मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले आजको कार्यसूचीमा मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्रीले जवाफ दिनुहुने निर्धारित कार्यक्रम रहेकोमा विशेष कारणवश मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्रीले जवाफ दिनुहुने र मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्रीले जवाफ दिनुहुने निर्धारित कार्यक्रममा मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्रीले जवाफ दिनुहुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिने क्रममा मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालले शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|--------------------------------|---------------------------------------|
| १. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) | २. मा० श्री गोविन्दराज जोशी |
| ३. मा० श्री हरि रोका | ४. मा० श्री दुर्योधन सिंह |
| ५. मा० श्री टुकराज सिग्देल | ६. मा० श्री बेदुराम भुषाल |
| ७. मा० श्री सुनिल प्रजापति | ८. मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने |
| ९. मा० श्री वलावती शर्मा | १०. मा० श्री सुरेश मल्ल |
| ११. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | १२. मा० श्री भद्रबहादुर थापा |

तदुपरान्त मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिने क्रममा मा० वन तथा भू-संरक्षण मन्त्रीको तर्फबाट मा० स्थानीय विकास मन्त्री श्री देवप्रसाद गुरुङ्गले वन तथा भू-संरक्षण मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|----------------------------|-----------------------------|
| १. मा० श्री तारासम यङ्ग्या | २. मा० श्री भद्रबहादुर थापा |
|----------------------------|-----------------------------|

तदुपरान्त मा० वन तथा भू-संरक्षण मन्त्रीको तर्फबाट मा० स्थानीय विकास मन्त्री श्री देवप्रसाद गुरुङ्गले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले वन तथा भू-संरक्षण मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिने क्रममा मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|-----------------------------|---------------------------------|
| १. मा० श्री भद्रबहादुर थापा | २. मा० श्री नारायणप्रसाद रेग्मी |
|-----------------------------|---------------------------------|

तदुपरान्त मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिने क्रममा मा० उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्री श्री राजेन्द्र महतोले उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|------------------------------|------------------------|
| १. मा० श्री भद्रबहादुर थापा | २. मा० श्री हरि आचार्य |
| ३. मा० श्री गोरखबहादुर बोगटी | |

तदुपरान्त मा० उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्री श्री राजेन्द्र महतोले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिने क्रममा मा० स्थानीय विकास मन्त्री श्री देवप्रसाद गुरुङ्गले स्थानीय विकास मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|------------------------------|-----------------------------|
| १. मा० श्री गोरखबहादुर बोगटी | २. मा० श्री हरिहर दाहाल |
| ३. मा० श्री हरि आचार्य | ४. मा० श्री भद्रबहादुर थापा |

तदुपरान्त मा० स्थानीय विकास मन्त्री श्री देवप्रसाद गुरुङ्गले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले स्थानीय विकास मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिने क्रममा मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्री श्री छविलाल विश्वकर्मा कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|----------------------------|------------------------|
| १. मा० श्री तारासम यङ्ग्या | २. मा० श्री हरि आचार्य |
| ३. मा० श्री टुकराज सिग्देल | |

तदुपरान्त मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्री श्री छविलाल विश्वकर्मा कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक आजै साँझ ५:३० बजेसम्मका लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ५:४५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री ईन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय सम्बन्धी विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री ईन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय सम्बन्धी विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सामान्य प्रशासन राज्यमन्त्री श्री रामचन्द्र यादवले “प्रशासन सुधार अनुगमन समितिको प्रतिवेदन सहितको निजामति सेवा (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले प्रशासन सुधार अनुगमन समितिको प्रतिवेदन सहितको “निजामति सेवा (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-----------------------------|----------------------------------|
| १. मा० श्री खिमलाल देवकोटा | २. मा० श्री डिलाराम आचार्य |
| ३. मा० श्री जग्यबहादुर शाही | ४. मा० श्री भरतकुमार शाह |
| ५. मा० श्री सुरेश मल्ल | ६. मा० श्री परशुराम मेघी गुरुङ्ग |

तत्पश्चात मा० सामान्य प्रशासन राज्यमन्त्री श्री रामचन्द्र यादवले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “निजामति सेवा (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा प्रशासन सुधार अनुगमन समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ५१ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले प्रशासन सुधार अनुगमन समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ५१ सम्म उल्लेखित संशोधनहरू “निजामति सेवा (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “निजामति सेवा (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा २ देखि ६७ सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “निजामति सेवा (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सामान्य प्रशासन राज्यमन्त्री श्री रामचन्द्र यादवले “निजामति सेवा (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक आजै १५ मिनेटको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको तेस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ७:१५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री ईन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय सम्बन्धी विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय सम्बन्धी विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त छलफलमा मा० श्री हरिहर दाहालले भाग लिनुभयो ।

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री ईन्द्रबहादुर गुरुङ्गले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री ईन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय सम्बन्धी विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न मन्त्रालय अन्तर्गतका शिर्षकहरूमाथि छलफल गर्न र विनियोजन विधेयक, २०६४ को विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित शिर्षकहरूमाथिको छलफलको क्रममा उठेका प्रश्नहरूको सम्बन्धित मन्त्रीले जवाफ दिनको लागि २०६४ साल साउन २० गतेसम्मका दिनहरू तोकेकोमा विशेष कारणवश छलफलको क्रममा उठेका प्रश्नहरूको सम्बन्धित मन्त्रीले जवाफ दिनको लागि २०६४ साल साउन २३ र २४ गतेका दिनहरू तोकेको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन २३ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ३२ र ३३

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन २३ गते बुधवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:४० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ केही मा० सदस्यहरूले व्यवस्थापिका-संसदका बहालवाला सदस्यलाई व्यवस्थापिका-संसदकै सदस्यले अपहरण गरेको भनी सरकारका मन्त्रीले अभिव्यक्ति दिएको सम्बन्धमा र अन्य विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले अपहरणमा पर्नु भएको भनिएको व्यवस्थापिका-संसदका मा० सदस्य श्री आनन्दीदेवी सिंह अपहरणमा पर्नु भएको कुरा निराधार भएको र हाल उहाँ घरमा सुरक्षित रहनु भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले आजको दैनिक कार्यसूचीमा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध समितिका मा० सदस्य श्री दीनानाथ शर्माले “राष्ट्रिय पञ्जा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३”, “राष्ट्रिय ललितकला पञ्जा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३” र “राष्ट्रिय सङ्गीत तथा नाट्य पञ्जा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३” तथा श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समितिका मा० सदस्य श्री लक्ष्मीदास मानन्धरले “वैदेशिक रोजगार विधेयक, २०६३” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयकहरू पेश गर्ने कार्यक्रम रहेकोमा विशेष कारणवश उक्त कार्यक्रमहरू आजको कार्यसूचीबाट हटाइएको व्यहोरा मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त वातावरण सञ्चार तथा प्रविधि समितिका मा० सदस्य श्री बलबहादुर राईले “श्रमजीवी पत्रकार सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय सम्बन्धी विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्रीको तर्फबाट मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “कृषि तथा सहकारी समितिको प्रतिवेदन सहितको बिरुवा संरक्षण विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले कृषि तथा सहकारी समितिको प्रतिवेदन सहितको “बिरुवा संरक्षण विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरू तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरूमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा बोल्नको लागि कुनैपनि मा० सदस्यको नाम प्राप्त नभएकोले मा० सभामुखले “बिरुवा संरक्षण विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा कृषि तथा सहकारी समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि १७ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले कृषि तथा सहकारी समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि १७ सम्म उल्लेखित संशोधनहरू “बिरुवा संरक्षण विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “बिरुवा संरक्षण विधेयक, २०६४” को दफा २ देखि ३३ सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “बिरुवा संरक्षण विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्रीको तर्फबाट मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “बिरुवा संरक्षण विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिने कार्यक्रम प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले गृह मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|-------------------------------|-----------------------------------|
| १. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की | २. मा० श्री सुनिल प्रजापति |
| ३. मा० श्री शीला यादव | ४. मा० श्री सावित्री गुरुङ्ग दुरा |
| ५. मा० डा० वंशीधर मिश्र | |

तदुपरान्त मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले गृह मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिने क्रममा मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा मा० श्री खिमलाल देवकोटाले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिने क्रममा मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले अर्थ मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा मा० श्री डिल्लीराज खनालले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले अर्थ मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिने क्रममा मा० वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्री श्री महन्थ ठाकुरले वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|-----------------------------|----------------------------|
| १. मा० श्री लीला न्याइच्याई | २. मा० श्री भक्तबहादुर शाह |
|-----------------------------|----------------------------|

तदुपरान्त मा० वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्री श्री महन्थ ठाकुरले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरुमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिने क्रममा मा० परराष्ट्र मन्त्रीले जवाफ दिने कार्यक्रम रहेकोमा उहाँ अस्वस्थ हुनु भई जवाफ दिन असमर्थ हुनु भएकोले परराष्ट्र मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिन २०६४ साल साउन २४ गतेको दिन तोकेको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिने क्रममा मा० सूचना तथा सञ्चार मन्त्री श्री कृष्णबहादुर महाराले सूचना तथा सञ्चार मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|----------------------------|--------------------------|
| १. मा० श्री रघुजी पन्त | २. मा० श्री होमनाथ दाहाल |
| ३. मा० श्री रिजवान अन्सारी | ४. मा० श्री भरतकुमार शाह |

तदुपरान्त मा० सूचना तथा सञ्चार मन्त्री श्री कृष्णबहादुर महाराले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले सूचना तथा सञ्चार मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक एक घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ४:५५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सूचना तथा सञ्चार मन्त्री श्री कृष्णबहादुर महाराले “वातावरण, सञ्चार तथा प्रविधि समितिको प्रतिवेदन सहितको श्रमजीवी पत्रकार सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले वातावरण, सञ्चार तथा प्रविधि समितिको प्रतिवेदन सहितको “श्रमजीवी पत्रकार सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरू तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरूमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-------------------------|------------------------|
| १. मा० श्री हरिहर दाहाल | २. मा० श्री रघुजी पन्त |
|-------------------------|------------------------|

तत्पश्चात मा० सूचना तथा सञ्चार मन्त्री श्री कृष्णबहादुर महाराले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “श्रमजीवी पत्रकार सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा वातावरण, सञ्चार तथा प्रविधि समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ९ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले वातावरण, सञ्चार तथा प्रविधि समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ९ सम्म उल्लेखित संशोधनहरू “श्रमजीवी पत्रकार सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “श्रमजीवी पत्रकार सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा २ देखि १६ सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “श्रमजीवी पत्रकार सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सूचना तथा सञ्चार मन्त्री श्री कृष्णबहादुर महाराले “श्रमजीवी पत्रकार सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन २४ गते विहिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
दोस्रो अधिवेशन
बैठक संख्या - ३४, ३५ र ३६
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन २४ गते विहिवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:१० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ केही मा० सदस्यहरूले वाई.सि.एल.को गतिविधिका सम्बन्धमा, तराईमा हत्या, हिंसा जारी रहेको सम्बन्धमा, आदिवासी जनजातिसंग भएको सम्झौता लागु गर्ने सम्बन्धमा र अन्य विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले २०६४ साल साउन २२ गते ललितपुरको गोदावरीमा सरकारी वार्ता टोली र नेपाल आदिवासी जनजाति महासंघ तथा आदिवासी जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति, नेपालका प्रतिनिधिहरू बीच भएको लिखित सहमतिको छायाँ प्रति प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध समितिका मा० सदस्य श्री दीनानाथ शर्माले “राष्ट्रिय प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३”, “राष्ट्रिय ललितकला प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३” र “राष्ट्रिय सङ्गीत तथा नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयकहरू पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समितिका मा० सदस्य श्री लक्ष्मीदास मानन्धरले “वैदेशिक रोजगार विधेयक, २०६३” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि अर्थ समितिका मा० सदस्य श्री भरतमोहन अधिकारीको तर्फबाट सोही समितिका मा० सदस्य श्री विनयध्वज चन्दले “भन्सार विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “सम्पत्ति सुद्विकरण (मनी लाउन्डरिङ्ग) निवारण विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “सम्पत्ति सुद्विकरण (मनी लाउन्डरिङ्ग) निवारण विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्री श्री हिसिला यमीले “भवन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “भवन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले बोल्न नचाहनु भएकोले मा० भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्री श्री हिसिला यमीले “भवन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिने कार्यक्रम प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० परराष्ट्र मन्त्रीको तर्फबाट मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालले परराष्ट्र मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

१. मा० श्री दिपकबहादुर गुरुङ्ग
२. मा० श्री कमला पन्त आचार्य

तदुपरान्त मा० परराष्ट्र मन्त्रीको तर्फबाट मा० शिक्षा तथा खेलकूद मन्त्री श्री प्रदीप नेपालले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले परराष्ट्र मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिने क्रममा मा० शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि उक्त जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|------------------------------|-------------------------------|
| १. मा० श्री रिजवान अन्सारी | २. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ |
| ३. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | ४. मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी |
| ५. मा० श्री चिरन्जीवी वाग्ले | |

तदुपरान्त मा० शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्रालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक आजै दिनको ३:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ३:३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम विनियोजन विधेयक, २०६४ अन्तर्गत विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरूमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिने क्रममा मा० प्रधानमन्त्रीको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपषिद्को कार्यालय, रक्षा मन्त्रालय र राष्ट्रिय योजना आयोगको सचिवालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदनन्तर बैठक आजै दिनको ५:३० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको तेस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ५:४० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ केही मा० सदस्यहरूले नुवाकोटको प्रहरीचौकीबाट माओवादीका कार्यकर्ताले हतियार लुटेर लगेको सम्बन्धमा र अन्य विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

त्यसपछि प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपषिद्को कार्यालय, रक्षा मन्त्रालय र राष्ट्रिय योजना आयोगको सचिवालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको जवाफको सम्बन्धमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले स्पष्टिकरण माग गर्नुभयो :-

- | | |
|--------------------------------|--------------------------------|
| १. मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ | २. मा० श्री उमा भुजेल |
| ३. मा० श्री लीलामणि पोखरेल | ४. मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल |
| ५. मा० श्री सोहनप्रसाद चौधरी | ६. मा० श्री कुमार फुदुङ्ग |

तदुपरान्त मा० प्रधानमन्त्रीको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले उक्त स्पष्टिकरणको सम्बन्धमा स्पष्ट पार्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपषिद्को कार्यालय, रक्षा मन्त्रालय र राष्ट्रिय योजना आयोगको सचिवालय सम्बन्धी विनियोजन शीर्षकमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो । साथै “विनियोजन विधेयक, २०६४” माथिको विभिन्न शीर्षकमाथिको दफावार छलफल पनि समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि नेकपा माओवादीका मा० श्री दिनानाथ शर्माले नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/६५ को बजेट नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ बमोजिम सहमतिय प्रणालीबाट नल्याइएको, यो बजेटले शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारीको ग्यारेन्टी गर्न नसकेको, भ्रष्टाचारीको सम्पत्ति राष्ट्रियकरण नगरेको, अस्तित्व नरहेको राजालाई बजेट विनियोजन गरिएको, सशस्त्र द्वन्दमा मारिएका परिवार र घाइतेको उचित प्रबन्ध गर्न नसकेको, राष्ट्रलाई निजीकरण गर्न खोजेको, बेपत्ता परिवारको स्थिति सार्वजनिक नगरेको, किसानलाई राहत दिने खालका योजना नआएको र समग्रमा बजेट यथास्थितिवादी भएकोले हाम्रो दलले यो बजेट पारित गर्ने प्रकृत्यामा “मत दिन्न” भन्ने पक्षमा रहेको जानकारी गराउँदै सदनबाट बाहिर जान्छौं भन्नुभयो र बाहिर जाने क्रममा उहाँहरूले विभिन्न किसिमका नारा लगाउनु भयो ।

त्यसपछि मा० श्री लिलामणि पोखरेलले आठदलको सहमतिमा बजेट निर्माण नभएको, नेपाली कांग्रेसभित्र मात्र छलफल गरेर बजेट ल्याएको, जनआन्दोलनको भावना विपरित बजेट बनेको, राजाको सम्पत्ति राष्ट्रियकरण नगरी उल्टो राष्ट्रले बजेट छुट्याएको कारणले हाम्रो दल जनमोर्चा नेपाल यो बजेट पारित गर्ने प्रकृत्यामा “मत दिन्न” भन्ने पक्षमा रहेको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात् मा० श्री नन्दकुमार प्रसाईले यो बजेट अर्धसामन्ति प्रकारको भएको, विपन्न नागरिक एवं मजदुरलाई बजेटले सम्बोधन नगरेको, साना दललाई बजेट तयार गर्दा समावेश नगराएको र समग्रमा बजेट एकपक्षिय रूपमा आएकोले हाम्रो दल सयुक्त वाममोर्चा, नेपाल यो बजेट पारित गर्ने प्रकृत्यामा “मत दिन्न” भन्ने पक्षमा रहेको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त मा० सुनिल प्रजापतिले नेपालको अन्तरिम संविधान बमोजिम सहमतिको आधारमा बजेट नल्याएको, मजदुर किसानको हित प्रतिकूलको बजेट भएको, प्रतिगमनका मतियारलाई बजेट छुट्याएको, जनतालाई रोजगारी दिने निकाय निजिकरण गर्न लागेकोले गर्दा प्रतिपक्षको रूपमा हाम्रो दल नेपाल मजदुर किसान पार्टीले यो बजेटको विपक्षमा अर्थात् “हुन्न” भन्ने पक्षमा मतदान गर्दछ भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “विनियोजन विधेयक, २०६४” को दफा २ देखि ४ सम्म र सो सँग सम्बन्धित अनुसूची १ र २ विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा ने.क.पा. माओवादी, जनमोर्चा नेपाल र संयुक्त वाममोर्चा, नेपालका मा० सदस्यहरुले “मत दिन्न” भन्ने पक्षमा आ-आफ्नो दलको तर्फबाट वक्तव्य दिनुभएको र ने.म.कि.पा. का मा० सदस्यले वक्तव्य दिनुभई “हुन्न” भन्ने पक्षमा मत प्रकट गर्नु भएकोले उपस्थित मा० सदस्यहरुको बहुमत भएकोले “विनियोजन विधेयक, २०६४” को दफा २ देखि ४ सम्म र सो सँग सम्बन्धित अनुसूची १ र २ बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “विनियोजन विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा ने.क.पा. माओवादी, जनमोर्चा नेपाल र संयुक्त वाममोर्चा, नेपालका मा० सदस्यहरुले “मत दिन्न” भन्ने पक्षमा आ-आफ्नो दलको तर्फबाट वक्तव्य दिनुभएको र ने.म.कि.पा. का मा० सदस्यले वक्तव्य दिनुभई “हुन्न” भन्ने पक्षमा मत प्रकट गर्नु भएकोले उपस्थित मा० सदस्यहरुको बहुमत भएकोले “विनियोजन विधेयक, २०६४” को प्रस्तावना र नाम बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० अर्थ डा० रामशरण महतले “विनियोजन विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा ने.क.पा. माओवादी, जनमोर्चा नेपाल र संयुक्त वाममोर्चा, नेपालका मा० सदस्यहरुले “मत दिन्न” भन्ने पक्षमा आ-आफ्नो दलको तर्फबाट वक्तव्य दिनुभएको र ने.म.कि.पा. का मा० सदस्यले वक्तव्य दिनुभई “हुन्न” भन्ने पक्षमा मत प्रकट गर्नु भएकोले उपस्थित मा० सदस्यहरुको बहुमत भएकोले “विनियोजन विधेयक, २०६४” बहुमतबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन २७ गते आइतवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ३७

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन २७ गते आइतवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ केही मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै वेपत्ता पारिएका नागरिकहरूको सम्बन्धमा उच्चस्तरीय व्यवस्थापिका-संसदीय छानविन समिति गठन गरीयोस् भन्ने सम्बन्धमा, मानव अधिकार आयोग र महिला आयोगका पदाधिकारी नियुक्ति गरिनु पर्ने सम्बन्धमा, आठ दल बीचको आरोप प्रत्यारोपले संविधान सभाको निर्वाचन विथोलिन सक्ने सम्बन्धमा, मधेश पहाड बीच साम्प्रदायिक सद्भाव खलबल्याउने तत्वदेखि सावधान रहनु पर्ने सम्बन्धमा, साना किसानहरूको ऋण मिनाहा गर्ने कार्यक्रम ल्याउनु पर्ने सम्बन्धमा, स्वर्गीय श्री हेमनारायण यादवकी धर्मपत्नी एवं व्यवस्थापिका-संसद सदस्य श्री पारोदेवी यादवको घरमा खानतलाशी गरिएको सम्बन्धमा, दलित नेताहरूको शान्तिपूर्ण आन्दोलनमा प्रहरी हस्तक्षेप भएको सम्बन्धमा, साल्ट ट्रेडिङ्ग लिमिटेडका कार्यकारी प्रमुखलाई हटाइएको सम्बन्धमा, विभिन्न पक्षबाट आएका जायज मागलाई सम्बोधन गरी अनावश्यक माग राख्ने पक्षलाई दण्डित गर्ने व्यवस्था हुनुपर्ने सम्बन्धमा, कर्णालीका जनता बाँच्न पाउने अधिकारबाट वञ्चित भैरहेको सम्बन्धमा र अन्य विविध विषयका सम्बन्धमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयबाट प्राप्त निम्नलिखित पत्र पढेर सुनाउनु भयो :-

माननीय वन तथा भू-संरक्षण मन्त्री मातृकाप्रसाद यादवले आफ्नो पदबाट दिनुभएको राजीनामा सम्माननीय प्रधानमन्त्रीले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३८ को उपधारा (८) को खण्ड (क) बमोजिम स्वीकृत गर्नुभई रिक्त हुनआएको वन तथा भू-संरक्षण मन्त्रालयको कार्यभार माननीय स्थानीय विकास मन्त्री श्री देवप्रसाद गुरुङ्गले सम्हाल्ने गरी तोक्नुभएको व्यहोरा जानकारीको लागि अनुरोध गर्दछु ।

मिति :- २०६४/०४/२५

(डा० भोजराज घिमिरे)

मुख्य सचिव

तदुपरान्त राज्य व्यवस्था समितिका मा० सदस्य श्री आमोदप्रसाद उपाध्यायले “विभूषण विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध समितिका मा० सदस्य श्री झलनाथ खनालले “गैर आवासिय नेपाली सम्बन्धी विधेयक, २०६३” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “आर्थिक विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “आर्थिक विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिनु भएन तसर्थ मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “आर्थिक विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “राष्ट्र ऋण उठाउने विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “राष्ट्र ऋण उठाउने विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिनु भएन तसर्थ मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “राष्ट्र ऋण उठाउने विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई

मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “सम्पत्ति सुद्विकरण (मनी लाउन्डरिङ्ग) निवारण विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “सम्पत्ति सुद्विकरण (मनी लाउन्डरिङ्ग) निवारण विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा मा० श्री हरिहर दाहालले भाग लिनुभयो ।

तत्पश्चात मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले उक्त छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “सम्पत्ति सुद्विकरण (मनी लाउन्डरिङ्ग) निवारण विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “अर्थ समितिको प्रतिवेदन सहितको भन्सार विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त अर्थ समितिको प्रतिवेदन सहितको “भन्सार विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरू तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरूमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

१. मा० श्री विनोदकुमार उपाध्याय

२. मा० श्री सुनिल प्रजापति

तत्पश्चात मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “भन्सार विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा अर्थ समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि १० सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले अर्थ समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि १० सम्म उल्लेखित संशोधनहरू “भन्सार विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “भन्सार विधेयक, २०६४” को दफा २ देखि ९४ सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “भन्सार विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “भन्सार विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात मा० सँस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले “अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको राष्ट्रिय प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको “राष्ट्रिय प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरू तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरूमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

१. मा० श्री बेदुराम भुषाल

२. मा० श्री सुनिल प्रजापति

३. मा० श्री हरिहर दाहाल

४. मा० श्री सावित्री गुरुङ्ग दुरा

तत्पश्चात मा० सँस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले छलफलमा उठेका

क्रमसंख्या १ देखि २२ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि २२ सम्म उल्लेखित संशोधनहरू “राष्ट्रिय सङ्गीत तथा नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “राष्ट्रिय सङ्गीत तथा नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३” को दफा २ देखि ३१ सम्म र सोसँग सम्बन्धित अनुसूची विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “नेपाल सङ्गीत तथा नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले “नेपाल सङ्गीत तथा नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको वैदेशिक रोजगार विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको “वैदेशिक रोजगार विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरू तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरूमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|----------------------------------------|--------------------------------|
| १. मा० श्री सुनिल प्रजापति | २. मा० श्री गणेश शाह |
| ३. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा) | ४. मा० श्री नारायणप्रसाद दाहाल |

तत्पश्चात मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “वैदेशिक रोजगार विधेयक, २०६३” का सम्बन्धमा श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ५२ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ५२ सम्म उल्लेखित संशोधनहरू “वैदेशिक रोजगार विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “वैदेशिक रोजगार विधेयक, २०६३” को दफा २ देखि ७४ सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “वैदेशिक रोजगार विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “वैदेशिक रोजगार विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन २८ गते सोमवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ३८

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन २८ गते सोमवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:४० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ केही मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै वेपत्ता पारिएका नागरिक सार्वजनिक गरिनुपर्ने सम्बन्धमा, न्यून वैतनिक करारमा कार्यरत कर्मचारलाई हटाउने काम भएको सम्बन्धमा, माओवादीका नेताहरूले द्वैध चरित्र त्याग्नु पर्ने सम्बन्धमा, अन्नपूर्ण पोष्टसंग सम्बन्धित श्रमजिवी मजदुरहरूलाई मुद्धा लगाइएको र अन्य विभिन्न ठाउँका ४० जना मजदुरहरूलाई गिरफ्तार गरिएको सम्बन्धमा, आठदल विच थुप्रै समझदारी भएपनि लागु हुन नसकेको सम्बन्धमा, व्यवस्थापिका-संसदका सदस्यहरू अझै मुद्धाखेपन वाध्य भैरहेको सम्बन्धमा र अन्य विविध विषयका सम्बन्धमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

त्यसपछि प्रारम्भ भएको सून्य समयमा दुई जना मा० सदस्यहरूले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो ।

तत्पश्चात् विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आफ्नो भनाई राख्दै सरकारले हरेक कदम चाल्दा आठ दल र मन्त्रिपरिषद्को सहमति अनुरूप चलेको सम्बन्धमा, न्यून मुल्यमा लुम्बिनी चिनी कारखाना विक्रि गरिन लागेको सम्बन्धमा, वेपत्ता नागरिकको सम्बन्धमा उच्चस्तरीय अधिकार सम्पन्न आयोग गठन गरिनुपर्ने सम्बन्धमा, भुठा मुद्धा लगाइएका विधायकहरूको मुद्धा खारेज गरिनुपर्ने सम्बन्धमा, तनहुँका ठाउँठाउँमा माओवादी कार्यकर्ताले अराजकता र वितण्डा मच्चाइरहेका छन् भन्ने सम्बन्धमा, धनुषामा आएको बाढीले धेरै जनधनको क्षति गरेको सम्बन्धमा, दलितहरूको शान्तिपूर्ण धर्ना कार्यक्रममा प्रहरी हस्तक्षेप भएको सम्बन्धमा, आठदल बीचको दुरी दिनानुदिन बढ्दै गएको विषयमा सजग हुनुपर्ने सम्बन्धमा, आठ दलको स्वेच्छाचारिताले पृथकतावादी र प्रतिक्रियावादीलाई सजिलो बनाइरहेको सम्बन्धमा, सरकारमा सम्मिलित विभिन्न दलका मा० मन्त्री र सांसदहरूले दोष जति सरकारको नेतृत्व गर्ने प्रधानमन्त्री माथि थोपर्ने परिपाटिको अन्त्य हुनुपर्ने र संविधान सभाको निर्वाचनमा जान आठ दल बीच एकता कायम गरी अगाडि बढ्नु पर्ने सम्बन्धमा र अन्य विविध विषयका सम्बन्धमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो :-

- | | |
|----------------------------------|--------------------------------|
| १. मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगाना | २. मा० श्री चन्द्रमणि खराल |
| ३. मा० श्री पूर्णकुमारी सुवेदी | ४. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ |
| ५. मा० श्री गोविन्दराज जोशी | ६. मा० श्री नारायणप्रसाद दाहाल |
| ७. मा० श्री स्मृतिनारायण चौधरी | ८. मा० श्री पद्मलाल विश्वकर्मा |
| ९. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | १०. मा० श्री सुनिल प्रजापति |
| ११. मा० श्री सावित्री गुरुङ दुरा | |

त्यसपछि मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसदको विगत केही दिनदेखिको बैठकमा र आजको बैठकमा पनि वेपत्ता नागरिक र व्यवस्थापिका संसद सदस्यको घरमा खानतलासी लिएको विषयमा कुरा उठिरहेकोले त्यसतर्फ नेपाल सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

तदुपरान्त राज्य व्यवस्था समितिका मा० सदस्य श्री आमोदप्रसाद उपाध्यायले “कारागार (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० परराष्ट्र मन्त्री श्री सहाना प्रधानले “अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको गैर आवासिय नेपाली सम्बन्धी विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको “गैर आवासिय नेपाली सम्बन्धी विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|--------------------------------|-------------------------------|
| १. मा० श्री सुनिल प्रजापति | २. मा० श्री हरिहर दाहाल |
| ३. मा० श्री दिपकबहादुर गुरुङ्ग | ४. मा० श्री गोविन्दबहादुर शाह |

तत्पश्चात मा० परराष्ट्र मन्त्री श्री सहाना प्रधानले छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “गैर आवासिय नेपाली सम्बन्धी विधेयक, २०६३” का सम्बन्धमा अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि १८ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि १८ सम्म उल्लेखित संशोधनहरु “गैर आवासिय नेपाली सम्बन्धी विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “गैर आवासिय नेपाली सम्बन्धी विधेयक, २०६३” को दफा २ देखि १७ सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “गैर आवासिय नेपाली सम्बन्धी विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० परराष्ट्र मन्त्री श्री सहाना प्रधानले “गैर आवासिय नेपाली सम्बन्धी विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन २९ गते मंगलवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ३९

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन २९ गते मंगलवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ९:५० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ नेकपा माओवादीका मा० सदस्य श्री जनार्दन शर्माले वेपत्ता पारिएका नागरिकहरूको सम्बन्धमा छानविन गरि सार्वजनिक गर्न अधिकार सम्पन्न आयोग गठन नगरिएको, संविधानसभाको निर्वाचन गराउन दलहरू सम्वेदनशील रूपमा नलागेको, साम्प्रदायिक नारा लिएर हिंडनेहरूलाई कारवाही नगरेको र जनतालाई सरकारले अझैपनि अन्यौलमै राख्ने वातावरण बनाइरहेकोले आजको बैठक वहिस्कार गर्दछौं भन्दै नेकपा माओवादीका सम्पूर्ण मा० सदस्यहरूले विभिन्न किसिमका नारा लगाउँदै सदनबाट बाहिर निस्कनु भयो ।

त्यसपछि केही मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै के कारणले गर्दा व्यवस्थापिका-संसदको एउटा प्रमुख दलले बैठक वहिष्कार गरेको हो सो विषयमा सरकार गम्भिर हुनुपर्ने सम्बन्धमा, आठ राजनैतिक दलहरू जिल्ला जिल्लामा तत्काल गएर निर्वाचनको वातावरण बनाउनुपर्ने र जनतालाई संविधान सभा निर्वाचनको सम्बन्धमा आश्वस्त बनाउनु पर्ने विषयमा, हाल देखिएका तराई, चुरेभावर, आदिवासी-जनजाति, दलित आदिका समस्याहरूलाई उचित तवरबाट सम्बोधन गर्न आठदलको केन्द्रीय स्तरका नेताहरू वसेर एउटा ठोस निष्कर्षमा पुगनुपर्ने सम्बन्धमा, ने.वि.संघका कार्यकर्ताले भक्तपुर जिल्लामा संचालित परिक्षाका परिक्षार्थीहरूबाट प्रश्नपत्रहरू खोसी जलाएर वितण्डा मच्चाएको सम्बन्धमा, महोत्तरीमा विभिन्न समुदायहरू एकआपसमा लुटपाटमा उत्रेर अस्थिरता उत्पन्न गराइरहेको सम्बन्धमा, वाई सि.एल.ले गोर्खा भर्तिकेन्द्र बन्द गर्न चेतावनी दिएको सम्बन्धमा, धेरै नेपाली जनताको रगत, पसिना र वलिदानले प्रतिस्थापित गरेको यो सदन असमझदारीमा चलन नहुने सम्बन्धमा, हालको अस्थिरता, अन्यौल र हिंसाजन्य कृत्याकलापले प्रतिगमनका शक्तिहरूलाई मौका मिलिरहेको सम्बन्धमा, विगतमा गरिएका सहमति र समझदारीहरूलाई बेल्सैमा लागु नगर्नाले हाल यो अवस्था सृजना भएको सम्बन्धमा अन्य विविध विषयका सम्बन्धमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

तत्पश्चात मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको विभूषण विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले आजको कार्यसूचीको (क) मा रहेको छलफल कार्यक्रम र (ख) (ग) र (घ) मा रहेको कार्यक्रमहरू विशेष कारणले आजको कार्यसूचीबाट हटाइएको व्यहोरा मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन ३१ गते विहिवार दिनको ९:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ४०

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन ३१ गते विहिवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १:४५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले व्यवस्थापिका-संसद सदस्य मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेयमाथि ने.क.पा. माओवादीका भातृ संगठनबाट भएको क्रुर, पाशविक, अमानवीय र नृसंश आक्रमणले व्यवस्थापिका-संसदको यो बैठक स्तब्ध भएको छ भन्नुभयो । साथै सो कार्यको भर्त्सना गर्दै ती आक्रमणकारी माथि कडा भन्दा कडा कारवाही गर्न सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो । यसै सन्दर्भमा मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेयले हिजो आफूमाथि ने.क.पा. माओवादीका भातृ संगठनका केही उच्छृंखल व्यक्तिहरूले आफ्नो शरीरमा पेट्रोल खन्याई आगो लगाउने कार्य गरेको, आफ्नो गाडीमा तोडफोड र आगो लगाई क्षति पुऱ्याएको सम्बन्धमा र अन्य घटनाको विस्तृत विवरण सदनलाई जानकारी गराउनु भयो । उक्त घटनाका दोषीहरूलाई सरकारबाट हालसम्म के कस्ता कारवाहीहरू गरियो सो सम्बन्धमा मा० गृहमन्त्रीले सदनलाई जानकारी दिनुपर्ने भनी विभिन्न मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो बनाइ राख्नुभयो । यसै सन्दर्भमा मा० श्री जनार्दन शर्माले मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेयमाथि भएको हमलाको सम्बन्धमा खेद व्यक्त गर्दै घटनाको छानविन गरी आफ्नो पार्टीका कार्यकर्ता संलग्न देखिएमा सख्त कारवाही गरिने दृढता व्यक्त गर्नुभयो । यस घटनामा विभिन्न घुसपैठ हुनसक्ने तर्फ सरकारको ध्यानाकर्षण गर्दै यस्ता घटनाहरूका सम्बन्धमा सबै राजनैतिक पार्टीहरू सचेत रहनुपर्दछ भन्नुभयो ।

त्यस्तै पत्रकारहरूमाथि भएको दमन रोक्नु पर्ने सम्बन्धमा, संविधान सभा निर्वाचन समयमा हुनुपर्छ भन्ने विषयमा भारतीय राजदुतले सचेत गराइरहेको सम्बन्धमा, तराईलाई बाढी पहिरो र डुबानले पुनः आक्रान्त पारेको सम्बन्धमा र अन्य विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

- | | |
|----------------------------------|----------------------------------|
| १. मा० श्री परशुराम मेधी गुरुङ्ग | २. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय |
| ३. मा० श्री पूर्णबहादुर खड्का | ४. मा० श्री रामकुमार चौधरी |
| ५. मा० श्री जनार्दन शर्मा | ६. मा० श्री प्रदीप ज्ञवाली |
| ७. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | ८. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| ९. मा० श्री नारायणमान विजुकछे | १०. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) |
| ११. मा० श्री डिलाराम आचार्य | १२. मा० श्री रिजवान अन्सारी |
| १३. मा० श्री शालिकराम जम्कट्टेल | १४. मा० श्री रामनाथ अधिकारी |
| १५. मा० श्री लालबाबु पण्डित | १६. मा० श्री लीलामणि पोखरेल |
| १७. मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे | १८. मा० श्री कृष्णकुमारी श्रेष्ठ |
| १९. मा० श्री हितकाजी गुरुङ्ग | २०. मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे |
| २१. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा | २२. मा० डा० गंगाधर लम्साल |
| २३. मा० श्री रोमी गौचन थकाली | |

त्यसपछि मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले समय माग गर्दै सदनमा उठेका विभिन्न सवालको विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण भएको छ, हिजो मा० सदस्य श्री सोमप्रसाद पाण्डेय माथि भएको सांघातिक आक्रमणको सरकारको तर्फबाट निन्दा गर्दछु, उक्त घटनामा संलग्न अपराधी जोसुकै भएपनि कडा कारवाही गरिने प्रतिवद्धता व्यक्त गर्दछु, यस घटनाका सम्बन्धमा सुनिल थापा भन्ने व्यक्तिलाई पक्राउ गरि अनुसन्धान भैरहेको छ, देशलाई आतङ्कित पार्न घटेको यस्तो घटना दोहोरिन नदिन सरकार प्रतिवद्ध रहेको र बन्द आह्वानकर्तालाई पनि त्रासको वातावरण नबनाउन आग्रह गर्दछु भन्नुभयो । साथै थापाथली र भक्तपुरमा ने.वि.संघ माथि अखिल क्रान्तिकारीबाट भएको आक्रमण, पुतलीसडकमा कम्ब्याट ड्रेस सहितका व्यक्तिले मर्च्याएको आतङ्कबाट ९८ दिन बाँकी रहेको संविधान

सभाको निर्वाचनको लागि वातावरण विग्रन सक्ने हुनाले नेपालको सर्वाङ्गिक विकास र स्वतन्त्र, निष्पक्ष र धाँधली रहित तवरले संविधान सभाको निर्वाचन सम्पन्न गर्न हामी सबैको साझा दायित्व हो भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “अन्तर्राष्ट्रिय श्रम संगठनको बलयुक्त श्रमको उन्मूलन सम्बन्धी महासन्धी, १९५७ माथि सामान्य छलफल गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात प्रारम्भ भएको उक्त महासन्धी माथिको सामान्य छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिनु भएन तसर्थ मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “अन्तर्राष्ट्रिय श्रम संगठनको बलयुक्त श्रमको उन्मूलन सम्बन्धी महासन्धी, १९५७ माथि सामान्य छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “अन्तर्राष्ट्रिय श्रम संगठनको बलयुक्त श्रमको उन्मूलन सम्बन्धी महासन्धी, १९५७ लाई अनुमोदन गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट अनुमोदन भयो ।

तत्पश्चात मा० भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्री श्री हिसिला यमीले “भवन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाइयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले आर्थिक विधेयक, २०६४ माथि छलफल गर्न आज साउन ३१ गतेको दिन तोकिएको व्यहोरा जानकारी गराउँदै छलफल गर्दा व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम १५१ को उप-नियम (४) बमोजिम नेपाल सरकारको जवाफदेही भित्रको प्रशासनिक कार्य, स्थानीय समस्या वा नेपाल सरकारको मौद्रिक एवं आर्थिक नीतिसँग सम्बन्धित विषयहरुमाथि मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात प्रारम्भ भएको उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिनु भएन तसर्थ मा० सभामुखले “आर्थिक विधेयक, २०६४” को दफा २ देखि ३७ सम्म र सोसँग सम्बन्धित अनुसूची १ देखि ६ सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “आर्थिक विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० अर्थमन्त्रीको तर्फबाट मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “आर्थिक विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदुपरान्त मा० अर्थमन्त्रीको तर्फबाट मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “राष्ट्र ऋण उठाउने विधेयक, २०६४ माथि दफावार छलफल सदनमा गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त “राष्ट्र ऋण उठाउने विधेयक, २०६४ माथिको दफावार छलफल प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त प्रारम्भ भएको उक्त विधेयकमाथिको दफावार छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिनु भएन तसर्थ मा० सभामुखले “राष्ट्र ऋण उठाउने विधेयक, २०६४” को दफा २ विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “राष्ट्र ऋण उठाउने विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० अर्थमन्त्रीको तर्फबाट मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “राष्ट्र ऋण उठाउने विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले मिति २०६४ साल साउन २९ गते “राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको विभूषण विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको “विभूषण विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिनु भएन तसर्थ मा० सभामुखले “विभूषण विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ६ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ६ सम्म उल्लेखित संशोधनहरु “विभूषण विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “विभूषण विधेयक, २०६४” को दफा २ देखि २९ सम्म र सोसँग सम्बन्धित अनुसूची विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “विभूषण विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “विभूषण विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको कारागार (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको “कारागार (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिनु भएन तसर्थ मा० सभामुखले “कारागार (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” का सम्बन्धमा राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ५ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ५ सम्म उल्लेखित संशोधनहरु “कारागार (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “कारागार (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” को दफा २ देखि ४ सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “कारागार (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “कारागार (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल साउन ३२ गते शुक्रवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ४१ र ४२

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल साउन ३२ गते शुक्रवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:४५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै काठमाडौं शहरमा फोहोरको समस्या पुनः उत्पन्न भएको सम्बन्धमा, आदिवासी जनजातीहरूसँगको सम्झौता बमोजिम ILO महासन्धि १६९ अनुमोदन गर्न आवश्यक भएको सम्बन्धमा, निश्चित समयमा मन्त्रीपरिषद् र आठ दलको बैठक बस्न नसकेको सम्बन्धमा, मा० सभामुखबाट भएका रलिङ्गहरू सम्बन्धित पक्षबाट कार्यान्वयन हुनुपर्ने सम्बन्धमा, जन आन्दोलनमा अग्रणी भूमिका खेल्ने प्रेस र सञ्चार माध्यममाथि कुदृष्टि राख्न नहुने सम्बन्धमा, रोनाष्टलाई प्रभावकारी बनाउनु पर्ने सम्बन्धमा, उच्च विचार र आदर्श रहेको माओवादी पार्टीलाई सानातिना घटनालाई लिएर दोष दिन नहुने सम्बन्धमा, देशले दीर्घकालीन र अल्पकालीन नीति बनाउन नसक्दा संविधान सभाको निर्वाचन अन्त्योत्तरमा परेको सम्बन्धमा, व्यवस्थापिका-संसदका मा० सदस्य श्री सोमप्रसाद पाण्डेय माथिको आक्रमणको छानविन गर्न संसदीय समिति गठन गर्नुपर्ने सम्बन्धमा, संविधान सभा निर्वाचनको आधारभूत मागहरू पूरा नगरेमा निर्वाचनमा भाग लिन पुनः विचार गरिने सम्बन्धमा, माओवादीको द्वैध चरित्रले समानान्तर सरकारको आभाष गराइरहेको सम्बन्धमा, तराईमा मधेशी पहाडीको साम्प्रदायिक मुठभेडका कारण नागरिकहरू काठमाडौंमा विस्थापित हुन आईरहेका सम्बन्धमा, तराईको डुबान र मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेयमाथि भएको आक्रमण भारतीय विस्तारवादको कारण भएको आशंका रहेको सम्बन्धमा र अन्य विविध विषयका सम्बन्धमा सरकारको ध्यानाकर्षण गर्नुभयो ।

- | | |
|-------------------------------------------|-------------------------------|
| १. मा० श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे | २. मा० श्री रोमी गौचन थकाली |
| ३. मा० श्री वामदेव क्षेत्री | ४. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह |
| ५. मा० श्री उर्वादत्त पन्त | ६. मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी |
| ७. मा० श्री पूर्णसिंह राजवंशी | ८. मा० श्री लीला न्याइच्याई |
| ९. मा० श्री दामा शर्मा | १०. मा० श्री सरला रेग्मी |
| ११. मा० श्री प्रकाश ज्वाला | १२. मा० श्री नरबहादुर हमाल |
| १३. मा० श्री पदमलाल विश्वकर्मा | १४. मा० श्री केशरमान रोका |
| १५. मा० श्री अक्कलबहादुर विष्ट | १६. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| १७. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली | १८. मा० श्री असर्फी सदा |
| १९. मा० श्री कमला रोका | २०. मा० श्री सुनिल प्रजापति |

त्यसपछि कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिका मा० सदस्य श्री दामोदर वस्ताकोटीले “विशेष अदालत (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” र “संविधान सभा अदालत विधेयक, २०६३” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक आजै ३:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ३:४० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम वातावरण, सञ्चार तथा प्रविधि समितिका मा० सदस्य श्री बलबहादुर राईले “नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले “सम्पत्ति सुद्विकरण (मनी लाउन्डरिङ्ग) निवारण विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाइयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको विशेष अदालत (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको “विशेष अदालत (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिनु भएन तसर्थ मा० सभामुखले “विशेष अदालत (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ४ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ४ सम्म उल्लेखित संशोधनहरु “विशेष अदालत (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “विशेष अदालत (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा २ देखि ५ सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “विशेष अदालत (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “विशेष अदालत (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको संविधान सभा अदालत विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको “संविधान सभा अदालत विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा मा० श्री अमृता थापाले भाग लिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “संविधान सभा अदालत विधेयक, २०६३” का सम्बन्धमा कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ६ सम्म र सोसँग सम्बन्धित अनुसूचीमा उल्लेखित संशोधनहरुलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ६ सम्म र सोसँग सम्बन्धित अनुसूचीमा उल्लेखित संशोधनहरु “संविधान सभा अदालत विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “संविधान सभा अदालत विधेयक, २०६३” को दफा २ देखि १९ सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “संविधान सभा अदालत विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “संविधान सभा अदालत विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल भदौ २ गते आइतवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ४३ र ४४

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल भदौ २ गते आइतवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:४५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै संविधान सभाको निर्वाचनको बारेमा ठोस निर्णय गरेर मात्र सदन अन्त्य गरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, तोकिएको मितिमा समावेशी र समानुपातिकताको आधारमा संविधान सभाको निर्वाचन गरिनु पर्ने भन्ने सम्बन्धमा, राष्ट्रिय अनुसन्धान विभागका कर्मचारीहरूले आफूलाई तोकेको कार्यक्षेत्र नाघी राजनैतिक व्यक्तिहरूको चियोचर्चा गर्ने गरेको सम्बन्धमा, संयुक्त वाममोर्चा, नेपालको तर्फबाट आधिकारीक अध्यक्षलाई आठ दलको बैठकमा प्रतिनिधित्व गराउनु पर्नेमा संयुक्त वाममोर्चा, नेपालको विधान विपरीत प्रतिनिधित्व गराइएकोले हाम्रो दलका अर्का सदस्यले आफ्नो भनाइ राखिसकेपछि आजको सदन बहिष्कार गर्ने जानकारी दिएको सम्बन्धमा, मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय माथि भएको आक्रमण संसदीय व्यवस्थाप्रतिको आक्रमण हो भनी सबैले बुझ्नु पर्छ भन्ने सम्बन्धमा, मानिसको रोग पत्ता नलगाई जथाभावी औषधी वितरण गर्ने गरिएको भन्ने सम्बन्धमा समिति गठन गरी विरामी र डाक्टरहरूसँग राय सल्लाह लिई सो समस्या समाधान गरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, चितवनको भण्डारा लगायत विभिन्न गा.वि.स.हरूमा बाढीको प्रकोपले ठूलो क्षति पुऱ्याएकोले त्यसतर्फ उचित राहत उपलब्ध गराइयोस् भन्ने सम्बन्धमा, कैलाली, धनगढी र बैतडी लगायत अन्य क्षेत्रका जनता बाढी पहिरोमा परेकाले उनीहरूलाई आवश्यक राहतको व्यवस्था गरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण आयोगले कुनै दलसँग सल्लाह र परामर्श नगरी एकतर्फी रूपमा क्षेत्र निर्धारण गरिरहेको छ भन्ने सम्बन्धमा, वेपत्ता पारिएका नागरिकहरू सार्वजनिक गरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, सबै क्षेत्रका विद्यार्थी, शिक्षक र आम नागरिकहरूलाई गणतन्त्र कस्तो किसिमको चाहिने हो भन्ने सम्बन्धमा प्रचार प्रसार गरी बुझाउनु पर्दछ भन्ने सम्बन्धमा, मधेश र पहाडको साम्प्रदायिक दंगामा सरकारको नेतृत्व गर्ने दल नै संलग्न रहेको भन्ने सम्बन्धमा, देह व्यापारमा लाग्ने बाढी जातीलाई वैकल्पिक रोजगारको व्यवस्था गरी देह व्यापार नियन्त्रण गर्नेतर्फ ध्यान दिइयोस् भन्ने सम्बन्धमा, अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्ड विपरित भारत सरकारले निर्माण गरेको लक्ष्मणपुर, खुर्दलोटेन र महाकाली नदीको बाँधका कारण देशका विभिन्न भाग डुबानमा परेकोले सोको निराकरणका लागि दीर्घकालीन सोचाई राखी उक्त समस्याको समाधान गरियोस् भन्ने सम्बन्धमा, जनमुक्ति सेनाको सम्बन्धमा अर्थमन्त्रीको अभिव्यक्तिले गम्भिर ध्यानाकर्षण गराएको सम्बन्धमा र अन्य विविध विषयका सम्बन्धमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

- | | |
|---------------------------------|---------------------------------|
| १. मा० श्री दिलेन्द्रप्रसाद बडु | २. मा० श्री रघुजी पन्त |
| ३. मा० श्री अमृता थापा | ४. मा० श्री महेन्द्र यादव |
| ५. मा० श्री कमानसिंह लामा | ६. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| ७. मा० श्री मोहनबहादुर बस्नेत | ८. मा० श्री गोपालप्रसाद कोइराला |
| ९. मा० श्री वीरबहादुर लामा | १०. मा० श्री हरि रोका |
| ११. मा० श्री असर्फी सदा | १२. मा० श्री गणेश शाह |

यसैबीच संयुक्त वाममोर्चा, नेपालको तर्फबाट आधिकारीक अध्यक्षलाई आठ दलको बैठकमा प्रतिनिधित्व गराउनु पर्नेमा संयुक्त वाममोर्चा, नेपालको विधान विपरीत प्रतिनिधित्व गराइएकोले आजको सदन बहिष्कार गर्दछौं भन्दै मा० श्री गणेश शाहले आफ्नो भनाई राखेपछि वहाँ र मा० श्री नन्दकुमार प्रसाईले विभिन्न किसिमका नारा लगाउँदै सदनबाट बाहिर निस्कनु भयो ।

- | | |
|------------------------------------|-----------------------------|
| १३. मा० श्री रामकुमार चौधरी | १४. मा० श्री शोभा कट्टेल |
| १५. मा० श्री सावित्री बोगटी (पाठक) | १६. मा० श्री रिजवान अन्सारी |
| १७. मा० श्री लीला न्याइच्याई | १८. मा० श्री नन्दसिंह साकी |
| १९. मा० श्री भरतप्रसाद शाह | २०. मा० श्री तिलक परियार |
| २१. मा० श्री टीका बुढाथोकी | |

त्यसपछि कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिका मा० सदस्य श्री दामोदर वस्ताकोटीको तर्फबाट सोही समितिका मा० सदस्य श्री अमृता थापाले “व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय सम्बन्धी विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात भौतिक पूर्वाधार तथा विकास समितिका मा० सदस्य श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारीले “भवन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “वातावरण, सञ्चार तथा प्रविधि समितिको प्रतिवेदन सहितको नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त वातावरण, सञ्चार तथा प्रविधि समितिको प्रतिवेदन सहितको “नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिनु भएन तसर्थ मा० सभामुखले “नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” का सम्बन्धमा वातावरण, सञ्चार तथा प्रविधि समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि २ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले वातावरण, सञ्चार तथा प्रविधि समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि २ सम्म उल्लेखित संशोधनहरु “नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” को दफा २ देखि १० सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक आजै २:४५ बजे आधा घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ४:२० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयबाट प्राप्त निम्नलिखित पत्र पढेर सुनाउनु भयो ।

नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३८ बमोजिम सम्माननीय प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाले मौजुदा मन्त्रिपरिषद्मा आज सम्बत् २०६४ साल भाद्र २ गते रोज १ का दिन श्री शशि श्रेष्ठलाई राज्यमन्त्री पदमा नियुक्ति गरी स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयको कार्यभार सम्हाल्ने गरी तोक्नुभएको व्यहोरा जानकारीको लागि अनुरोध गर्दछु ।

मिति :- २०६४/५/२

(डा० भोजराज घिमिरे)
मुख्य सचिव

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय सम्बन्धी विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको “व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय सम्बन्धी विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा मा० श्री सुनिल प्रजापतिले भाग लिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले छलफलमा उठेका प्रश्नको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय सम्बन्धी विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ४७ सम्म उल्लेखित संशोधनहरुलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ६ सम्म उल्लेखित संशोधनहरु “व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय सम्बन्धी विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय सम्बन्धी विधेयक, २०६४” को दफा २ देखि १०८ सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय सम्बन्धी विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय सम्बन्धी विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात मा० भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्री श्री हिसिला यमीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “भौतिक पूर्वाधार तथा विकास समितिको प्रतिवेदन सहितको भवन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त भौतिक पूर्वाधार तथा विकास समितिको प्रतिवेदन सहितको “भवन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिनु भएन तसर्थ मा० सभामुखले “भवन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा भौतिक पूर्वाधार तथा विकास समितिको प्रतिवेदनमा उल्लेखित संशोधनलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले भौतिक पूर्वाधार तथा विकास समितिको प्रतिवेदनमा उल्लेखित संशोधन “भवन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “भवन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” को दफा २ देखि १५ सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “भवन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्री श्री हिसिला यमीले “भवन (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल भदौ ४ गते मंगलवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ४५

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल भदौ ४ गते मंगलवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्बाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १२:५५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै पाल्पाबाट गुल्मीतर्फ जाँदै गरेको यात्रुवाहक बस दुर्घटनामा परी २५ जनाको मृत्यु भएको र ४० जनाभन्दा बढी घाइते भएकोमा मृतकहरूप्रति हार्दिक समवेदना र घाइतेहरूको शीघ्र स्वास्थ्य लाभको कामनाका साथै घाइतेहरूको उपचारका लागि सरकारले सबदो सहयोग उपलब्ध गराओस् भन्ने सम्बन्धमा, संविधान सभा निर्वाचनको विषयलाई लिएर व्यवस्थापिका-संसद सदस्य बीच आरोप प्रत्यारोप चलिरहेको सम्बन्धमा, ने.क.पा. माओवादी पार्टीको हिजोको विज्ञप्तीले संविधान सभा निर्वाचन हुन नसक्नेतर्फ आशंका पैदा गरेको सम्बन्धमा, जनतालाई तर्साउने काम कुनै पार्टीले गर्न नहुने सम्बन्धमा, सबै राजनैतिक दलमा इमान्दारिताको खाँचो रहनुका साथै आठ दलका नेताहरू गम्भिर र संवेदनशील हुनुपर्ने सम्बन्धमा, निर्वाचन आयोगले संविधान सभा निर्वाचनको कार्यक्रम प्रकाशित गरेको अवस्थामा र विदेशीहरूले नयाँ नेपाल निर्माण गर्ने नेपालीहरूको चाहनाप्रति समर्थन गरिरहेको समयमा अकस्मात् ने.क.पा. माओवादीको २०६४ साल भदौ ३ गतेको विज्ञप्तीले आफुलाई संविधान सभाको हिमायती ठान्ने ने.क.पा. माओवादी दलले बच्चा जन्माउने तर सो बच्चालाई श्वास फेर्न र पौष्टिक खाना खुवाई हुर्काउनु पर्नेमा सो अनुरूपको आचरण नगरी संविधान सभाको निर्वाचन विथोलिनेतर्फ सजग रही तोकिएको समयमा निर्वाचन सम्पन्न गर्नेतर्फ अगाडि बढ्न र हिजो प्रकाशित विज्ञप्ती फिर्ता लिई ब्यालेट मार्फत राजतन्त्रको अन्त्य गर्ने कार्यमा सहयोग पुऱ्याउन आग्रह गरिएको सम्बन्धमा, सामन्तवादको समुल नष्ट गर्ने हो भने उनीहरूको नाममा रहेका जग्गा जमिन किसानलाई उपलब्ध गराउनु पर्ने सम्बन्धमा, रायमाझी आयोगका दोषीलाई सरकारबाट कारवाही नगरिएकोले जन कारवाही गर्ने भनिएको सम्बन्धमा, वेपत्ता पारिएका नागरिकहरू कहाँ र कुन अवस्थामा रहेका छन् सोको विवरण सार्वजनिक नगरेसम्म संविधान सभाको निर्वाचन हुन नसक्ने भन्ने सम्बन्धमा, मा० गृहमन्त्रीबाट हिजो व्यक्त गरिएको माओवादीबाट अपवादको रूपमा छुटपुट घटना भएको भन्ने सम्बन्धमा अपवाद शब्दको बारेमा मा० गृहमन्त्रीले आफ्नो धारणा प्रस्तुत गर्नुपर्ने सम्बन्धमा, मधेश र पहाडमा भएको आन्दोलनलाई सही ढंगले सम्बोधन नगरी किस्ताबन्दी रूपमा सरकारले समस्या हल गर्न खोजिरहेको सम्बन्धमा, राष्ट्रिय अनुसन्धान विभागको हालको काम कारवाहीले विभिन्न आशंका पैदा गराएको सम्बन्धमा, नयाँ नेपाल बनाउने सन्दर्भमा आठ दलले खाका तयार गरोस् भन्ने सम्बन्धमा र अन्य विविध विषयका सम्बन्धमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

- | | |
|----------------------------------|---------------------------------|
| १. मा० श्री वामदेव क्षेत्री | २. मा० श्री मोहनबहादुर बस्नेत |
| ३. मा० श्री भीमबहादुर तामाङ्ग | ४. मा० श्री श्रीमाया थकाली |
| ५. मा० श्री डिलाराम आचार्य | ६. मा० श्री असर्फी सदा |
| ७. मा० श्री हरिभक्त अधिकारी | ८. मा० श्री गोकर्णराज विष्ट |
| ९. मा० श्री सूर्यमान डोड तामाङ्ग | १०. मा० श्री सुदर्शन बराल मगर |
| ११. मा० श्री भद्रबहादुर थापा | १२. मा० श्री पद्मलाल विश्वकर्मा |
| १३. मा० श्री प्रदीपकुमार ज्ञवाली | १४. मा० श्री शिला यादव |
| १५. मा० श्री दिलेन्द्रप्रसाद बडु | १६. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे |

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “न्यायाधीशहरूको पारिश्रमिक, सेवाको शर्त र सुविधा सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसद नियमावली (संशोधन सहित), २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “न्यायाधीशहरूको पारिश्रमिक, सेवाको शर्त र सुविधा सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल भदौ ५ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ४६, ४७ र ४८

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल भदौ ५ गते बुधवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको १:१५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्दै निर्वाचनको चेतना फैलाउन सवै मा० सांसदहरू गाउँ जानमा ढिलाई गर्न नहुने भन्ने सम्बन्धमा, तराईका व्यापारी, सर्वसाधारण, उद्योगी, मजदुर र अन्य पेशाका व्यक्तिहरू निर्वाध आफ्नो पेशा गर्न नसकिरहेको सम्बन्धमा, आफैँ सरकारमा बसेर जनकारवाही गर्ने भनेर गैर जिम्मेवारपूर्ण कुरा गर्न नहुने सम्बन्धमा, समानुपातिक प्रतिनिधित्व र गणतन्त्रको माग अधिकांश पक्षबाट उठिरहेको समयमा राजालाई अंगालेर बस्ने अवस्था नरहेको भन्ने सम्बन्धमा, आफ्नो भाग्य आफैँ निर्माण गर्ने अवसरको रूपमा प्राप्त संविधान सभाको निर्वाचनमा जनआन्दोलनकारी शक्तिहरू एकजुट भएर लाग्न ढिलाई गर्न नहुने भन्ने सम्बन्धमा, युद्धकला र शासन कला फरक हुने हुनाले शासन कला व्यवहारमा लागू गर्नुपर्ने भन्ने सम्बन्धमा, जातीय समस्यालाई सही रूपमा समाधान गरिनु पर्ने सम्बन्धमा, तामाङ र दलित मुक्ति मोर्चाले आयोजना गरेको शान्तिपूर्ण बन्द कार्यक्रममा प्रहरी हस्तक्षेप भएको सम्बन्धमा, संविधान सभा र गणतन्त्र एक अर्काका परिपुरक भएकाले संविधान सभाको निर्वाचन अपरिहार्य भएको भन्ने सम्बन्धमा, शान्ति कायम गर्न हतियार बिसाएको ने.क.पा. माओवादी पार्टीलाई पुनः हतियार उठाउने वातावरण नबनाइयोस् भन्ने सम्बन्धमा, अहिलेको मूल आन्दोलनको रूपमा संविधान सभाको निर्वाचनलाई नै लिनु पर्ने भन्ने सम्बन्धमा र अन्य विविध विषयका सम्बन्धमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

- | | |
|-------------------------------------------|----------------------------------|
| १. मा० श्री रघुजी पन्त | २. मा० श्री रामकुमार चौधरी |
| ३. मा० श्री भरतप्रसाद शाह | ४. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी |
| ५. मा० श्री लीलामणि पोखरेल | ६. मा० श्री डिलाराम आचार्य |
| ७. मा० श्री तारासम यङ्ग्या | ८. मा० श्री परशुराम रम्तेल |
| ९. मा० श्री लालबाबु पण्डित | १०. मा० श्री सूर्यमान दोड तामाङ |
| ११. मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कंडेल | १२. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| १३. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली | १४. मा० श्री विनोदकुमार उपाध्याय |
| १५. मा० श्री रिजवान अन्सारी | १६. मा० श्री नन्दसिंह सार्की |

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “न्यायाधीशहरूको पारिश्रमिक, सेवाको शर्त र सुविधा सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “न्यायाधीशहरूको पारिश्रमिक, सेवाको शर्त र सुविधा सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्तावमाथि अर्थात् विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिनु भएन तसर्थ मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “न्यायाधीशहरूको पारिश्रमिक, सेवाको शर्त र सुविधा सम्बन्धी केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक आधा घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ४:०० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिका मा० सदस्य श्री दामोदर वस्ताकोटीले “केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६३” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक पन्ध्र मिनेटको लागि स्थगित भयो ।

आजको व्यवस्थापिका-संसदको तेस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्बाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ५:०० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० स्थानीय विकास मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “अन्तर्राष्ट्रिय श्रम संगठनको आदिवासी जनजातीको हक, अधिकार र सुरक्षा सम्बन्धी महासन्धी नं. १६९ माथि सामान्य छलफल गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त उक्त महासन्धी माथिको छलफलमा मा० श्री उर्वादत्त पन्तले भाग लिनुभयो ।

त्यसपछि मा० स्थानीय विकास मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० स्थानीय विकास मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “अन्तर्राष्ट्रिय श्रम संगठनको आदिवासी जनजातीको हक, अधिकार र सुरक्षा सम्बन्धी महासन्धी नं. १६९ माथि सामान्य छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० स्थानीय विकास मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “अन्तर्राष्ट्रिय श्रम संगठनको आदिवासी जनजातीको हक, अधिकार र सुरक्षा सम्बन्धी महासन्धी नं. १६९ लाई अनुमोदन गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट अनुमोदन भयो ।

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको “केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरू तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरूमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिनु भएन तसर्थ मा० सभामुखले “केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६३” का सम्बन्धमा कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ११ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ११ सम्म उल्लेखित संशोधनहरू “केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६३” को दफा २ देखि २० सम्म र सोसँग सम्बन्धित अनुसूचीहरू विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल भदौ ७ गते शुक्रवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

दोस्रो अधिवेशन

बैठक संख्या - ४९

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल भदौ ७ गते शुक्रवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ४:१० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले राजाको हैसियतले राजा ज्ञानेन्द्रले प्राप्त गरेका सबै सम्पत्तिहरु राष्ट्रियकरण गर्ने निर्णय गरेको, स्वर्गीय राजा वीरेन्द्रको सम्पत्ति अर्को आदेश नभएसम्म हक हस्तान्तरण गर्न नपाउने निर्णय गरेको, नारायणहिटी, हनुमानढोका, पाटन, भक्तपुर, लमजुङ्ग र गोरखा दरबारहरु केही पुरातत्व विभागको स्वामित्वमा र केही नेपाल सरकारको नाममा रहने र ती दरबारहरुबाट प्राप्त आय नेपाल सरकारको आयमा जम्मा हुने मन्त्रिपरिषद्को निर्णय सदनलाई जानकारी गराउनुभयो ।

तत्पश्चात मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगानाले समापन मन्तव्य व्यक्त गर्दै हिजोको तीक्ततालाई बिर्सिएर आठ दल लगायत संसदमा प्रतिनिधित्व गर्ने अन्य दलहरु पनि सहमतिमा जुटेर संविधान सभाको निर्वाचनको चेतना जगाउन गाउँ गाउँ जानु पर्ने आवश्यकता रहेको, संविधान सभाको निर्वाचनमाथि खलल पुऱ्याउन खोज्ने जोसुकैलाई पनि क्षमा गर्न नहुने, चालू अधिवेशनले विभिन्न नीतिगत निर्णय गर्नुका साथै संविधान सभाको निर्वाचनको लागि महत्वपूर्ण विभिन्न विधेयकहरु पारित गरिएको र व्यवस्थापिका-संसदको बैठक बोलाउन आवश्यक परेको खण्डमा एक चौथाई व्यवस्थापिका-संसदका सदस्यले समावेदन गरेमा तत्काल व्यवस्थापिका-संसदको बैठक बोलाउन सक्ने प्रावधान नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ मा रहेकोले सदन स्थगन र अन्त्यको विषयमा मा० सदस्यहरुले कुनै चिन्ता लिइराख्नु पर्दैन भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० श्री महेन्द्रबहादुर पाण्डेले जनआन्दोलन-२ बाट प्राप्त शक्तिले हामी पुनर्स्थापित भएर जनताको पक्षमा निर्णय गर्न, निरंकुशताको अन्त्य गर्न र लोकतन्त्रको स्थापना गर्न समर्थ भएका छौं, नेपाली जनताको जनादेश भनेको लोकतान्त्रिक गणतन्त्र हो, कसैले कसैलाई छेडछाड गर्नुभन्दा मुलुकले खोजेको चाहना पुरा गर्नेतर्फ हामी लाग्नु पर्दछ, हामी आठ दल मात्र होइन जनताको हीतमा काम गर्ने अन्य दलहरु पनि एक ढिक्का भई संविधानसभाको निर्वाचनका लागि जनतामा जानुपर्दछ, हाम्रो दिमागमा रहेको सामन्तवादलाई हामीले हटाउन सक्नु पर्छ, अब हामीले जनआन्दोलनको अर्को उपलब्धि संविधान सभाको निर्वाचनको प्रचार प्रसारमा जुट्न एक ढिक्का भएर गाउँ जान सहमत हुनुपर्छ भन्नुभयो ।

त्यसपछि मा० श्री दीनानाथ शर्माले यो बजेट अधिवेशन अवधिमा थुप्रै महत्वपूर्ण कामहरु भएका छन् भन्नुहुँदै आठ दलबीच एकता कायम राख्न राज्य सञ्चालनका विभिन्न पक्षमा सहमति कायम गरेर विश्वासको वातावरण कायम राख्नुपर्नेमा अहिलेको सरकारले त्यो वातावरण कायम राख्न नसकेको, नेपाली जनताको परिवर्तन र गणतन्त्रको चाहनालाई नचाहने शक्तिहरु आजपनि छन्, त्यस्ता शक्तिलाई निस्तेज र कमजोर पार्न आठदल बीचको एकता जरुरी छ, हामी संविधान सभाको निर्वाचनबाट भाग्न खोजेको नभई व्यवस्थापिका-संसदको क्रियाशिलताको अभावमा हुनसक्ने खतराप्रति मात्र सचेत भएका हौं, आफ्नो कमजोर गतिविधिको आत्मालोचना गरी मूल्याङ्कन गर्ने परिपाटि बसाल्नु पर्ने र अहिले अन्त्य हुन लागेको यो अधिवेशन कतिपय कारणले गर्दा केही दिन स्थगन मात्र गर्नुपर्ने निष्कर्ष हाम्रो पार्टीले लिएको छ भन्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० श्री टेकबहादुर चोखालले यस अधिवेशनमा महत्वपूर्ण ऐनहरु पारित भएका छन्, यो संसदको दायित्व त्यतिमात्र नभएर संविधान सभाको निर्वाचन सम्पन्न गराउन प्रमुख भूमिका खेल्नु पनि हो, हामीले असहमतिका बीच सहमति कायम गर्दै भय, त्रास र आतङ्क मुक्त वातावरणमा संविधान सभाको निर्वाचन गराउनु पर्छ भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा.ले २००७ साल देखिको सपना एवं महायज्ञको रुपमा हामीले यस संविधान सभाको निर्वाचनलाई लिनुपर्दछ, देशलाई संविधान सभामय बनाउन सरकारले जे-जस्तो भूमिका खेल्नु पर्ने थियो त्यो भूमिका खेल्न सकेको छैन, रा.प्र.पा.को देशका विभिन्न सात जिल्लाका पार्टी कार्यालयहरु

लुटिएका छन्, कार्यकर्ताहरुमाथि हमला भएका छन्, शान्ति सुरक्षाको स्थिति सुदृढ गर्ने सम्बन्धमा सरकार संवेदनशील हुनुपर्छ भन्नुभयो ।

त्यसपछि मा० श्री कमानसिंह लामाले एक ढिक्का भएर निर्वाचनमा जाने, सदन अन्त्य गर्ने वा स्थगित गर्ने भन्ने कुरामा सहमति हुन सकेन, शान्ति सम्झौताको उल्लंघन भयो, समानुपातिक र समावेशी लोकतन्त्रको प्रत्याभूति हुन सकेन, आदिवासी जनजातिहरूसँग भएका सम्झौताहरुको कार्यान्वयन हुन सकेन, चालू अधिवेशन अन्त्य गर्नुभन्दा स्थगन गरेको भए तत्काल सदन बोलाउन आवश्यक भएमा समावेदन गरिरहनु पर्ने थिएन भन्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० श्री लीला न्याइच्याईले संविधान सभाको निर्वाचनको वातावरण तयार गर्न सदन चालू रहेर कुनै फरक पर्ने थिएन भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० श्री यज्ञजीत शाहले युगान्तकारी परिवर्तनका लागि सदन चालू रहेर कुनै फरक नपर्ने र संविधान सभाको निर्वाचनमा कुन प्रणाली अपनाउने र क्षेत्र निर्धारण कसरी हुने भन्ने सम्बन्धमा अझै अन्याय रहेको छ, यो अवस्थामा संविधानसभाको निर्वाचन कसरी सम्पन्न हुनसक्छ भन्नुभयो ।

त्यसपछि मा० श्री परी थापाले हाम्रो मुख्य उद्देश्य संविधान सभाको निर्वाचन समयमै शान्तिपूर्ण ढंगले निष्पक्ष रूपमा हुनसकोस् भन्ने रहेको छ भन्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० श्री गणेश शाहले चालू अधिवेशनले धेरै महत्वपूर्ण कामहरु गरेको छ, सदन अन्त्य गर्ने स्थगन गर्ने सवालमा समेत सहमति कायम हुन नसक्दा जनतामा निराशा छाएको र संविधान सभाको निर्वाचन विरुद्ध लाग्ने शक्तिलाई हौसला बढाएको छ, राज्यको चौकिदारी गर्ने निकायको रूपमा रहेको संसद अन्त्य गर्नुभन्दा स्थगन गरेको भए तत्काल आवश्यक कानूनहरु अध्यादेश मार्फत ल्याउनु पर्ने थिएन भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनालीले नेपाल र नेपाली सुहाउँदो संघीय ढाँचामा राज्यलाई लैजानु पर्ने र हाल देखिएका तराईका समस्या, शान्ति सुरक्षाको समस्या, आदिवासी जनजाति र दलितहरुको समस्यालाई सरकारले यथासमयमा समाधान गरेर लैजानु पर्दछ भन्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो अधिवेशन अवधिमा भए गरेका निम्नलिखित काम कारवाही सम्बन्धी विवरण पढेर सुनाउनु भयो ।

- (१) व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो अधिवेशन २०६४ साल असार १८ गते सोमबार प्रारम्भ भई आज २०६४ साल भदौ ७ गते शुक्रवारसम्म जम्मा ५४ दिन चालु रह्यो । जसमध्ये ३६ दिनहरुमा ४९ पटक बैठक बसी जम्मा १४७ घण्टा ४० मिनेट खास कार्यमा व्यतित गर्‍यो ।
- (२) यसै अधिवेशनमा मा० प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले २०६४ साल असार २० गते नेपाल सरकारको आ.व. २०६४/०६५ को वार्षिक नीति कार्यक्रम प्रस्तुत गर्नुभएकोमा उक्त नीति कार्यक्रममाथि २०६४ साल असार २४, २६ र २७ गते वृहत छलफल भई २०६४ साल असार २७ गते व्यवस्थापिका-संसदको बैठकले नै बहुमतले पारित गर्‍यो ।
- (३) यस अधिवेशनमा जम्मा ८ वटा सरकारी विधेयकहरु प्रस्तुत भएकोमा ६ वटा विधेयकहरु सभाबाट पारित भयो भने एउटा विधेयक समितिमा विचाराधीन अवस्थामा रहेको छ र एउटा विधेयक संशोधनको क्रममा रहेको छ ।

साथै व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम १३९ बमोजिम व्यवस्थापिका-संसदमा हस्तान्तरण भएका पुनर्स्थापित प्रतिनिधिसभाद्वारा विभिन्न समितिमा पठाइएको विचाराधीन १० वटा विधेयकहरु मध्ये ६ वटा विधेयकहरु सभाबाट पारित भयो भने ४ वटा विधेयकहरु विभिन्न समितिमा विचाराधीन रहेका छन् । त्यस्तै व्यवस्थापिका-संसदको प्रथम अधिवेशनबाट विभिन्न समितिहरुमा विचारार्थ पठाइएको विचाराधीन १० वटा विधेयकहरु मध्ये ८ वटा विधेयकहरु सभाबाट पारित भयो भने दुइवटा विधेयकहरु विभिन्न समितिमा विचाराधीन रहेका छन् । व्यवस्थापिका-संसदको प्रथम अधिवेशनमा उत्पत्ति भएका ३ वटा विधेयकहरु दोस्रो अधिवेशन पछि विभिन्न समितिमा विचारार्थ पठाएकोमा ३ वटै विधेयकहरु पारित भयो ।

- (४) यसैगरी २०६४ साल असार २७ गतेको बैठकमा मा० अर्थमन्त्रीको तर्फबाट मा० वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्री श्री महन्थ ठाकुरले आर्थिक वर्ष २०६३/०६४ को आर्थिक सर्वेक्षण पेश गर्नुभयो ।

- (५) २०६४ साल असार २८ गते मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले आ.व. ०६४/६५ को राजस्व र व्ययको वार्षिक अनुमान प्रस्तुत गर्नुभयो । उक्त राजस्व र व्ययको वार्षिक अनुमानमाथिको सैद्धान्तिक छलफलमा मा० सदस्यहरुले २०६४ साल असार ३० र ३१ गते भाग लिनु भई २०६४ साल असार ३२ गते मा० अर्थमन्त्रीबाट जवाफ दिने कार्य सम्पन्न भयो ।
- (६) २०६४ असार ३२ गतेको बैठकमा विभिन्न मन्त्रालयहरूसँग सम्बन्धित विभिन्न शीर्षकहरु माथि विनियोजन विधेयक प्रस्तुत भएकोमा उक्त विनियोजन शीर्षकहरुमाथि २०६४ साल साउन ५ गतेदेखि २० गतेसम्म वृहत छलफल गरियो र सम्बन्धित मन्त्रीबाट २०६४ साल साउन २१ गतेदेखि २४ गतेसम्म जवाफ दिने कार्य भई २०६४ साउन २४ गतेको बैठकले उक्त विनियोजन विधेयक बहुमतले पारित गर्‍यो ।
- (७) यसै अधिवेशनमा भारतका भूतपूर्व प्रधानमन्त्री श्री चन्द्रशेखर र वर्तमान व्यवस्थापिका-संसद सदस्य श्री डिल्लीराज शर्माको निधनमा शोक व्यक्त गर्दै शोक प्रस्तावहरु पारित भए ।
- (८) यसैगरि सार्वजनिक लेखा समितिका मा० सभापति श्री परी थापाले सार्वजनिक लेखा समितिको प्रथम वार्षिक प्रतिवेदन २०६४ साल असार २७ गतेको बैठकमा प्रस्तुत गर्नुभयो ।
- (९) त्यस्तै व्यवस्थापिका-संसद (संशोधन सहित) नियमावली, २०६३ को नियम १४४ को उपनियम २ र ३ बमोजिम व्यवस्थापिका-संसदमा विनियोजन विधेयक प्रस्तुत गर्नुपूर्व बजेट तयारीका लागि विनियोजन विधेयकका प्राथमिकता र सिद्धान्तका सम्बन्धमा १५ दिन पूर्व नै सभामा छलफल गर्न अर्थमन्त्रीले प्रस्ताव पेश गरि छलफल समाप्त भैसक्नु पर्ने प्रावधान रहेकोमा उक्त प्रावधान तत्काल कार्यान्वयनमा ल्याउन समय अभावका कारणले आ.व. ०६४/६५ को बजेट तयारीका लागि व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम २६६ बमोजिम व्यवस्थापिका-संसद (संशोधन सहित) नियमावली, २०६३ को नियम १४४ को उपनियम २ र ३ लाई तत्कालका लागि निलम्बन गरियोस् भन्ने प्रस्ताव प्रस्तुत भई सर्वसम्मतिले पारित भयो ।
- (१०) विनियोजन विधेयकका सिद्धान्त र प्राथमिकता सम्बन्धमा अर्थ समितिको प्रतिवेदन, २०६४ अर्थ समितिका मा० सदस्य श्री भरतमोहन अधिकारीले २०६४ साल असार २४ गते प्रस्तुत गर्नुभयो ।
- (११) २०६४ साल साउन २ गतेको बैठकमा राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टीबाट व्यवस्थापिका-संसदमा प्रतिनिधित्व गर्नुहुने मा० श्री नेत्रलाल श्रेष्ठ उक्त दलमा नरहेको भनी राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टी संसदीय दलको कार्यालयको मिति २०६४/०३/२७ को पत्र प्राप्त हुन आएकोले उक्त पद एक रिक्त हुन आएको व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराइयो ।
- (१२) यसै अधिवेशनमा मिति २०६४ साल साउन १२ गते शनिवारको बैठकमा हालै आएको अविरोध वर्षाका कारण मुलुकका विभिन्न भागमा ठूलो जनधनको क्षति भएकोले पिडित परिवारको तत्कालिन सहयोगको लागि व्यवस्थापिका-संसदका सदस्यहरुले पाँच दिनको पारिश्रमिक बराबरको रकम उपलब्ध गराउने प्रस्ताव सर्वसम्मतिले स्वीकृत भयो ।
- (१३) २०६४ साल साउन १४ गतेको बैठकमा मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले नेपाल सरकार र संयुक्त अरब इमिरेट्स सरकार बीच नेपाली जनशक्ति कामका लागि संयुक्त अरब इमिरेट्स पठाउने सम्बन्धमा भएको समझदारी पत्र र नेपाल सरकार र दक्षिण कोरिया सरकार बीच नेपाली कामदार रोजगार अनुमति प्रणाली अर्न्तगत दक्षिण कोरिया पठाउने सम्बन्धमा भएको समझदारी पत्र सदन समक्ष प्रस्तुत गर्नुभयो ।
- (१४) यसै अधिवेशनमा अन्तर्राष्ट्रिय श्रम संगठनको बलयुक्त श्रमको उन्मूलन सम्बन्धी महासन्धी, १९५७ र अन्तर्राष्ट्रिय श्रम संगठनको आदिवासी जनजातीको हक, अधिकार र सुरक्षा सम्बन्धी महासन्धी नं. १६९ लाई सर्वसम्मतिले अनुमोदन गर्‍यो ।
- (१५) २०६४ साल साउन २४ गतेको बैठकमा मा० शान्ति तथा पुर्ननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले २०६४ साल साउन २२ गते ललितपुरको गोदावरीमा सरकारी वार्ता टोली र नेपाल आदिवासी जनजाती महासंघ तथा आदिवासी जनजाती संघर्ष समिति, नेपालका प्रतिनिधिहरु बीच भएको लिखित सहमतिको छाँया प्रति पेश गर्नुभयो ।

- (१६) २०६४ साल साउन १८ गतेको बैठकमा मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले नेपालको राष्ट्रिय गानको धुन (सि.डि.) सदन समक्ष प्रस्तुत गर्नुभयो । सोही दिन एक समारोह बीच उक्त नेपालको राष्ट्रिय गान र सोको धुन सार्वजनिक गरियो ।
- (१७) २०६४ साल साउन १८ गतेको बैठकमा मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “उच्चस्तरीय जाँचबुझ आयोगको प्रतिवेदन, २०६३” सदन समक्ष प्रस्तुत गर्नुभयो र उक्त प्रतिवेदन मा० सदस्यहरु र सञ्चारकर्मीहरुको अध्ययनका लागि व्यवस्थापिका-संसद सचिवालयको पुस्तकालयमा राखिएको व्यहोरा जानकारी गराइयो ।
- (१८) २०६४ साल साउन २७ गतेको बैठकमा मा० वन तथा भू-संरक्षण मन्त्री मातृकाप्रसाद यादवले आफ्नो पदबाट दिनुभएको राजीनामा सम्माननीय प्रधानमन्त्रीले स्वीकृत गर्नुभई उक्त मन्त्रालयको कार्यभार मा० स्थानीय विकास मन्त्री श्री देवप्रसाद गुरुङ्गले सम्हाल्ने गरी तोक्नुभएको व्यहोराको पत्र जानकारी गराइयो । त्यस्तै २०६४ साल भदौ २ गतेको बैठकमा सम्माननीय प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाले मौजुदा मन्त्रपरिषद्मा श्री शशि श्रेष्ठलाई राज्यमन्त्री पदमा नियुक्ति गरी स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयको कार्यभार सम्हाल्ने गरी तोक्नुभएको व्यहोराको पत्र जानकारी गराइयो ।
- (१९) यसै अधिवेशन अवधिमा मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले विभिन्न मितिमा सदनसमक्ष सार्वजनिक महत्वका विषयहरुमा वक्तव्य दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले समापन मन्तव्य व्यक्त गर्नुहुँदै मुलुकलाई शान्तिप्रक्रिया र लोकतान्त्रिक प्रक्रियाको निष्कर्षमा पुऱ्याउन तत्कालीन प्रतिनिधि सभाले र त्यसपछि व्यवस्थापिका-संसदले कुन रूपमा भूमिका खेल्थे त्यो सर्वविदितै छ, व्यवस्थापिका-संसदले संघात्मक शासन प्रणाली, समानुपातिक निर्वाचन प्रणाली, धर्म निरपेक्षता आदिका विषयमा महत्वपूर्ण निर्णयहरु गरेको छ, अब ऐतिहासिक जनआन्दोलनको मूल लक्ष्यको परिपूर्तिको लागि संविधान सभाको निर्वाचन भयरहित, निष्पक्ष र स्वतन्त्र रूपमा सम्पन्न गर्न व्यवस्थापिका-संसदले खेल्न सक्ने भूमिका हामीले निभाउनु पर्दछ, लोकतान्त्रिक शक्तिहरुबीचको एकता नै संविधान सभाको मूल आधार हो तसर्थ हामीले यो एकतालाई कायम राखी मंशीर ६ गतेको संविधान सभाको निर्वाचन सम्पन्न गर्ने अभिभारा पूरा गर्न सम्पूर्ण मा० सदस्यहरुलाई आग्रह गर्दै व्यवस्थापिका-संसदका मा० सदस्यहरु आ-आफ्नो कार्यक्षेत्रमा गई संविधानसभा निर्वाचनको लागि क्रियाशिल रहन शुभकामना व्यक्त गर्दछु भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले मा० प्रधानमन्त्रीबाट प्राप्त हुन आएको निम्नलिखित पत्र पढेर सुनाउनु भयो :-

“नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ५१ को उपधारा (२) बमोजिम व्यवस्थापिका-संसदका माननीय सभामुखको परामर्शमा व्यवस्थापिका-संसदको चालू दोश्रो अधिवेशन सम्बत् २०६४ साल भाद्र ७ गते शुक्रवारका दिन बेलुकी ९:०० बजेदेखि अन्त्य गरेको छु ।”

मिति :- सम्बत् २०६४ भाद्र ७

(गिरिजाप्रसाद कोइराला)
प्रधानमन्त्री

तदनन्तर व्यवस्थापिका-संसदको दोस्रो अधिवेशन आजै बेलुकी ९:०० बजेदेखि स्वतः अन्त्य हुने गरी स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव